{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 07 सितम्बर 2026
भाद्रपद कृष्ण 09 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 344
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सागर में जहरीली शराब से अब तक 12 लोगों की मौत, 35 अस्पताल में भर्ती

रात में बिगड़ी थी तबीयत, मरने वालों में चार गांवों के लोग शामिल

सागर। मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली-अवैध शराब पीने से अबतक 12 लोगों की मौत हो चुकी है। करीब 35 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से कुछ की हालत अब भी गंभीर बनी बताई जा रही है। मौतों का आंकड़ा और भी बढ़ने की आशंका है। डॉक्टरों के मुताबिक अस्पताल लाए गए मरीजों के शरीर नीले पड़ गए थे और उन्हें अकड़न महसूस हो रही थी। घटना के बाद प्रभावित गांवों में स्क्रीनिंग की जा रही है। शराब पीने वाले लोगों को चेकअप के लिए अस्पताल लाया जा रहा है।

घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर प्रतिभा पाल और पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया सहित प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी बंडा पहुंचे। अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर स्थिति की जानकारी ली और मामले की जांच शुरू कराई। कानून-व्यवस्था बनाए

रखने के लिए बंडा में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

पुलिस के मुताबिक मृतकों में गोलू उर्फ चमन लोधी (45), निवासी गुगरा खुर्द, दिग्विजय लोधी (28), निवासी नौराज, करतार सिंह लोधी (30), निवासी नौराज, उजियार सिंह लोधी (56), निवासी गुगरा खुर्द, रोशन लोधी (30), निवासी पाटन थाना विनायका और राजेंद्र लोधी (32), निवासी नौराज-गुगरा शामिल हैं। गोलू उर्फ चमन को पहले से कैंसर की शिकायत होने की जानकारी भी सामने आई है। वहीं हरनाम राय (42), निवासी चौका, उत्तम नत्थू नायक (42), निवासी दलपतपुर, मंगल रजक (40), निवासी गुगरा खुर्द, परम आदिवासी, निवासी हिनौता और धनसिंह आदिवासी (30), निवासी हिनौता को गंभीर हालत में बीएमसी सागर रेफर किया गया है। प्रशासन और पुलिस द्वारा घटना के कारणों की जांच की जा रही है। जहरीली शराब की आशंका को लेकर भी जांच की जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कलेक्टर प्रतिभा पाल ने लोगों से अपील की है कि पिछले 24 से 48 घंटे में किसी भी तरह की शराब पी है या जहरीली शराब के लक्षण दिखाई दे रहे हैं तो तुरंत स्क्रीनिंग कराएं। उन्होंने कहा कि लोग स्थानीय डॉक्टरों की टीम से संपर्क कर सकते हैं या सीधे अस्पताल पहुंचकर जांच करा सकते हैं। मौतों के बाद प्रशासन एक्शन में है। क्षेत्र की 6 शराब दुकानों को सील कर सैंपलिंग के निर्देश दिए हैं। वहीं, अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए कहा गया है।

घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण, जांच कराकर दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को विदेश दौरे पर रवाना होने से पहले नई दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सागर जिले के प्रभारी मंत्री एवं अधिकारियों को घटना की

तत्काल जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई के निर्देश दे दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जांच के बाद इस मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

नकली शराब से मौतों के मामले में तीन अधिकारी निलंबित, एक मुख्यालय अटैच

सागर जिले की बंडा तहसील के तीन गांवों में नकली शराब पीने से हुई मौतों के मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सख्त कार्रवाई की गई है। आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना ने प्रथम दृष्टया जिम्मेदार मानते हुए तीन अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, जबकि एक अधिकारी को जिले से हटाकर मुख्यालय अटैच किया गया है।

निलंबित अधिकारियों में सागर की सहायक आबकारी आयुक्त कीर्ति दुबे, सहायक जिला आबकारी अधिकारी दिलीप खंडाते और बंडा वृत्त के आबकारी उप-निरीक्षक प्रोशनी उरेती शामिल हैं। वहीं उपायुक्त एवं संभागीय फ्लाइंग स्क्वाड प्रभारी नीरजा श्रीवास्तव को ग्वालियर मुख्यालय अटैच किया गया है।

खास खबर

मंत्री सुदिव्य सोनू का हार्ट अटैक से निधन

गिरिडीह। झारखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के सीनियर लीडर सुदिव्य कुमार सोनू का शनिवार देर रात निधन हो गया। वो गिरिडीह स्थित अपने आवास पर थे। बताया जा रहा है कि रात में सोने जाने के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी। परिजनों ने उन्हें तत्काल गिरिडीह के निजी मर्सी हॉस्पिटल में भर्ती कराया। अस्पताल में इलाज करने वाले डॉक्टर शहजाद शेख ने बताया कि मंत्री सुदिव्य सोनू रात 2.15 बजे के करीब आए। उनकी छाती में दर्द हो रहा था। डॉक्टर शहजाद शेख के अनुसार, जब मंत्री अस्पताल पहुंचे थे, उस समय उन्होंने दर्द के दौरान उल्टी की, वो उनके लंग्स में चला गया था। तत्काल इलाज शुरू किया गया। सांस की नली साफ की गई। इसके बाद इसीजी निकाली गई। उसमें हार्ट अटैक के लक्षण थे। बीपी मिल नहीं रहा था। इसी दौरान 10 से 15 मिनट के भीतर ही उनका निधन हो गया। सीपीआर दिया गया, लेकिन वह सफल नहीं रहा। सुबह करीब 4 बजे उन्हें मृत घोषित किया गया। उन्हें पहले से ही बीपी और सुगर की शिकायत थी।

1 दिसंबर से चार राज्यों में जनगणना

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और गोवा में जनगणना की प्रक्रिया 1 दिसंबर 2026 से शुरू होगी। आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए इन राज्यों में जनसंख्या पहले कराने का फैसला लिया गया है। यह प्रक्रिया 4 जनवरी 2027 तक चलेगी। इसके बाद 5 से 9 जनवरी तक पुनरीक्षण किया जाएगा। इन राज्यों के नागरिक 16 से 30 नवंबर के बीच स्व-गणना की सुविधा का भी इस्तेमाल कर सकेंगे। उत्तराखंड के बर्फीले क्षेत्रों को इस कार्यक्रम से अलग रखा गया है। देश के अन्य हिस्सों में जनगणना की प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगी। चुनावी राज्यों में समय से जनगणना पूरी कराने से प्रशासनिक तैयारियों में भी सुविधा होगी।

स्वतंत्र भारद्वाज को एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान कथित मारपीट के मामले में आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज को पटियाला हाउस कोर्ट ने एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया। अब स्वतंत्र भारद्वाज को सोमवार को नामित एससी/एसटी अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को उन्हें गिरफ्तार किया था। यह मामला जुलाई में हुए सीजेपी प्रदर्शन के दौरान कथित मारपीट से जुड़ा है। गिरफ्तारी के बाद उनके वकीलों ने पुलिस कार्रवाई और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

केंद्र ने 8 हाईकोर्ट में नए चीफ जस्टिस किए नियुक्त

-सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के कुछ दिन बाद हुईं नियुक्तियां

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के आठ हाईकोर्ट में नए मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति की है। ये नियुक्तियां सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के कुछ दिन बाद शनिवार को की गई हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर नियुक्तियों की जानकारी दी। नई नियुक्ति के तहत जस्टिस अलपेश यशवंत कोग्जे को गुजरात हाईकोर्ट से मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाया गया है।

दिल्ली हाईकोर्ट के मौजूदा न्यायमूर्ति वक्षुरी कामेश्वर राव को पटना हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। वहीं, बॉम्बे हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति रविंद्र वी. घुगे को कलकत्ता हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया है।

इन 8 जजों को मिली नई जिम्मेदारी

जस्टिस वक्षुरी कामेश्वर राव — दिल्ली हाईकोर्ट से पटना हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस।

जस्टिस रविंद्र वी. घुगे — बॉम्बे हाईकोर्ट से कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस।

जस्टिस संजय कुमार अग्रवाल — छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस।

जस्टिस महेश चंद्र त्रिपाठी — इलाहाबाद हाईकोर्ट से बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस।

जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा — पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस।

जस्टिस कृष्णा राम मोहापात्रा — ओडिशा हाईकोर्ट से छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस।

जस्टिस अलपेश यशवंत कोग्जे — गुजरात हाईकोर्ट से मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस।

जस्टिस पुष्पेंद्र सिंह भाटी — राजस्थान हाईकोर्ट से जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस।

इन नियुक्तियों के साथ देश के कई प्रमुख हाईकोर्ट में शीर्ष न्यायिक पदों पर बदलाव हुआ है। नई नियुक्तियां संबंधित हाईकोर्ट के प्रशासनिक कामकाज और न्यायिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

दिल्ली में 40-50 साल पुरानी इमारत गिरी

मलबे में कई दबे.. 3 की मौत, कई घायल

नई दिल्ली । दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को एक 5 मंजिला बिल्डिंग गिर गई। इसमें 3 स्टूडेंट्स की मौत हो गई। वहीं, 3 गंभीर रूप से घायल हैं। जो इमारत गिरी वो 40-50 साल पुरानी थी। बिल्डिंग में हॉस्टल चलता था। चश्मदीदों के मुताबिक हादसे के वक्त छात्र कमरों में थे और बेसमेंट में खुदाई चल रही थी। 9 का रेस्क्यू कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग में 20-25 कमरे थे और हर कमरे में 2 स्टूडेंट्स रहते थे। हादसे के वक्त अंदर 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। बिल्डिंग के मालिक का नाम आनंद बंसल है, जो गुरुग्राम में रहता है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मलबे के बगल में एक और बिल्डिंग गिरने की हालत में है। लेकिन लोगों को वहां से निकाल लिया गया है।

पांच मंजिला इमारत भरभराकर गिरने की घटना ने सिर्फ रेस्क्यू ऑपरेशन ही नहीं, बल्कि राजधानी के छात्र इलाकों में मौजूद पुराने और जर्जर भवनों की सुरक्षा पर भी बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। जिस इमारत में हादसा हुआ, वह करीब 40-50 साल पुरानी बताई जा रही है और उसमें छात्रों के लिए हॉस्टल संचालित हो रहा था। हादसे के समय इमारत में 50 से ज्यादा लोगों के मौजूद होने का दावा किया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक

इमारत में 20-25 कमरे थे और प्रत्येक कमरे में करीब दो छात्र रहते थे। हादसे के बाद कई लोग मलबे में फंस गए। अब तक कई लोगों को बाहर निकाला जा चुका है, जबकि घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है।

एम्स ट्रॉमा सेंटर में 7 घायल भर्ती

दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत गिरने के बाद 7 लोगों को एम्स ट्रॉमा सेंटर और 1 को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। एम्स ट्रॉमा सेंटर के मुताबिक, वहां लाए गए लोगों में से 2 को मृत घोषित कर दिया गया।

बेसमेंट में हो रही थी खुदाई

हादसे से जुड़ी सबसे अहम बात यह सामने आई है कि इमारत के बेसमेंट में खुदाई का काम चल रहा था। ऐसे में जांच का एक प्रमुख सवाल यह होगा कि क्या बेसमेंट की खुदाई के दौरान भवन की संरचनात्मक सुरक्षा प्रभावित हुई थी। पुरानी इमारत में नीचे की तरफ निर्माण या खुदाई के दौरान नींव पर पड़ने वाले असर की जांच बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है।

इसरो में निजीकरण की आहट से कर्मचारियों की चिंता बढ़ी

9 संगठनों ने चेयरमैन को लिखा पत्र, पूछा- रॉकेट-सैटेलाइट बनाएगा कौन?

नई दिल्ली। भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों की बढ़ती भूमिका अब इसरो के भीतर चिंता का कारण बनने लगी है। इसरो के नौ कर्मचारी संगठनों ने अंतरिक्ष विभाग और संगठन के प्रमुख वी. नारायणन को पत्र लिखकर पूछा है कि निजी क्षेत्र को बढ़ती जिम्मेदारियां सौंपे जाने के बाद इसरो की मूल भूमिका क्या रह जाएगी और हजारों कर्मचारियों का भविष्य किस दिशा में जाएगा।

कर्मचारी संगठनों की चिंता केवल निजी कंपनियों की एंट्री को लेकर नहीं है। असली सवाल यह है कि अगर रॉकेट और सैटेलाइट का निर्माण भी धीरे-धीरे निजी क्षेत्र के पास चला गया तो इसरो की अपनी तकनीकी और निर्माण क्षमता कितनी बचेगी। संगठनों ने सरकार से इस संबंध में स्पष्ट और आधिकारिक नीति बताने की मांग की है।

छह साल बाद भी कर्मचारियों को नीति स्पष्ट नहीं

भारत ने करीब छह साल पहले अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने की दिशा में बड़ा कदम उठाया था। इसके बाद इन-स्पेस के जरिए निजी कंपनियों की भागीदारी लगातार बढ़ी है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि निजी क्षेत्र को बढ़ावा देने को लेकर सरकार और विभिन्न मंचों से कई घोषणाएं सामने आई हैं, लेकिन कर्मचारियों को यह स्पष्ट नहीं किया गया कि इसरो और निजी कंपनियों के बीच काम का अंतिम बंटवारा क्या होगा। 4 सितंबर को लिखे पत्र में संगठनों ने पूछा है कि निजी क्षेत्र के विस्तार के बाद इसरो की दीर्घकालिक भूमिका क्या होगी और इसका मौजूदा कर्मचारियों तथा भविष्य में होने वाली भर्तियों पर क्या असर पड़ेगा।

सैटेलाइट निर्माण से लॉन्च पैड तक चिंता

कर्मचारी संगठनों ने इसरो के नियमित सैटेलाइट निर्माण को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि सैटेलाइट निर्माण और प्रक्षेपण से जुड़ी गतिविधियां बड़े पैमाने पर निजी कंपनियों को हस्तांतरित होती हैं तो इसरो की अपनी उत्पादन क्षमता प्रभावित हो सकती है। कुलशेखरपट्टिनम में विकसित हो रहे नए स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स को लेकर भी संगठनों ने सवाल उठाए हैं।

दुनिया के नए नक्शे पर भारत की आपत्ति, कहा

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख हमारे नक्शे के मुताबिक दिखें, हमारी सीमाएं अटल, इनसे समझौता नहीं

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत ने दुनिया के नए नक्शे को लेकर आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख समेत भारत का पूरा इलाका भारत के आधिकारिक नक्शे के हिसाब से ही दिखना चाहिए। भारत के इलाके को गलत या भ्रामक तरीके से दिखाना हमें मंजूर नहीं है। भारत की सीमाएं अटल हैं, इससे समझौता नहीं हो सकता। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र के उस प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया, जिसमें दुनिया के नक्शे पर देशों और महाद्वीपों का आकार उनके असली क्षेत्रफल के करीब दिखाने की बात कही गई है। हालांकि, भारत ने साफ किया कि इसका मतलब किसी एक खास नक्शे को मंजूरी देना नहीं है।

दरअसल, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने शुक्रवार को दुनिया के नक्शे को नए तरीके से दिखाने का प्रस्ताव पास किया। इस बदलाव से किसी देश या महाद्वीप का असली क्षेत्रफल नहीं बदलेगा। सिर्फ नक्शे पर उनका आकार पहले से कुछ छोटा या बड़ा नजर आएगा। अभी दुनिया में मर्केटर मैप काफी इस्तेमाल होता है। इसमें नक्शे पर ध्रुवों के पास के इलाके अपने असली आकार से बड़े दिखाई देते हैं। नए तरीके को इक्वल एरिया प्रोजेक्शन कहा गया है। इसमें अफ्रीका पहले से बड़ा, जबकि यूरोप और उत्तरी अमेरिका छोटे नजर आएंगे।

महानंदा एक्सप्रेस डिरेल, कोच पटरी से उतरे

भोजपुर। बिहार के आरा में रविवार सुबह करीब 4 बजे 15483 अलीपुरद्वार जंक्शन-दिल्ली महानंदा एक्सप्रेस डिरेल हो गई। एक जनरल और एक एसी बोगी पटरी से उतर गई। घटना पंडित दीनदयाल उपाध्याय-दानापुर रेलखंड पर हुई। घटना के बाद रेलवे स्टाफ और ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया। आनन-फानन में रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

कुछ ना कहना

एक्शन मोड में पीएम मोदी...आज मंत्रियों की लगेगी क्लास

-मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा, सोशल सेक्टर पर रहेगा खास फोकस

नई दिल्ली। सरकार के विभिन्न क्षेत्रों में परफॉर्मेंस की समीक्षा के लिए सोमवार शाम एक अहम बैठक बुलाई गई है। इसमें खास तौर पर सामाजिक न्याय और सामाजिक कल्याण के सेक्टर पर फोकस रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार शाम इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में अलग-अलग मंत्रालयों, मंत्रियों और उनके समग्र प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा। समीक्षा बैठक के लिए सिर्फ उन राज्य मंत्रियों और स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्रियों के एक वर्ग को बुलाया गया है जिनका मंत्रालय सामाजिक न्याय और सामाजिक कल्याण से संबंधित है।

जिन मंत्रालयों पर कल की बैठक में फोकस रहेगा और जिनके कामकाज की समीक्षा होगी उसमें शिक्षा मंत्रालय, सामाजिक

न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, कृषि मंत्रालय आदि शामिल हैं। इसमें मंत्रियों के कामकाज का आकलन होगा. जवाबदेही पर भी चर्चा होगी। ऐसी और बैठकें भी राज्यमंत्रियों के दूसरे वर्ग के साथ आने वाले दिनों में होंगी। इन बैठकों को राज्यमंत्रियों की परफॉर्मेंस से भी जोड़ा जा रहा है जिसका भविष्य में होने वाली कैबिनेट फेरबदल में भी असर देखने को मिल सकता है. कैबिनेट विस्तार के समय ऐसा पहले से होता आ रहा है।

कामों की हो लगातार समीक्षा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर में जल शक्ति मंत्रालय के दो दिवसीय राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की. उन्होंने कहा था कि सम्मेलन में दिए गए सुझावों को तय समय में लागू किया जाना चाहिए, साथ ही, इन कामों की लगातार समीक्षा भी होनी चाहिए, ताकि जरूरत के मुताबिक सुधार किया जा सके. प्रधानमंत्री ने शहरों की बढ़ती आबादी और भविष्य में पानी की जरूरत जैसी चुनौतियों को लेकर स्थानीय निकायों को जागरूक करने की बात कही. उन्होंने शहरी इलाकों में पानी की जरूरत को ध्यान में रखते हुए बेहतर तैयारी करने पर जोर दिया।

सिर्फ आपत्तिजनक स्थिति में मिलना व्यभिचार का सबूत नहीं- पटना हाईकोर्ट

पटना। पटना हाईकोर्ट ने वैवाहिक विवाद से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में स्पष्ट किया है कि पत्नी के किसी अन्य पुरुष के साथ केवल आपत्तिजनक स्थिति में पाए जाने का आरोप अपने आप में व्यभिचार (एडल्ट्री) साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। व्यभिचार के आरोप को स्पष्ट और ठोस साक्ष्यों के आधार पर साबित करना आवश्यक है। महज संभावना या पति के एकतरफा बयान के आधार पर पत्नी के खिलाफ व्यभिचार का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। जस्टिस विवेक चौधरी और जस्टिस राणा विक्रम सिंह की खंडपीठ ने संजय कुमार झा की ओर से दायर अपील पर दोनों पक्षों को सुनने के बाद यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने पति की तलाक संबंधी अपील खारिज करते हुए मधुबनी फैमिली कोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें तलाक की याचिका खारिज कर दी गई थी।

- 2006 में हुई थी शादी, 2010 में बेटे का जन्म

मामले के अनुसार, पति-पत्नी की शादी 2 जुलाई 2006 को हुई थी। वर्ष 2010 में दोनों के एक पुत्र का जन्म हुआ। पति ने आरोप लगाया था कि बच्चे के जन्म के बाद पत्नी ने उसके साथ क्रूरता की और अपनी बड़ी बहन के पति के साथ अवैध संबंध बनाए। पति का दावा था कि उसने एक बार दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देखा था। इसके बाद 30 मार्च 2013 को पत्नी के पिता कुछ लोगों के साथ उसे ससुराल से ले गए और तब से वह अलग रह रही है। इन्हीं आरोपों के आधार पर पति ने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13(1)(i) और 13(1)(ia) के तहत तलाक की मांग की थी। वहीं, पत्नी ने पति के आरोपों को झूठा और मनगढ़ंत बताया।

दिन में गांव-खेतों के आसपास घूम रहा बाघ

15 दिनों से लगातार मूवमेंट, एक सप्ताह में चार मवेशियों का किया शिकार, अब धुर्वा में कैमरे में कैद हुआ बाघ, कई गांवों में पसरा सन्नाटा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वन परिक्षेत्र पश्चिम बैहर सामान्य के जंगल से लगे गांवों में पिछले करीब 15 दिनों से बाघ की मौजूदगी ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। करीब 8 वर्ष उम्र के इस बाघ का मूवमेंट अब रात के बजाय दिन में भी गांव और खेतों के आसपास देखा जा रहा है।बताया गया कि अब धुर्वा गांव में खेत के समीप विचरण करते बाघ को लोगों ने कैमरे में कैद किया। बाघ के लगातार दिखाई देने और एक सप्ताह के भीतर 4 मवेशियों का शिकार किए जाने के बाद ग्रामीण खेतों में जाने से भी डरने लगे हैं।

तीन शिफ्ट में गश्त, ड्रोन से रखी जा रही नजर

बाघ के बढ़ते मूवमेंट को देखते हुए वन विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है। वन विभाग की टीम तीन शिफ्ट में जंगल और गांव से लगे क्षेत्रों में गश्त कर रही है। वहीं ड्रोन के माध्यम से बाघ की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। वन विभाग द्वारा ग्राम लिंगा, कुरेंडा, शेरपार, सिलगी और धुर्वा सहित आसपास के क्षेत्रों में ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। गांवों में मुनादी कराकर लोगों को अकेले खेत अथवा जंगल की ओर नहीं जाने की हिदायत दी जा रही है।

पहले रात में आता था, अब दिन में खेतों के आसपास दिख रहा

ग्रामीणों के अनुसार बैहर-परसवाड़ा क्षेत्र के जंगल कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्र से लगे होने के कारण यहां अक्सर बाघों की आवाजाही बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ समय पहले तक बाघ रात के समय गांव के समीप दिखाई देता था, लेकिन अब दिन में ही खेतों और गांव की सीमा के आसपास पहुंच रहा है। इसके चलते कई गांवों में दिन के समय भी सन्नाटा पसरा रहता है। किसान खेतों में जाने से बच रहे हैं और ग्रामीण जरूरी काम के लिए भी घर से निकलने में डर रहे हैं।

पहले भी बाघ की मौजूदगी से दहशत, अब बढ़ा खतरा

बताया गया कि इस क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी कोई नई बात नहीं है। इससे पहले भी परसवाड़ा क्षेत्र के लिंगा-पोंडी मार्ग के आसपास बाघ के दिखाई देने और सिलगी-कन्हार टोला क्षेत्र में मवेशियों के शिकार की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। लगातार बाघों की आवाजाही के कारण ग्रामीण लंबे समय से दहशत में हैं। अब एक सप्ताह में 4 मवेशियों के शिकार और दिन में बाघ के गांव-खेतों के आसपास घूमने से स्थिति और गंभीर हो गई है।

बाघ का रेस्क्यू करने की ग्रामीणों ने की मांग

ग्रामीणों का कहना है कि यदि बाघ का इसी तरह लगातार गांवों और खेतों के आसपास मूवमेंट बना रहा तो किसी दिन इंसान और बाघ के बीच आमना-सामना होने से बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने वन विभाग से बाघ को रेस्क्यू कर किसी सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ने की मांग की है। उनका कहना है कि बाघ के डर से खेती-किसानी सहित रोजमर्रा के काम प्रभावित होने लगे हैं।

सभी को सतर्क रहने कहा गया है- नामदेव

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी कृष्ण कुमार नामदेव ने बताया कि बाघ की उम्र करीब आठ वर्ष प्रतीत होती है। उसकी गतिविधियों पर ड्रोन के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जा रही है। किसानों से अपील की गई है कि वे अकेले खेतों में न जाएं और जिस दिशा में बाघ का मूवमेंट हो, उस ओर बिल्कुल न जाएं। सभी प्रभावित गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सतर्क किया जा रहा है।

एसडीएम ने किया अनुसूचित जाति बालक छात्रावास का औचक निरीक्षण

46 में से 14 विद्यार्थी ही मिले उपस्थित, भोजन की गुणवत्ता बेहतर करने के दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रविवार दोपहर अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) विजय सिंह यादव ने अनुसूचित जाति बालक सीनियर छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान छात्रावास में दर्ज 46 विद्यार्थियों में से 14 विद्यार्थी ही उपस्थित मिले। पूछताछ में सामने आया कि सप्ताह में लगातार अवकाश होने के कारण अधिकांश विद्यार्थी अपने-अपने घर

चले गए थे। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री यादव ने छात्रावास के शयन कक्षों, शौचालय एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने पाया कि छात्रावास में साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक थी तथा विद्यार्थियों के बिस्तरों पर मच्छरदानियां लगी हुई थीं।

बच्चों ने भोजन के स्वाद को लेकर रखी बात

एसडीएम ने उपस्थित विद्यार्थियों के साथ करीब ढाई घंटे तक चर्चा कर छात्रावास की व्यवस्थाओं एवं उनकी समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान विद्यार्थियों ने बताया कि छात्रावास में मिलने वाले भोजन का स्वाद ठीक नहीं रहता और भोजन की गुणवत्ता को और बेहतर किए जाने की आवश्यकता है। विद्यार्थियों की बात को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम ने उसी दिन तैयार किए गए भोजन को स्वयं चखकर उसकी गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने छात्रावास स्टाफ को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को मेन्यू के अनुसार पौष्टिक, स्वादिष्ट एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने भोजन तैयार करने में हाइजीन का विशेष ध्यान रखने तथा विद्यार्थियों द्वारा प्रतिदिन उपयोग किए जाने वाले बर्तनों की भी पूरी तरह साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खेल सामग्री उपलब्ध कराने का दिया आश्वासन

चर्चा के दौरान विद्यार्थियों ने बताया कि छात्रावास में उन्हें खेल गतिविधियों के लिए पर्याप्त सामग्री उपलब्ध नहीं कराई जाती है। छात्रावास वार्डन ने बताया कि बजट की अनुपलब्धता के कारण आवश्यक खेल सामग्री उपलब्ध नहीं कराई जा सकी है। इस पर एसडीएम श्री यादव ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए स्वयं के स्तर से क्रिकेट एवं बैडमिंटन की खेल सामग्री उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ खेलकूद भी विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए जरूरी है।

एसडीएम ने विद्यार्थियों को दिए अध्ययन एवं करियर के टिप्स

एसडीएम श्री विजय सिंह यादव ने कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों से विस्तृत संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन तथा भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर महत्वपूर्ण टिप्स दिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि किताबें हमारी सबसे बड़ी मित्र हैं। नियमित अध्ययन और पुस्तकों से प्राप्त ज्ञान न केवल व्यक्ति के भविष्य को बेहतर बनाता है, बल्कि राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने माता-पिता के सपनों को पूरा करने के लिए छात्रावास में अनुशासन के साथ रहते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने लक्ष्य के प्रति निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया। निरीक्षण के दौरान ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्री सी.एस. कुशराम भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें अध्ययन एवं भविष्य में बेहतर करियर निर्माण के संबंध में उपयोगी मार्गदर्शन दिया।

दृष्टि कंप्यूटर एजुकेशन इंस्टीट्यूट में हर्षोल्लास से मनाया शिक्षक दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। स्थानीय दृष्टि कंप्यूटर एजुकेशन इंस्टीट्यूट (कोड 8831) में शनिवार को शिक्षक दिवस उत्साह, सम्मान और आत्मीयता के साथ मनाया गया। समारोह में करीब 70 विद्यार्थियों ने सहभागिता करते हुए शिक्षकों एवं संस्थान के स्टाफ का पुष्पमाला और श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। विद्यार्थियों द्वारा गुरुजनों के प्रति व्यक्त किए गए सम्मान और कृतज्ञता

से कार्यक्रम भावपूर्ण हो उठा।

शिक्षक ही भविष्य के वास्तविक शिल्पकार

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था प्रमुख ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को नमन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन को सही दिशा देने के साथ उनके व्यक्तित्व और भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि गुगल हर सवाल का जवाब दे सकता है, लेकिन पहली बार कंप्यूटर छूने वाले विद्यार्थी का डर केवल शिक्षक ही दूर कर सकता है। उन्होंने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों को की-बोर्ड और माउस चलाना सिखाता है, लेकिन जीवन में संस्कार, अनुशासन और अच्छे मूल्यों का सॉफ्टवेयर केवल शिक्षक ही इंस्टॉल कर सकता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी केवल संस्थान में पढ़ने वाले बच्चे नहीं, बल्कि दृष्टि परिवार का भरोसा हैं। परिस्थितियां चाहे जैसी हों, विद्यार्थियों के हौसले और सपनों को मजबूत करना शिक्षक की जिम्मेदारी है।

संघर्ष और अनुशासन सफलता की पहली सीढ़ी

संस्था प्रमुख ने विद्यार्थियों के संघर्ष और मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि कई विद्यार्थी प्रतिदिन दूर-दराज के क्षेत्रों से साइकिल चलाकर संस्थान पहुंचते हैं। कठिन परिस्थितियों के बावजूद समय पर पहुंचकर सीखने के प्रति उनका समर्पण उनकी मेहनत और अनुशासन को दर्शाता है। यही अनुशासन आगे चलकर सफलता की पहली सीढ़ी बनता है। उन्होंने कहा कि कंप्यूटर हमें दुनिया से जोड़ता है और शिक्षक हमें खुद से जोड़ता है। उन्होंने विद्यार्थियों को भरोसा दिलाया कि दृष्टि परिवार उनकी मेहनत और विश्वास का सम्मान करते हुए भविष्य में भी निरंतर मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए तत्पर रहेगा। समारोह के दौरान शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने शिक्षक दिवस के महत्व तथा अपने अनुभवों पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में गुरु-शिष्य के आत्मीय संबंध, सम्मान, संस्कार और शिक्षा के महत्व की सुंदर झलक देखने को मिली।

पंवार समाज ने लगाया रक्तदान शिविर, महिलाओं सहित अन्य समाजों के लोगों ने भी किया रक्तदान

रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंद मरीजों को निस्वार्थ रक्त उपलब्ध कराने का दिया संदेश

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। पंवार समाज बालाघाट द्वारा 6 सितम्बर को मुख्यालय स्थित पंवार छात्रावास परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य समाज सहित जिलेवासियों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जरूरतमंद मरीजों को समय पर निस्वार्थ भाव से रक्त उपलब्ध कराने के लिए लोगों को प्रेरित करना रहा। शिविर में पंवार समाज के सदस्यों के साथ महिलाओं तथा अन्य समाजों के जागरूक नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए रक्तदान किया। शिविर के संबंध में जानकारी देते हुए पंवार समाज जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने बताया कि रक्तदान केवल किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सेवा और मानवता की भावना को मजबूत करने का भी कार्य है। उन्होंने कहा कि आज आयोजित रक्तदान शिविर के माध्यम से लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया गया है, ताकि जिले में जब भी किसी मरीज को रक्त की आवश्यकता हो, उसे समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने महिलाओं सहित अन्य समाजों के नागरिकों द्वारा भी शिविर में पहुंचकर रक्तदान करने पर उनका आभार व्यक्त किया। रक्तदान करने वालों में संतोष बिसेन, मितेश बिसेन, डॉ. अक्षय कटरे, आर्यन बिसेन, योगेश देशमुख, ब्रजेश पारधी, श्रीराम तूरकर, मनोज भैरम, महेंद्र बिसेन, संतोष पटले, नरेंद्र बोपचे, चैनलाल क्षीरसागर, तपन राजा चौधरी, थामेश अमूले, सुकराम पटले, नितेश कटरे, लोकेश गौतम, श्रीमती कविता ठाकरे, अनिकेत कटरे, रमेश कुमार बिसेन, श्रीमती हेमा गौतम, सुरेश कटरे, मुकेश गौतम, वैभव सिंह बिसेन, दिग्विजय राहंगडाले, कुलपत पटले, गौरीशंकर राहंगडाले, उज्जवल बिसेन, रामप्रसाद बिसेन, आदित्य राणा एवं गिलेन्द्र कुमार कटरे सहित आशीष शुक्ला, गीताप्रसाद दमाहे, लक्ष्मण

लिल्हारे और रितेश खंडेलवाल शामिल रहे। कार्यक्रम में समाज के पूर्व जिला अध्यक्ष फत्तुलाल बिसेन, पालक संरक्षक बी.आर. भैरम, जिला महासचिव डॉ. राजेंद्र एल. कटरे, जिला कोषाध्यक्ष शैलेंद्र राहंगडाले, जिला उपाध्यक्ष डॉ. प्रतिभा बिसेन, श्रीमती गरिमा गौतम, श्रीमती गायत्री बिसेन, श्रीमती ज्ञानू बिसेन, श्रीमती पूनम चौधरी, युवा महासचिव पवन बोपचे, राजा भोज फाउंडेशन संयोजक गुनेंद्र पटले, दीपक पटले, पूर्व युवा अध्यक्ष दिलीप राहंगडाले, अजय हरिनखेडे, नगर महासचिव दिग्विजय रिनायत, उपाध्यक्ष चेतन पटले, युवा उपाध्यक्ष वंश देशमुख, सुशील राहंगडाले सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। शिविर के समापन अवसर पर पंवार समाज जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान करने वाले प्रत्येक व्यक्ति का योगदान किसी जरूरतमंद के लिए जीवनदायी साबित हो सकता है। उन्होंने शिविर में पहुंचकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करने वाले समाजजनों के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

त्योहारों में शांति एवं कानून व्यवस्था को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आगामी त्योहारी सीजन में जिले में शांति, सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 7 सितंबर 2026 को शाम 5.30 बजे कलेक्टर कार्यालय बालाघाट के सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में अगस्त से दिसंबर 2026 के बीच मनाए जाने वाले विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक त्योहारों के दौरान जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में विचार-विमर्श किया जाएगा। प्रशासन द्वारा त्योहारों को आपसी भाईचारे, सद्भाव एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए आवश्यक तैयारियों की समीक्षा भी की जाएगी।

इन त्योहारों पर होगी विशेष चर्चा

बैठक में आगामी गणेश उत्सव, दुर्गोत्सव, दशहरा (विजयादशमी), महर्षि वाल्मीकि जयंती, दीपावली, भगवान बिरसा मुंडा जयंती, गुरुनानक जयंती एवं क्रिसमस डे के आयोजन को लेकर आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा की जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गणेश उत्सव 14 सितंबर, दुर्गोत्सव 11 अक्टूबर, दशहरा 20 अक्टूबर, महर्षि वाल्मीकि जयंती 26 अक्टूबर, दीपावली 8 नवंबर, भगवान बिरसा मुंडा जयंती 15 नवंबर, गुरुनानक जयंती 24 नवंबर तथा क्रिसमस डे 25 दिसंबर 2026 को मनाया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा शांति समिति के सदस्यों से बैठक में उपस्थित होकर अपने सुझाव एवं सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया गया है, ताकि सभी त्योहार जिले में शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं आपसी भाईचारे के वातावरण में संपन्न हो सकें।

प्रेसिडेंट कप जिला स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट कल से 4 ग्रुप में 20 टीमें लेंगी हिस्सा

होंगे 19 मुकाबले, रेंजर कॉलेज मैदान में होंगा आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला फुटबॉल संघ (डीएफए) बालाघाट के तत्वावधान में प्रेसिडेंट कप जिला स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट 2026 का आयोजन 8 सितंबर से किया जाएगा। टूर्नामेंट में जिले की 20 टीमें चार ग्रुप में विभाजित होकर हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता के दौरान कुल 19 मुकाबले खेले जाएंगे। आयोजन के लिए रेंजर कॉलेज, बालाघाट मैदान को निर्धारित किया गया है।प्रतियोगिता में ग्रुप ए, बी, सी और डी बनाए गए हैं। ग्रुप ए में एनआईसी बैहर, दादाए स्पोर्टिंग राजपुर, गौरव एफसी तिरोड़ी, रोशन एफसी चिखलाझोड़ी और उकवा एफसी उकवा शामिल हैं। ग्रुप बी में मायल इलेवन भरवेली, नवोदय

यूनाइटेड एफसी वारासिवनी बॉयज एफसी उकवा, जूनियर पुलिस बॉयज बालाघाट और एके न्यू बॉयज एफसी भरवेली को स्थान दिया गया है।इसी तरह ग्रुप सी में डायमंड रॉक एफसी निलजी, राइजिंग स्टार एफसी उकवा, आरके एफसी गुडमा, एकता एफसी भरवेली और इमैनुअल स्पोर्ट्स क्लब उकवा शामिल हैं। ग्रुप डी में पुलिस बॉयज एफसी बालाघाट, सूर्या एफसी उकवा, आजाद एफसी रूपझर, विजडम एफसी किरनापुर और एसबीएम एफसी उकवा के बीच मुकाबले होंगे।

8 सितंबर को होंगे चार मुकाबले, 13 को फाइनल

टूर्नामेंट के पहले दिन 8 सितंबर को चार मुकाबले खेले जाएंगे। पहला मैच सुबह 10 बजे, दूसरा दोपहर 12 बजे, तीसरा दोपहर 2 बजे और चौथा मुकाबला शाम 4 बजे शुरू होगा। उद्घाटन मुकाबलों में मायल इलेवन भरवेली का सामना नवोदय यूनाइटेड एफसी वारासिवनी से, टीडीआरएफए निलजी का राइजिंग स्टार एफसी उकवा से, पुलिस बॉयज एफसी बालाघाट का सूर्या एफसी उकवा से तथा उकवा एफसी उकवा का रोशन एफसी चिखलाझोड़ी से मुकाबला होगा।इसके बाद 9 से 11 सितंबर तक लीग/नॉकआउट चरण के मुकाबले खेले जाएंगे। 12 सितंबर को सेमीफाइनल और 13 सितंबर को फाइनल मुकाबला आयोजित किया जाएगा।

लड़कियों और 40 प्लस वर्ग का भी होगा मैत्री मुकाबला

आयोजन के दौरान विशेष रूप से 12 सितंबर को बालाघाट सिटी में गर्ल्स फ्रेंडली मैच तथा 13 सितंबर को 40+ आयु वर्ग का फ्रेंडली मैच भी आयोजित किया जाएगा। इससे प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल प्रेमियों में भी उत्साह देखने को मिल रहा है।

आवश्यकता है
लड़कों की
आवश्यकता है
10वीं पास नो डी फार्मा
नो बी फार्मा
मो. 9340308019

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
सोमवार 07 सितम्बर 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगी प्राथमिकता- डॉ दाहिया

डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया बने बालाघाट के नए सीएमएचओ, आज संभालेंगे जिले की कमान

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। बालाघाट में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के पद को लेकर चल रही उठापटक के बीच आखिरकार स्वास्थ्य विभाग ने नए सीएमएचओ की नियुक्ति कर दी है। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा 6 सितंबर को जारी आदेश के तहत जबलपुर जिला चिकित्सालय में शिशु रोग विशेषज्ञ के पद पर पदस्थ डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया को बालाघाट का मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नियुक्त किया गया है। डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया वर्तमान में जबलपुर जिला चिकित्सालय में शिशु रोग विशेषज्ञ के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। शासन के आदेश के बाद अब उन्हें बालाघाट जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। सीएमएचओ के रूप में उनके सामने जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के साथ ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक चिकित्सा सुविधाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने की चुनौती होगी।

गौरतलब है कि बालाघाट सीएमएचओ के पद को लेकर पिछले कुछ दिनों से लगातार प्रशासनिक फेरबदल देखने को मिल रहा था। करीब चार दिन पहले जारी आदेश में विभाग ने तत्कालीन सीएमएचओ डॉ. परेश उपलव को पद से हटाया था। इसके बाद बालाघाट सीएमएचओ का प्रभार डॉ. मनोज पांडे को सौंपा गया था। हालांकि डॉ. मनोज पांडे ने 5 सितंबर तक बालाघाट पहुंचकर पदभार ग्रहण नहीं किया था। इसी बीच स्वास्थ्य विभाग ने अचानक 6 सितंबर को नया आदेश जारी कर डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया को बालाघाट की जिम्मेदारी सौंप दी। डॉ. दाहिया ने दूरभाष पर पद्मेश न्यूज़ से चर्चा में बताया कि उन्हें 6 सितंबर को शाम करीब 4:30 बजे भोपाल से विभाग की ओर से दूरभाष पर जानकारी दी गई कि उन्हें बालाघाट जिले का मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि इसके पहले भी बालाघाट में पदस्थापना को लेकर उनके नाम की चर्चा चल रही थी, लेकिन बाद में डॉ. मनोज पांडे को प्रभार दिए जाने की जानकारी सामने आई थी। डॉ. दाहिया ने बताया कि वे मूल रूप से जबलपुर के रहने वाले हैं और स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न जिम्मेदारियों पर कार्य कर चुके हैं। उन्होंने डिंडोरी जिले में करीब 12 वर्षों तक सेवाएं दी हैं। लंबे समय तक आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्र में काम करने के अनुभव को देखते हुए अब बालाघाट की जिम्मेदारी उनके लिए नई चुनौती होगी। उन्होंने बताया कि वे 7 सितंबर को दोपहर करीब 12:30 बजे बालाघाट पहुंचकर सीएमएचओ का पदभार ग्रहण करेंगे। पदभार संभालने के बाद उनका पहला प्रयास जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को समझना होगा। इसके बाद वे जिले के अलग-अलग क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी स्थिति की जानकारी लेने की बात कह रहे हैं। डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया ने विशेष रूप से बैहर-बिरसा क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां बच्चों की मौत का मामला गंभीर है। वे क्षेत्र की वास्तविक स्थिति को समझने के बाद स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में काम करेंगे। उनका कहना है कि दूरस्थ क्षेत्रों में लोगों को बेहतर और समय पर चिकित्सा सुविधा मिलना बेहद जरूरी है।

बैहर-बिरसा क्षेत्र में पिछले कुछ समय से बच्चों की मौत के मामले लगातार चर्चा में हैं। मलेरिया और अन्य मौसमी बीमारियों के बीच स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में नए सीएमएचओ के सामने बीमारी की रोकथाम, समय पर जांच और उपचार, स्वास्थ्य अमले की सक्रियता तथा ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना बड़ी चुनौती होगी। डॉ. दाहिया ने कहा कि पदभार ग्रहण करने के बाद सबसे पहले वे जिले को समझने का प्रयास करेंगे। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और मैदानी अमले के साथ समन्वय कर समस्याओं को चिन्हित किया जाएगा। उन्होंने संकेत दिया कि प्राथमिकता केवल जिला मुख्यालय तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों की स्वास्थ्य व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। नए सीएमएचओ की नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। एक ओर बैहर-बिरसा क्षेत्र में बच्चों की मौत का मामला संवेदनशील बना हुआ है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों की कार्यप्रणाली को लेकर भी लगातार चर्चा हो रही है। अब डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती विभागीय व्यवस्था को समझने के साथ-साथ जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की होगी। विशेष रूप से बैहर-बिरसा क्षेत्र में बीमारी की रोकथाम और बच्चों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी रणनीति बनाना जरूरी होगा। आने वाले दिनों में उनके दौरे और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर जिले की नजर रहेगी। डॉ. दाहिया की नियुक्ति से पिछले कुछ दिनों से सीएमएचओ पद को लेकर चल रही असमंजस की स्थिति भी फिलहाल समाप्त हो गई है। अब 7 सितंबर को उनके पदभार ग्रहण करने के बाद यह स्पष्ट होगा कि जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर वे किस तरह की कार्ययोजना तैयार करते हैं। फिलहाल नए सीएमएचओ ने बैहर-बिरसा समेत पूरे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को समझकर काम शुरू करने की बात कही है।

इस बार भी मिला प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी

जिले में इन दिनों विभिन्न विभागों में अधिकारियों के प्रभार और पूर्णकालिक अधिकारियों की नियुक्ति को लेकर चर्चाएं तेज हैं। जिले के कई महत्वपूर्ण विभागों में लंबे समय से पूर्णकालिक अधिकारियों की जगह विभागीय अधिकारियों को ही प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपकर काम चलाया जा रहा है। यही स्थिति स्वास्थ्य विभाग में भी बनी हुई है, जहां लंबे समय से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी का पद भी प्रभारी व्यवस्था के भरोसे संचालित होता आ रहा है। बीते दिनों स्वास्थ्य विभाग में नए पूर्णकालिक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की नियुक्ति को लेकर चर्चाएं चल रही थीं। इससे उम्मीद जताई जा रही थी कि इस बार विभाग को पूर्णकालिक अधिकारी मिल सकता है, लेकिन एक बार फिर प्रभारी व्यवस्था ही सामने आई है। पूर्व में मनोज पांडे को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी का प्रभार सौंपा गया था, वहीं परेश उपलव भी प्रभारी के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अब एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग की कमान डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के प्रभार के रूप में सौंपी गई है। ऐसे में जिले में एक बार फिर यह सवाल उठने लगा है कि आखिर स्वास्थ्य विभाग के महत्वपूर्ण पद पर पूर्णकालिक अधिकारी की नियुक्ति कब होगी। लगातार प्रभारी व्यवस्था के चलते विभाग के कामकाज और प्रशासनिक निर्णयों को लेकर भी चर्चाएं होती रही हैं। अब डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया को प्रभार दिए जाने के बाद एक बार फिर स्पष्ट हो गया है कि फिलहाल स्वास्थ्य विभाग भी पूर्णकालिक अधिकारी के बजाय प्रभारी व्यवस्था के सहारे ही संचालित होगा।

खुला मिला एटीएम का लॉकर, शहर में मचा हड़कंप, जांच में चोरी की बात निकली अफवाह

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। शहर के मेन रोड स्थित पार्श्वनाथ भवन के आगे बल भीम व्यायामशाला वाली गली में उस समय लोगों के बीच हड़कंप की स्थिति बन गई, जब सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम का सामने वाला हिस्सा और लॉकर खुला हुआ दिखाई दिया। एटीएम से पैसे निकालने पहुंचे कुछ उपभोक्ताओं ने मशीन को इस हालत में देखा तो वे भी घबरा गए। उन्हें आशंका हुई कि कहीं एटीएम में चोरी की घटना तो नहीं हुई है। इसके बाद लोगों ने खुले एटीएम का वीडियो बनाया और मौके से चले गए। देखते ही देखते एटीएम का लॉकर खुले होने की खबर शहर में फैल गई। सूचना मिलने के बाद मीडिया कर्मी भी मौके पर पहुंचे, वहीं पुलिस को भी इसकी जानकारी दी गई। मौके पर पहुंचकर देखा गया तो सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम मशीन का सामने का हिस्सा पूरी तरह खुला हुआ था। मशीन को इस तरह खुला देखकर पहली नजर में ऐसा प्रतीत हो रहा था, मानो एटीएम में किसी तरह की चोरी या छेड़छाड़ हुई हो। खास बात यह रही कि एटीएम के आसपास स्थित दुकानदारों ने भी बताया कि वे रात करीब 9 बजे अपनी दुकानें बंद करके गए थे, उस समय एटीएम पूरी तरह सामान्य स्थिति में था। इसके बाद सुबह मशीन का हिस्सा खुला हुआ दिखाई देने से चोरी की आशंका और भी बढ़ गई। मामले की सूचना पुलिस तक पहुंची, जिसके बाद पुलिस ने भी अपने स्तर पर पूरे मामले की जानकारी जुटाई। हालांकि, बाद में जब इस संबंध में अग्रणी बैंक के एलडीएम संजीव कुमार से दूरभाष पर चर्चा की गई तो पूरे मामले की तस्वीर साफ हो गई। उन्होंने मामले की जानकारी लेने के बाद बताया कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का उक्त एटीएम लंबे समय से अपेक्षाकृत कम संचालित हो रहा है। इसके चलते एटीएम को बंद करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसी प्रक्रिया के तहत मशीन को खोला जा रहा था, जिसके कारण उसका लॉकर और सामने का हिस्सा खुला हुआ दिखाई दिया। एलडीएम ने स्पष्ट किया कि एटीएम में किसी भी

प्रकार की चोरी की घटना नहीं हुई है। मशीन को बंद करने की प्रक्रिया के दौरान खुले छोड़े गए हिस्से को देखकर लोगों में चोरी की आशंका बनी और यह बात शहर में तेजी से फैल गई। इस तरह एटीएम खुला मिलने से कुछ समय के लिए शहर में जरूर हड़कंप की स्थिति बनी, लेकिन बैंक प्रबंधन से मिली जानकारी के बाद यह स्पष्ट हो गया कि मामला चोरी का नहीं, बल्कि एटीएम को बंद करने की प्रक्रिया का था।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र और समितियों की मनमानी के खिलाफ आज कलेक्ट्रेट में मछुआ समाज का धरना प्रदर्शन

सुबह 10 बजे जिला मुख्यालय पहुंचेंगे समाजजन, लंबित जांच और कार्रवाई को लेकर प्रशासन से मांगा जाएगा जवाब

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। वंशानुगत मछुआ जाति के अधिकारों और लंबे समय से लंबित विभिन्न मांगों को लेकर जिला मछुआ समाज 7 सितंबर को जिला मुख्यालय में धरना-प्रदर्शन करेगा। समाज के पदाधिकारी सुरेंद्र चौधरी ने वीडियो बयान जारी कर आंदोलन की पूरी रूपरेखा बताते हुए कहा कि सुबह 10 बजे जिलेभर से समाज के लोग कलेक्ट्रेट पहुंचेंगे। कलेक्टर कार्यालय के सामने धरना देकर विभिन्न मांगों को लेकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया जाएगा। सुरेंद्र चौधरी के अनुसार आंदोलन में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से वंशानुगत मछुआ परिवारों के लोग शामिल होंगे। समाज का कहना है कि पिछले करीब दो वर्षों से अपने अधिकारों और समाज से जुड़ी समस्याओं को लेकर लगातार शासन-प्रशासन के सामने मांग रखी जा रही है। कई बार शिकायत और ज्ञापन दिए जाने के बाद भी अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से अब समाज ने आंदोलन का रास्ता अपनाया है। समाज के आंदोलन में सबसे प्रमुख मुद्दा कथित फर्जी जाति प्रमाण पत्रों का है। संगठन का आरोप है कि कई मामलों में जांच के दौरान जाति प्रमाण पत्रों को लेकर गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं, लेकिन संबंधित लोगों के खिलाफ अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। समाज की मांग है कि ऐसे सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। संगठन ने बताया कि 16 मई 2025 को ब्लॉक स्तरीय जांच समिति द्वारा भी मामले की जांच की गई थी। समाज के अनुसार जांच में सिंगरोड जाति के कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से कहार, मांझी और ढीमर जाति के नाम से

प्रमाण पत्र बनाए जाने की बात सामने आई थी। संगठन ने एक ही परिवार में अलग-अलग जातियों के प्रमाण पत्र उपयोग किए जाने का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की गहराई से जांच की मांग की है। मछुआ समाज ने सहकारिता विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। संगठन का आरोप है कि कथित फर्जी जाति प्रमाण पत्रधारी सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई में नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। समाज ने प्रभारी उपायुक्त राजेश उईके की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए संबंधित सदस्यों को संरक्षण दिए जाने के आरोप लगाए हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। समाज का कहना है कि जिला स्तरीय निष्कासन समिति द्वारा निर्देश दिए जाने के बावजूद आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने वाले कुछ समिति सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई लंबित है। संगठन के अनुसार करीब 11 माह से संबंधित सदस्यों द्वारा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। इसके बावजूद उन्हें समितियों से बाहर नहीं किए जाने को लेकर समाज ने सवाल खड़े किए हैं। मत्स्य समितियों में सदस्यता को लेकर भी समाज में नाराजगी है। संगठन का कहना है कि वंशानुगत मछुआरा और सामान्य मत्स्य पालक के बीच अंतर है, लेकिन कई समितियों में पात्र वंशानुगत मछुआरों के स्थान पर अन्य लोगों को शामिल किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। समाज का आरोप है कि इससे वास्तविक मछुआ परिवारों के अधिकार और उनकी पारंपरिक आजीविका प्रभावित हो रही है। संगठन ने आरोप लगाया कि कुछ समितियों में अध्यक्षों की मनमानी के कारण वंशानुगत मछुआरों के नाम हटाए जा रहे हैं। समाज की मांग है कि समितियों की सदस्यता की निष्पक्ष जांच की जाए और नियमों के अनुसार पात्र वंशानुगत मछुआरों को उनका अधिकार दिया जाए। संगठन का कहना है कि समितियों में अपात्र लोगों की मौजूदगी से वास्तविक हितग्राही अपने ही अधिकारों से वंचित हो रहे हैं। फर्जी जाति प्रमाण पत्र से जुड़े मामले की जांच राज्य स्तरीय छानबीन समिति तक पहुंचने के बावजूद लंबित होने का आरोप भी समाज ने लगाया है। संगठन के अनुसार करीब आठ माह पहले भोपाल से संबंधित फाइल वारासिवनी एसडीओपी कार्यालय पहुंची थी। जांच के बाद फाइल राज्य स्तरीय समिति को भेजे जाने की बात थी, लेकिन अब तक प्रक्रिया पूरी नहीं होने से समाज ने जांच में देरी पर सवाल उठाए हैं।

प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में पांच दिन बाधित रहेगी जलापूर्ति

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। शहर की पेयजल व्यवस्था को लेकर पिछले दिनों सामने आई तकनीकी खराबी का असर अब धीरे-धीरे अलग-अलग इलाकों में दिखाई देने लगा है। फिल्टर प्लांट की विद्युत व्यवस्था में खराबी और दो ट्रांसफार्मर बंद होने के बाद जलापूर्ति व्यवस्था प्रभावित होने की खबर सामने आई थी। अब नगरपालिका की ओर से प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में पांच दिनों तक जलापूर्ति बाधित रहने की सूचना जारी की गई है। नगरपालिका बालाघाट अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में 7 सितंबर से फिल्टर प्लांट की लाइन शिफ्टिंग का महत्वपूर्ण कार्य शुरू किया जा रहा है। नगरपालिका की सूचना के अनुसार यह कार्य 7 सितंबर से 11 सितंबर तक चलेगा। इस दौरान कॉलोनी में जलापूर्ति व्यवस्था प्रभावित रहने की जानकारी वार्डवासियों को दी गई है। नगरपालिका की ओर से व्हाट्सएप के माध्यम से जारी सूचना में स्पष्ट किया गया है कि फिल्टर प्लांट की लाइन शिफ्टिंग का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके चलते निर्धारित पांच दिनों तक जलापूर्ति में व्यवधान रहेगा। रहवासियों को इस अवधि को ध्यान में रखते हुए पानी की आवश्यक व्यवस्था पहले से करने की जरूरत होगी। हालांकि इस पूरे मामले को केवल लाइन शिफ्टिंग तक सीमित मानना जल्दबाजी होगी। हाल ही में फिल्टर प्लांट में विद्युत आपूर्ति से जुड़े दो ट्रांसफार्मरों में तकनीकी खराबी आने और उनके बंद होने की खबर सामने आई थी। इसके बाद से शहर की जलप्रदाय व्यवस्था पर इसका असर पड़ने की बात लगातार सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि फिल्टर

प्लांट की मोटरों के संचालन के लिए पर्याप्त और नियमित विद्युत आपूर्ति बेहद जरूरी है। ट्रांसफार्मरों की खराबी के चलते विद्युत आपूर्ति प्रभावित होने पर मोटरों के संचालन और पानी को फिल्टर कर शहर तक पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया प्रभावित होना स्वाभाविक है। यही वजह है कि अब शहर के अलग-अलग वार्डों और कॉलोनियों में जलापूर्ति को लेकर शिकायतें सामने आने लगी हैं। इसी बीच प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में पांच दिनों तक पानी की सप्लाई प्रभावित रहने की नगरपालिका की सूचना ने व्यवस्था को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल यह भी है कि जब शहर पहले से जलापूर्ति की समस्या से जूझ रहा है, तब लाइन शिफ्टिंग का काम किस तरह किया जाएगा और इस दौरान प्रभावित क्षेत्र के लिए कोई वैकल्पिक जल व्यवस्था रखी गई है या नहीं। नगरपालिका की सूचना में फिलहाल लाइन शिफ्टिंग को जलापूर्ति बाधित होने का प्रमुख कारण बताया गया है। लेकिन दूसरी ओर फिल्टर प्लांट में पहले से सामने आई विद्युत समस्या और ट्रांसफार्मरों की खराबी भी जलप्रदाय व्यवस्था के लिए चुनौती बनी हुई है। दोनों तकनीकी समस्याओं का असर एक साथ पड़ने की स्थिति में शहरवासियों की परेशानी और बढ़ सकती है।

राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में अंश खोबरागड़े का चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रजेगाँव के होनहार विद्यार्थी अंश खोबरागड़े का राज्य स्तरीय कुश्ती फ्रीस्टाइल प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है।यह प्रतियोगिता 7 सितंबर से 11 सितंबर 2026 तक सीहोर में आयोजित की जाएगी। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन होने पर विद्यालय परिवार में

हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य प्रवीणचंद्र साहू, श्रीमती गीता बनोटे, श्री भिलावे,महेंद्र समरिते,राजेश हरिनखेड़े, स्पोर्ट्स मैनेजर श्रीमती बीना चौधरी सहित संस्था के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अंश खोबरागड़े को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यालय परिवार ने अंश के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वह राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन करेगा।

विहिप ने मनाया स्थापना दिवस धर्म-संस्कृति की रक्षा का दिया संदेश

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) द्वारा संगठन का स्थापना दिवस 6 सितंबर को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर के पीजी कॉलेज के समीप स्थित संकटमोचन हनुमान मंदिर परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. विक्की खोब्रागढ़े, प्रतिष्ठित व्यवसायी सुरेश बाघरेचा, आरएसएस जिला संघचालक वैभव कश्यप, विहिप जिलाध्यक्ष यज्ञेश लालू चावड़ा, विहिप नगर अध्यक्ष सुशील ठाकुर सहित वक्ता रवि श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं भारत माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने हिन्दुत्व, धर्म एवं भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का संदेश दिया। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं समाजजनों से एकजुट होकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद की स्थापना वर्ष 1964 में हिन्दू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा के उद्देश्य से की गई थी। वर्तमान में विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा हिन्दुत्व, गौमाता एवं धर्म-संस्कृति की रक्षा के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि आज जिले से लेकर प्रदेश और देशभर में विहिप का संगठन अपनी मजबूत उपस्थिति बना चुका है। संगठन के गठन का मूल उद्देश्य यही है कि हिन्दू समाज अपनी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों के प्रति जागरूक रहे। उन्होंने कहा कि हिन्दुत्व की रक्षा करना केवल किसी संगठन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक सनातनी का कर्तव्य है। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि यह कहना उचित नहीं होगा कि वर्ष 1964 में विहिप की स्थापना से पहले धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए कोई प्रयास नहीं होते थे। भारतीय संस्कृति में सदैव अधर्म के विरुद्ध संघर्ष और धर्म की रक्षा की परंपरा रही है। त्रेता युग में भगवान श्रीराम और द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने भी

अधर्म के विरुद्ध संघर्ष करते हुए धर्म की स्थापना का संदेश दिया था। कार्यक्रम के माध्यम से विहिप एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं सहित समस्त सनातन समाज से हिन्दुत्व एवं धर्म-संस्कृति की रक्षा के लिए एकजुट रहने तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में विहिप एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के साथ मातृशक्ति एवं अन्य प्रबुद्धजन भी उपस्थित रहे।

आस-पास की खबरें

बेहरई में भक्तिभाव के साथ मनाया गया भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई में हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर शुक्रवार को

शुभ मुहुर्त पर अपने-अपने घरों में भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा स्थापना कर श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस दिन-रात के पर्व के अवसर पर श्रध्दालुओं के द्वारा नंदलाला श्री कृष्ण की विधि-विधान से पूजा अर्चन कर ग्राम की सुख-समृध्दि के लिए प्रार्थना की गई। जिसके बाद शनिवार की शाम में सभी श्रध्दालुजन अपने-अपने घरों से प्रतिमा लेकर ग्राम के चौक में एकत्रित हुए जिसके बाद बैडबाजे की धुन पर शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण के भक्तजनों के द्वारा नृत्य भी किया गया। यह शोभायात्रा ग्राम का भ्रमण करते हुए ग्राम के समीप से गुजरी नहर पहुंची। जहां भगवान श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना एवं आरती कर विधिपूर्वक प्रतिमा का विसर्जन किया गया और सभी ने एक-दुसरे को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएं दी। चर्चा में श्रध्दालुओं ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव भक्तिभाव के साथ मनाया गया है। जिसमें शुक्रवार को विधि-विधान से पूजा अर्चना कर भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा स्थापना कर दिन-रात आराधना की गई एवं रात्रि में भजन-कीर्तन कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। साथ ही यह भी बताया कि शनिवार की शाम में शोभायात्रा निकालकर नहर में प्रतिमा विसर्जित कर पर्व का समापन किया गया। भगवान श्रीकृष्ण से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में हमेशा खुशहाली बनाये रखे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

भावांतर योजना के विरोध में किसान गर्जना संगठन ने भरी हुंकार

बैठक में भावांतर योजना को बंद करने सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा, मांगे पूरी न होने पर उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित विश्राम गृह में 6 सितंबर को किसान गर्जना संगठन की एक अत्यंत आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द चौधरी ने की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारीगण एवं क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य शासन द्वारा किसानों की धान खरीदी को भावांतर योजना के तहत शामिल करने का कड़ा विरोध करना रहा। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द चौधरी एवं उपस्थित किसानों ने एक स्वर में कहा कि शासन की भावांतर योजना किसानों के हित में नहीं है और इसके जरिए किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पायेगा, सहित किसान हित की अनेक बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं बैठक के दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि सरकार द्वारा धान खरीदी में भावांतर योजना को जल्द से जल्द बंद नहीं किया गया, तो किसान चुप नहीं बैठेंगे। वहीं संगठन ने सरकार को चेतावनी दी कि योजना वापस न लेने की स्थिति में सभी किसान संगठित होकर उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इसके लिए गांव-गांव जाकर ग्राम इकाइयों का गठन किया जायेगा और आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाया जायेगा। इस तरह से सरकार के द्वारा भावांतर योजना प्रारंभ की गई है लेकिन यह योजना किसान हित में नही होने की बात कहकर किसान गर्जना संगठन के द्वारा इस योजना का विरोध कर रहा है और योजना को बंद करने की मांग को लेकर किसान गर्जना संगठन ने हुंकार भर दी है। आगामी समय में उग्र आंदोलन किया जायेगा। जिसकी रणनीति रविवार को आयोजित बैठक में तैयार की गई है। बैठक में संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष रामचंद्र सिहोरे, संगठन मंत्री रूपचन्द बिसेन, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, दिनेश बिसेन, गंगाराम टेंभरे, बुधराम मेश्राम, अमृतलाल गौतम सहित किसान व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भावांतर योजना से धान खरीदी की घोषणा किसानों के साथ वादाखिलाफी है - अरविंद
किसान गर्जना संगठन के प्रदेशाध्यक्ष

अरविंद चौधरी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा भावांतर योजना के तहत धान खरीदी की घोषणा सीधे तौर पर किसानों के साथ वादाखिलाफी है। सरकार के इस फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि इस वर्ष प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (सोसायटियों) के माध्यम से धान की सीधी खरीदी नहीं की जायेगी। इसके विपरीत किसानों को अपनी उपज केवल मंडियों में बेचने के लिए मजबूर किया जायेगा। इसलिए धान खरीदी में लागू की जा रही भावांतर योजना का विरोध करना और किसानों के हितों की रक्षा के लिए बैठक आयोजित कर आगामी रणनीति तैयार की गई है और सरकार से मांग है कि भावांतर योजना से धान खरीदी का बंद करे। श्री चौधरी ने बताया कि जिले में पहले 185 धान खरीदी केंद्र (सोसायटियां) संचालित होते थे, वहां अब केवल 7 मंडियों के भरोसे पूरी धान खरीदी थमा दी गई है। जो गलत है, ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को यह कहकर गुमराह किया जा रहा है कि खरीदी सोसायटियों के माध्यम से होगी, जबकि कृषि विपणन बोर्ड का आधिकारिक पत्र कुछ और ही बयां कर रहा है। 19 अगस्त 2026 को मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड भोपाल के अपर प्रबंध संचालक अनुराग सक्सेना द्वारा जारी पत्र सार्वजनिक किया गया। प्रदेश के समस्त मंडी सचिवों को भेजे गये इस पत्र में भावांतर योजना के प्रचार-प्रसार हेतु अस्थाई होर्डिंग्स लगाये जाने के निर्देश दिये गये हैं, जो यह स्पष्ट करता है कि सरकार खरीदी मंडियों में ही सीमित करने की तैयारी में है। इसलिए किसानों को गांव-गांव जाकर उन्हे जागरूक कर भावांतर योजना का विरोध कर उसे बंद करने की मांग की जायेगी। मांगे पूरी नही होने पर उग्र आंदोलन किया जायेगा, साथ ही सरकार से मांग है कि 3100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी करें।

महाविद्यालय में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी जयंती कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के अन्तर्गत शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में शनिवार को भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती, भगवान श्रीकृष्ण के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र शुभम तिवारी के पाण्डित्य में भजन, कीर्तन, आरती कर पूर्ण हर्षोल्लास के साथ भगवान श्रीकृष्ण की जन्माष्टमी मनाई गई। "नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की" जय उद्घोष से समूचा महाविद्यालय परिसर गुंजित हो गया। भगवान श्रीकृष्ण की जयंती कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा गीत, भजन व भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का मंचन किया गया। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत ने विद्यार्थियों को श्रीमद् भागवत गीता की शिक्षाऐं को ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया तथा विपरित समय में सही निर्णय लेने और नैतिक मूल्यों पर कायम रहने की शिक्षा दी। प्रभारी प्राचार्य डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन और उनकी शिक्षाऐं भारत की सांस्कृतिक और दार्शनिक विरासत को नयी दिशा देती है। भगवान श्री कृष्ण का जीवन असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। भगवान श्रीकृष्ण की जयंती कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन भारतीय ज्ञान परम्परा के प्रकोष्ठ प्रभारी नरेश सौलखे के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफ ल बनाने में प्राध्यापक सुमन बरवा, डॉ. ऋषिकेष पटेल, मनीष शिवहरे, श्रीमती अनिभा शरणागत, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, निशांत तलवरे एवं छात्र-छात्राओं का सराहनीय योगदान रहा।

खुरपुड़ी पंचायत में सरपंच पद के लिए उपचुनाव का बजा बिगुल

निर्वाचन आयोग ने जारी किया कार्यक्रम, 8 सितंबर से शुरू होगी नामांकन प्रक्रिया, 29 सितंबर को डाला जायेगा वोट

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रदेश की ग्राम पंचायतों में रिक्त पड़े सरपंच और पंच के पदों पर उपचुनाव करवाने की आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। इसके तहत बालाघाट जिले के जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खुरपुड़ी में खाली पड़े सरपंच पद पर भी नये मुखिया के चयन के लिए मतदान होगा। इसके साथ ही जिन पंचायतों में पंच के पद खाली है उक्त पंचायतों में पंच पद के लिए उपचुनाव संपन्न होना है। जिसके लिए 8 सितंबर से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जायेगी और 29 सितंबर को मतदान किया जायेगा। आपकों बता दें कि ग्राम पंचायत खुरपुड़ी के निर्वाचित सरपंच धनीराम कावरे का विगत माह पूर्व हृदयघात (हार्ट अटैक) से असमय निधन हो गया था। उनके निधन के बाद पंचायत के सुचारू संचालन एवं विकास कार्यों को गति देने के लिए नियमानुसार स्थानापन्न सरपंच का चुनाव कर पंचायत की व्यवस्थाएं चलाई जा रही थीं। अब निर्वाचन आयोग द्वारा अधिसूचना जारी किये जाने के बाद खुरपुड़ी में पूर्णकालिक सरपंच के चुनाव का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इसके साथ ही क्षेत्र की अन्य ग्राम पंचायतों में रिक्त पड़े पंच के पदों पर भी चुनाव करवाये जायेगें।

गांव में चुनावी सरगर्मी तेज

आपकों बता दे कि राज्य निर्वाचन आयोग (भोपाल) द्वारा जारी आदेश के अनुसार 8 सितंबर को निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन, स्थानों के आरक्षण की सूचना एवं नामांकन पत्र प्राप्त करना। वहीं 15 सितंबर को नाम निर्देशन-पत्र (नामांकन) प्राप्त करने की अंतिम तारीख प्रात: 10.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक, 16 सितंबर को नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा (जांच), 18 सितंबर को अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख दोपहर 3 बजे तक व प्रत्याशियों की अंतिम सूची तैयार करना एवं निर्वाचन प्रतीकों (चुनाव चिन्ह) का आवंटन के पश्चात 29 सितंबर को प्रात: 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान किया जायेगा। 3 अक्टूबर को मतगणना एवं परिणामों की घोषणा की जायेगी। वहीं अधिसूचना जारी होते ही खुरपुड़ी सहित आस-पास के ग्रामीण अंचलों में राजनीतिक हलचल और चुनावी सरगर्मियां काफी तेज हो गई हैं। सरपंच पद के दावेदारों ने अपनी-अपनी रणनीति बनाना और ग्रामीणों से संपर्क साधना शुरू कर दिया है। 8 सितंबर को नामांकन प्रक्रिया शुरू होते ही दावेदार अपने नामांकन फार्म दाखिल करेंगे। निर्वाचन आयोग ने निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान करवाने हेतु प्रशासनिक तैयारियां शुरू कर दी हैं।

1 सरपंच, 4 पंच पद के लिए होगें उपचुनाव - चंदन

दूरभाष पर चर्चा में खंड पंचायत अधिकारी चंदन मर्सकोले ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जिन पंचायतों में सरपंच, पंच, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्यों के पद रिक्त है उन पदों के लिए उपचुनाव होना है। लालबर्रा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत खुरपुड़ी में सरपंच पद एवं मोहगांव बोरी में वार्ड नंबर 4, पिपरिया छि. में वार्ड नं. 5, निलजी में वार्ड नं. 17 एवं रमपुरी में वार्ड नं. 12 में पंच के पद रिक्त है। उन पंचायतों में उपचुनाव हेतु 29 सितंबर को मतदान किया जायेगा। श्री मर्सकोले ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया 8 सितंबर से शुरू हो जायेगी, जिसके बाद 29 सितंबर को मतदान किया जायेगा एवं 3 अक्टूबर को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किया जायेगा। जिसकी तैयारी प्रशासन के द्वारा पुरी कर ली गई है।

पंचफुला झाड़ेकर का शोकाकुल माहौल में किया गया अंतिम संस्कार

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा के वार्ड क्रमांक 18 निवासी, रविदास समाज संगठन के संरक्षक रमेश झाड़ेकर, परमेश झाड़ेकर, मनेश झाड़ेकर की माताश्री एवं बालाघाट एक्सप्रेस, पद्मेश सीटी केबल लालबर्रा के कर्मचारी राकेश झाड़ेकर की दादीश्री 90 वर्षीय श्रीमती पंचफुला झाड़ेकर का 6 सितंबर को प्रात: 7 बजे हद्‌यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार शाम 4 बजे स्थानीय मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीमती पंचफुला झाड़ेकर बीमार थी और घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रही थी। 6 सितंबर को प्रात: 7 बजे अचानक तबियत खराब होने एवं हद्‌यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। निधन की खबर लगते ही चित-परिचितों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। स्व. श्रीमती पंचफुला झाड़ेकर सरल, स्वभाव एवं मृदुभाषी की धनी थी, अपने पीछे तीन पुत्र सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई है। स्व. श्रीमती पंचफुला झाड़ेकर का 6 सितंबर को शाम 4 बजे लालबर्रा स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतात्मा की शांति एवं परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से कामना की है।

कोसमी में भक्तिभाव के साथ मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोसमी में गत दिवस भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धार्मिक आस्था एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भक्तजनों के द्वारा अपने घरों में मूर्ति एवं फोटो की शुभमुहुर्त पर विधि विद्यान से पूजन अर्चन कर विभिन्न प्रकार के पकवान व लाई-चने का भोग लगाया और रात में जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। वहीं शनिवार की शाम से ही भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमाओं का विसर्जन करने का दौर प्रारंभ हुआ, जो देरशाम तक जारी रहा। खमरिया क्षेत्र के श्रध्दालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमाओं की शोभायात्रा निकालकर अपने-अपने सिर पर रखकर हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की जयकारों के साथ नहर, तालाब एवं जलाशय स्थल पहुंचे। जहां आरती के पश्चात प्रतिमाओं को विसर्जित किया और भगवान श्रीकृष्ण से क्षेत्रवासियों की सुख, समृध्दि की कामना की।

कोस्ते से सालईटोला मार्ग बदहाल, जिम्मेदार बेपरवाह

गड्ढों और दलदल के कारण ग्रामीणों ने बंद किया आवागमन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोस्ते से सालईटोला मंगेझरी मार्ग अपनी बदहाली के आंसू बहा रहा है। लगभग ४ किलोमीटर लंबे इस मार्ग की स्थिति इतनी जर्जर हो चुकी है कि ग्रामीणों के लिए इस पर चलना जान जोखिम में डालने जैसा हो गया है। सड़क की खस्ताहाली से परेशान होकर अब ग्रामीणों ने इस मुख्य रास्ते का उपयोग करना ही बंद कर दिया है। जिसके कारण उन्हें मजबूरी में ५ किलोमीटर से अधिक का फेरा लगाकर मुख्यालय पहुंचना पड़ रहा है।

चुनाव बहिष्कार के समय मिला था झूठा आश्वासन

प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछली विधानसभा चुनाव के दौरान ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर सड़क नहीं तो वोट नहीं का नारा बुलंद करते हुए चुनाव का पूर्ण बहिष्कार किया था। उस समय प्रशासनिक अमले और शासन के प्रतिनिधियों ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की मान मनोव्वल की थी। अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि निर्वाचन प्रक्रिया समाप्त होते ही सड़क का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। परंतु ३ वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। सड़क का निर्माण तो दूर जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा गड्ढों की मरम्मत तक नहीं कराई गई। मंगेझरी और सालईटोला के ग्रामीणों व विद्यार्थियों के लिए कोस्ते होकर मुख्यालय पहुंचने का यह सबसे छोटा और सुगम मार्ग था। रोजाना सैकड़ों ग्रामीण अपनी दैनिक आवश्यकताओं और छात्र छात्राएं शिक्षा ग्रहण करने के लिए इसी रास्ते से होकर गुजरते हैं। वर्तमान में बारिश के मौसम के कारण यह सड़क कीचड़ के दलदल में तब्दील हो चुकी है और जगह.जगह बड़े.बड़े गड्ढे बन गए हैं। मार्ग की दयनीय स्थिति के कारण विद्यार्थी सप्ताह में केवल दो.तीन दिन ही स्कूल पहुंच पा रहे हैं जिससे उनकी पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। सड़क से नुकीले गिट्टी.पत्थर बाहर निकल आए हैं। पहले साइकिल और बाइक सवार रोजाना फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त हो रही थी अब यह जा भी नहीं पा रही हैं। ऐसे में विद्यार्थी भी सप्ताह में दो.तीन बार ही अपने स्कूल पहुंच पा रहे हैं, वहीं ग्रामीणजन अत्यंत जरूरत होने पर मुख्यालय आ रहे हैं वह भी दूसरे मार्ग का उपयोग कर यहां आवागमन कर रहे हैं। जिससे उन्हें करीब ५ किलोमीटर से अधिक का फेरा काट कर आना पड़ रहा है जो ग्राम के लोगों के लिए काफी पीड़ा दायक साबित हो रहा है। आश्वासन के बाद भी काम शुरू ना होने से ग्रामीणों में शासन और प्रशासन के खिलाफ भारी जनाक्रोश व्यापत है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें इस नारकीय स्थिति से जल्द से जल्द मुक्ति दिलाई जाए। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि प्रशासन त्वरित संज्ञान लेते हुए सड़क का नया निर्माण कार्य स्वीकृत करें अथवा तत्काल मरम्मत कराकर आवागमन को सुरक्षित और सुगम बनाए।

मार्ग की जर्जर स्थिति के कारण विद्यार्थी नही जा रहे स्कूल-लीलेश्वर पटले

ग्रामीण लीलेश्वर पटले ने बताया कि यह जो रास्ता है वह सालईटोला केरा भांडी के लिए सीधा निकलता है। इस पर आना.जाना चल रहा है परंतु इसकी दुर्दशा के कारण यहां मोटरसाइकिल और साइकिल नहीं चल पा रहे हैं पूरे सड़क पर गड्ढे और कीचड़ होने के साथ पानी भरा हुआ है। स्कूल के बच्चे आना.जाना नहीं कर पा रहे हैं सप्ताह में एक से दो बार स्कूल के बच्चे जाते हैं वरना घर पर रहते हैं। दुर्घटना की पूरी संभावना है ३ वर्ष से ज्यादा मार्ग की हालत खराब हो गई है इसे बनाने और इसकी मरम्मत करने के लिए कोई प्रयास नहीं किए गए हैं। काफी समस्या भरा आवागमन है विधायक के पास भी हमने इस बात को रखा था हम चाहते हैं कि यह सड़क बने।

विधानसभा चुनाव के टाईम आंदोलन किया था पर कुछ नहीं हुआ-भूमेश्वर चौहान

ग्रामीण भूमेश्वर चौहान ने बताया कि यह मार्ग आवागमन का है दोनों तरफखेती स्थित है सालइटोला के जो लोग आना जाना करते थे वह बंद हो गया है। गड्ढे इतनी ज्यादा हो गए हैं कि मोटरसाइकिल और साइकिल नहीं चल पा रही है बड़े.बड़े पत्थर सड़क पर बाहर निकल गए हैं और भयंकर गड्ढे हो गए हैं। कोई बड़ी मजबूरी होने पर ही लोग यहां से आते जाते हैं करीब ५ किलोमीटर का यह पूरा मार्ग शुरू से आखरी तक खराब है। १० वर्ष पहले से यह स्थिति में पड़ा हुआ है चुनाव के समय जीतने पर बनाने की बात हुई थी वह चुनाव जीत भी गए पर आज तक सड़क नहीं बनी है। निर्वाचन के समय आंदोलन किया गया था पर उसका कोई असर नहीं हुआ।

मार्ग देखने जिला कलेक्टर को बुलाया जायेगा-बृजलाल बिसेन

बृजलाल बिसेन ने बताया कि यहां परेशानी बहुत ज्यादा है सड़क पर चलना दुभर हो गया है। खेतबाड़ी हम लोग जाते हैं तो पैदल सर पर सोडा लेकर जाना होता है प्रशासन इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। अभी सालईटोला के लोग मंगेझरी के तरफ से ७ किलोमीटर का फेरा काट कर आना जाना कर रहे हैं पर जिम्मेदारों को कुछ समझ नहीं है। कई बार क्षेत्र के नेताओं को ध्यान आकर्षण कराया गया है और चुनाव का बहिष्कार भी किया गया था जिसमें आश्वासन मिला था रोड आज तक नहीं बनी। अब ग्राम के लोग चक्काजाम कर कलेक्टर को बुलाने की योजना तैयार कर रहे हैं ताकि वह बता सके यह रोड़ चलने लायक है या नहीं।

सभी समाज को साथ लेकर चलने से ही होगा विकास कार्य -प्रदीप जायसवाल

गोवारी समाज को पूर्व मंत्री ने नपा परिषद के माध्यम से दी सामुदायिक भवन की सौगात

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जन्माष्टमी पर्व पर नगर के गोवारी समाज को पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल

ने नपा परिषद के माध्यम से सामुदायिक भवन की सौगात प्रदान की है। कार्यक्रम में नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, सूर्यप्रकाश उके आदि को गोवारी समाज के लोगो ने मुख्य मार्ग से स्वागत रैली निकालकर गाजे बाजे के साथ कार्यक्रम स्थल तक लाया। नगर के वार्ड नं.१२ के गोठान में गोवारी समाज बेहद उत्साहित नजर आया। उनकी एक मांग पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल व नपा परिषद ने १२ लाख ५० हजार रूपये की राशि से सामुदायिक भवन की सौगात प्रदान की। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, संदीप मिश्रा, श्रीमती ललिता लोकेश ठाकरे, धर्मू जोशी, प्रवीण डोंगरे, मोनू लिमजे , प्रवीण रूसिया, समीर बिसेन, मिथुन बुरडे, शंशाक डोंगरे सहित अन्य लोग मौजूद रहे। जन्माष्टमी पर विराजित श्रीकृष्ण व राधाजी की प्रतिमा का पूजन अतिथीयों के द्वारा किया गया। वहीं गोवारी समाज ने इस सौगात के बाद पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल व नपा परिषद अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे से इस सामुदायिक भवन के स्वागत गेट, बाउंड्रीवाल सहित अन्य सुविधाओं की मांग ज्ञापन सौंपकर की। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की सभी समाज को साथ लेकर चलने की हमारी कार्यशैली का परिणाम है की आज गोवारी समाज को भी सामुदायिक भवन की सौगात मिल गयी है। अब इस समाज के अनेको कार्यक्रमो के दौरान होने वाली दिक्कते भी दूर हो गयी है। अब समाज से यह उम्मीद भी है की भले आपकी पुरानी पीढ़ी संघर्ष करते हुये बीत गयी है। किंतू अब नयी पीढ़ी को शिक्षा की शक्ति से अवगत कराकर हमे अन्य समाज की तरह तेज गति से कदम बढाना है। जिससे हम सभी के सर्वांगीण विकास की सोच को पूरा कर सके। नपा अध्यक्ष सरिता मनोज दांदरे ने कहा की उनके कार्यकाल में नपा परिषद में विकास के जो बडे बडे कार्य संपादित हुये है उसके पीछे हमारे नेता प्रदीप जायसवाल की शक्ति है। आज भी नगर में स्विमिंग पुल निर्माण, वैवाहिक लान, नये बस स्टाप का निर्माण जैसे कार्य ड्राइंग डिजाइन के साथ तेज गति से शुरू है आज गोवारी समाज ने जो ज्ञापन सौंपा है, वह कार्य भी जल्द समाज को पूरा होते नजर आयेंगे।

श्रीकृष्ण की प्रतिमाओं का धूमधाम से हुआ विसर्जन

दो दिन चला विसर्जन भक्तिमय धुनों पर झूमे श्रद्धालु

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में श्रीकृष्णा जन्माष्टमी का पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। ४ सितंबर को हिंदू धर्मावलंबियों ने पूरे विधि.विधान से भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक प्रतिमाओं को अपने अपने स्थानों पर विराजमान किया। इसके उपरांत भक्ति और उल्लास से सराबोर आयोजनों के बाद प्रतिमाओं का भव्य विसर्जन किया गया।

नहरों व जलाशयों में हुआ विसर्जन

५ सितंबर की शाम से ही नगर के विभिन्न वार्डों वार्ड नंबर १,२,३ एवं १४ से होकर गुजरने वाली बड़ी नहर, शिवधाम मोहल्ला, चंदन नदी, शंकर तालाब तथा टोंडिया नाला में भव्य शोभायात्राओं के साथ प्रतिमा विसर्जन का सिलसिला शुरू हुआ। शोभायात्रा के दौरान पूरा नगर हाथी घोड़ा पालकी,जय कन्हैया लाल की के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान हो उठा। छोटे छोटे बच्चे भगवान श्रीकृष्ण की नटखट वेशभूषा धारण कर सभी का मन मोह रहे थे जिससे संपूर्ण नगर का वातावरण कृष्णमय व धर्ममय बन गया।

मेले जैसा रहा माहौल, झूलों और दुकानों का आनंद

विसर्जन स्थलों पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मेले जैसा जीवंत और उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। खाने पीने की स्वादिष्ट सामग्रियों, खिलौने और रंग.बिरंगे गुब्बारों की दुकानें सजी हुई थीं। बच्चों के मनोरंजन के लिए जगह जगह जंपिंग झूले भी लगाए गए थे। नन्हें मुन्ने बाल गोपालों और बड़ी संख्या में उपस्थित नगर वासियों ने खरीदारी के साथ साथ झूलों और मेले का जमकर लुफ्त उठाया।

बड़ी प्रतिमाओं की निकली भव्य शोभायात्रा

छोटे स्वरूपों के विसर्जन के बाद ६ सितंबर को क्षेत्र की आदमकद बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन संपन्न हुआ। इसमें खिला मुठिया स्थित गोवारी समाज समिति द्वारा स्थापित भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की प्रतिमा की तीन दिनों तक भक्तिभाव से पूजा अर्चना की गई। रविवार को हवन पूजन के उपरांत बैंड.बाजे और डीजे की धुन पर युवाओं के उत्साह के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह यात्रा गोलीबारी चौक, अंबेडकर चौक,नेहरू चौक, जय स्तंभ चौक, बस स्टैंड और दीनदयाल चौक होते हुए लोक निर्माण विभाग कार्यालय के पास स्थित बड़ी नहर पहुंची जहां विधि.विधान से पूजन कर विसर्जन किया गया। इसी क्रम में सोसायटी शिव मंदिर से भी श्रीकृष्ण भगवान की शोभायात्रा निकाली गई। जो नगर के मुख्य मार्गों और चौक चौराहों का भ्रमण करते हुए नहर तट पहुंची और धार्मिक अनुष्ठान के साथ विसर्जन संपन्न हुआ।

पुलिस बल रहा मुस्तैद

नागरिकों की सुरक्षा और सुगम व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन सभी विसर्जन स्थलों पर मुस्तैद रहा और पूरे क्षेत्र में पैनी नजर रखी। नगर पालिका के द्वारा प्रकाश व्यवस्था एवं चूना लाइन बिछाकर पर्याप्त इंतजाम किए गए थे। प्रशासनिक सजगता और श्रद्धालुओं के सहयोग से पूरा आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से बिना किसी दुर्घटना के संपन्न हुआ।

किसान गर्जना संगठन की छतेरा में हुई बैठक, कार्यकारिणी का हुआ गठन, प्रमोद गोपाले बने अध्यक्ष

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलाँजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत भवन छतेरा में किसान गर्जना संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक किसान गर्जना संगठन के बालाघाट जिलाध्यक्ष रामकुमार नगपुरे की गरिमामयी उपस्थिति एवं अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित सभी ग्रामीण सदस्यों और किसानों के समक्ष शासन के द्वारा लागू की जा रही भावांतर योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर योजना के क्रियान्वयन , इसके लाभों तथा किसानों को होने वाले संभावित नुकसान व व्यावहारिक समस्याओं की गहन समीक्षा की गई। उपस्थित वक्ताओं ने किसानों के हितों की रक्षा और फसल का उचित मूल्य दिलाने के लिए एकजुट होकर आवाज उठाने पर बल दिया। इस अवसर पर उपस्थित समस्त ग्रामीणों और संगठन के सदस्यों के सर्वसम्मति से ग्राम छतेरा की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में किसानों के हितों की रक्षा और संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए सर्वसम्मति से प्रमोद गोपाले को किसान गर्जना संगठन ग्राम छतेरा का अध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही विनोद मुरलीधर गोपाले को उपाध्यक्ष तथा चितरंजन गोपाले को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। वही संरक्षक सदस्य नेकराम सोनवाने, उत्तम भालेराव एवं यशवंतराव चौधरी ,कार्यकारिणी सदस्य के रूप में श्यामसुन्दर गोपाले, आनन्दराव सोनवाने, जीवनलाल गोपाले,किशोर चौधरी, उत्तमजी भालेराव और सूरज गोपाले को शामिल किया गया है। इस बैठक में डेविड लोकरे, सुखदेव गोपाले, देवीचन्द सोनवाने, अजबसिंह उपसरपंच, अरविन्द गोपाले, अनिल गोपाले, कोमल भागे, हुलीचन्द सोनवाने, छबीलालजी गोपाले संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

अमृत विद्या पीठ स्कूल में धूमधाम से मनाया कृष्ण जन्माष्टमी पर्व व शिक्षक दिवस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के अमृत विद्या पीठ एवं लार्ड कृष्णा इंग्लिश स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में ५ सितम्बर को श्री कृष्ण जन्माष्टमी एवं शिक्षक दिवस का गरिमामय आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त शिक्षक डी पी चौरागडे एवं अन्य उपस्थित गणमान्य अतिथियों के द्वारा भगवान श्री कृष्ण तथा भारत के पूर्व राष्ट्रपति व महान शिक्षाविद् डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण करके किया गया। उपस्थित छात्र छात्राओं को भगवान श्री कृष्ण के जीवन चरित्र, उनकी लीलाओं तथा भगवद्गीता के ज्ञान से अवगत कराया गया। इसके साथ ही भारत के महान शिक्षाविद् डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन के व्यक्तित्व कृतित्व और शिक्षा के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान पर विस्तृत जानकारी दी गई। इसके बाद छात्र प्रतिनिधियों ने अपने सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को तिलक लगाकर सम्मान किया। इसके उपरांत विद्यार्थियों के द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। जहाँ मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं शिक्षक शिक्षिकाएं विद्यालय स्टॉफ मौजूद रहा।

बीमार मेडिकल सिस्टम से इलाज की उम्मीद

इन दिनों वायरल फीवर का जोर है। तीन चार दिन के वायरल फीवर ने अपन का हुलिया ही बिगाड़ दिया। अपनी एलोपैथी डॉक्टर एमडी बेटी ने एलोपैथी दवा वहाटसएप पर लिखी। होम्योपैथिक डॉक्टर बेटी दामाद जी ने होम्योपैथी की डोज सलाह दी । जिसकी सलाह न मानूं उसके ही नाराज होने का खतरा! क्योंकि फिर भी कभी दवा और सलाह की जरूरत पड़ सकती है बीमारी से ज्यादा इलाज की पैथी को लेकर झंझट! हालांकि होम्योपैथी दवा का जबाब नहीं क्योंकि यह साइड इफेक्ट नही देती है या यह कहिये कि इसके दुष्प्रभाव बहुत कम होता है लेकिन इसकी उपचार गति थोड़ा धीमी होती है और आज की दुनिया में सब कुछ तत्काल चाहिए। रोगी एक दो दिन में सही न हो तो तुरंत एलोपैथी पर पहुंच जाता है चाहे वहां हफ्ता लग जाए और दवा के तमाम साइड इफेक्ट झेलने पड़े। बहरहाल अपन तब खुश थे जब आर्युवेद व अंग्रेजी मिक्स देसी डॉक्टर से तीन पुड़िया लाकर खा लेते थे लेकिन पढ़े लिखों डॉक्टर संतानो ने झंझट पैदा कर दिया। पापा इसमें ये छोटी सी दिख रही गोली स्ट्राइड है यह बहुत हार्मफुल है। मान लिया वह हार्मफुल थी लेकिन हम तो उसे खाकर ही ठीक होते रहे? अब तो कई कई दिन और कई कई बार ढेर गोलियां खाने के बाद भी आराम मिल जाए तो भगवान की कृपा.. शरीर ऐसे टूटता है बस। वायरल फीवर का जिक्र करते ही पापा ब्लड सीबीसी टैस्ट कराने के लिए बोला था पर आप मानते ही कहां है? कैसे समझाये इन बच्चों को हम उस पीढ़ी के लोग हैं जिनका जन्म बिना गर्भ का अल्ट्रासाउंड किए एक अशिक्षित समझी जाने वाली दाई द्वारा सकुशल सम्पन्न हो जाता था वो भी लालटेन की मद्धम रोशनी में। कोई नर्सरी में रखने की जरूरत नहीं होती थी कोई जोइंडिस नहीं होता था जून की तपती गर्मी में बिजली आती ही कब थी माताएं बिना पंखे, एसी की सुविधा के घर के एक कमरे में प्रसव पीड़ा झेल लेती थी और हम जैसे बहादुर बच्चे माँ के गर्भ में पैर चला चला कर दुनिया के रूबरू हो जाते थे। दुनिया में आने के लिए की गई यही मेहनत एक नवजात शिशु को जीवन भर के लिए मजबूत फाउंडेशन तैयार कर देती थी यह मैं नहीं कह रहा खुद शोधकर्ता डॉक्टर कहते हैं सुविधाएं बढ़ी तो सामर्थ्य घटी। मेरे बाबा जी जो वैद्य थे नाड़ी देख कर जटिल रोगों का उपचार कर देते थे। अब समूचा इलाज दवा इंडस्ट्री ने जकड़ लिया है डोलो 650 ही दी जाती है चाहे जरूरत क्रोसिन 300 की हो। गैस न भी बने एंटासिड पेंटाप देना जरूरी है आप चाहें तो हंस सकते हैं मुझे एंटासिड लेने पर उल्टा असर होता है। जांच के लिए खुली लैब क्या और कैसे कितना मानक पर कर रहीं हैं बता दिया तो आपका इलाज कराने से ही मन खट्टा हो जाएगा।आपसे वसूल की जाने वाली जांच की राशि में से चालीस पचास फीसदी कमीशन बतौर लैब द्वारा डॉक्टर को दिया जाता है। लेकिन फंसते है तो जांच कराने की मजबूरी भी होती है। सिस्टम पर एक ऐसी दवा इंडस्ट्री हावी है कि वही सब ठीक है जो वह तय कर रहे हैं और वह अपने नफे और फायदे के हिसाब से तय करते हैं इसे आप मेडिकल सिस्टम में पैठ जमा चुकी मेडिकल माफियागिरी भी कह सकते हैं।उच्च रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) , मधुमेह (डायबिटीज) हृदय रोग,थायराइड जैसे अनेक बीमारियों के लिए एलोपैथी ने जीवन भर के लिए दवा ग्राहक का बंदोबस्त कर दिया है यही कारण है दवा इंडस्ट्री सब दिन बढ़ रही है। पोस्ट कोविड से होने वाली मौतों में कितना योगदान एंटी कोविड वेकसीन का रहा इसकी गिनती करने का समय किसी के पास नहीं है यही सिस्टम की बेचारगी है।

भारत की नई वैश्विक आर्थिक छलांग

अब भारत सिर्फ बाजार नहीं,वैश्विक शक्ति का केंद्र-शेयर बाजार,निवेश, अंतरिक्ष और ब्रिक्स से 2047 की निर्णायक छलांग

वैश्विक स्तरपर आज की दुनियाँ में किसी देश की आर्थिक ताकत का आकलन केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद शेयर बाजार के सूचकांकों या विदेशी मुद्रा भंडार से नहीं किया जाता।वास्तविक शक्ति उस देश की इस क्षमता से तय होती है कि वह वैश्विक पूंजी कोकितना आकर्षित कर सकता है, अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं को कितना सुरक्षित रख सकता है,तकनीकी और रणनीतिक क्षेत्रों में कितनी आत्मनिर्भरता हासिल कर सकता है तथा बदलती विश्व व्यवस्था में अपनी आवाज को कितना प्रभावशाली बना सकता है।इसी दृष्टि से वर्ष 2026 भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दिखाई देता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अमेरिका यात्रा, जी20 में भारत की सक्रिय भूमिका, ईओएस-05 जैसे अत्याधुनिक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह की सफलता,विदेशी मुद्रा भंडार का रिकॉर्ड स्तर और आगामी 12-13 सितंबर 2026 नई दिल्ली ब्रिक्स शिखर सम्मेलन,ये सभी घटनाएं अलग-अलग दिखाई देती हैं,लेकिन वास्तव में इनके पीछे एक साझा कहानी है- भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में केवल भागीदार नहीं, बल्कि प्रभावशाली शक्ति बनने की दिशा में सटीकता से आगे बढ़ रहा है। साथियों, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की हालिया अंतरराष्ट्रीय आर्थिक कूटनीति इस परिवर्तन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।सरकारी कार्यक्रम के अनुसार 25 अगस्त से 2 सितंबर 2026 तक कनाडा और अमेरिका की यात्रा के दौरान उन्होंने निवेशकों, कंपनियों और वित्तीय क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मुलाकात की तथा अमेरिका में शिकागो, एशविले और न्यूयॉर्क का दौरा किया।एशविले में 31 अगस्त और 1 सितंबर को आयोजित जी 20 फाइनेंस मिनिस्टर्स एंड सेंट्रल बैंक गवर्नर्स बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करना विशेष महत्व रखता है।इसका अर्थ यह है कि भारत वैश्विक आर्थिक संकटों पर प्रतिक्रिया देने वाला देश मात्र नहीं रहना चाहता,बल्कि वैश्विक आर्थिक नियमों, वित्तीय स्थिरता और विकास की दिशा तय करने वाली बातचीत में अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है। ऐसे समय में जब व्यापार तनाव, ऊर्जा कीमतों, ऋण संकट और भू-राजनीतिक संघर्षों ने वैश्विक निवेशकों के सामने अनिश्चितता बढ़ाई है, भारत का संदेश यह है कि उसकी अर्थव्यवस्था दीर्घकालिक निवेश, उत्पादन और तकनीकी विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण गंतव्य बनी हुई है।इसका सीधा प्रभाव भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ सकता है। जब वित्त मंत्री विश्व के बड़े निवेशकों के सामने भारत की आर्थिक क्षमता, निवेश अवसरों और वित्तीय क्षेत्र की संभावनाओं को प्रस्तुत करती हैं, तो इसका महत्व केवल कूटनीतिक नहीं होता। विदेशी संस्थागत निवेशक किसी बाजार में पैसा लगाने से पहले आर्थिक वृद्धि,मुद्रास्थिरता विदेशी मुद्रा भंडार राजकोषीय स्थिति,नीतिगत स्थिरता और कॉर्पोरेट संभावनाओं को देखते हैं।यदि इन मोर्चों पर विश्वास मजबूत होता है तो भारतीय इक्विटी बाजार में दीर्घकालिक विदेशी पूंजी का प्रवाह बढ़ सकताहैहालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि शेयर बाजार लगातार ऊपर ही जाएगा। वैश्विक ब्याज दरें, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, कच्चे तेल की कीमतें, युद्ध और व्यापार नीतियां भारतीय बाजार में अस्थिरता पैदा कर सकती हैं। इसलिए भारत की कहानी मजबूत होने के बावजूद निवेशकों के लिए जोखिम प्रबंधन उतना ही महत्वपूर्ण रहेगा। साथियों, इसी आर्थिक कहानी को भारत के रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार ने और मजबूती दी है।28 अगस्त 2026 को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11.475 अरब डॉलर बढ़कर 740.803 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां लगभग 600.67 अरब डॉलर और स्वर्ण भंडार लगभग 116.41 अरब डॉलर रहा। यह उपलब्धि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महज एक आंकड़ा नहीं है। विशाल विदेशी मुद्रा भंडार वैश्विक झटकों के सामने सुरक्षा- कवच की तरह काम करता है।यदि डॉलर मजबूत होता है, पूंजी बाजारों में अचानक निकासी होती है या तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार भारतीय रिजर्व बैंक को बाजार में व्यवस्थित हस्तक्षेप और रुपये में अत्यधिक अस्थिरता को नियंत्रित करने की क्षमता देता है। यही कारण है कि रिकॉर्ड रिजर्व भारतीय और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के मन में भारत की बाहरी वित्तीय स्थिरता को लेकर विश्वास बढ़ा सकता है।रुपये के संदर्भ में भी इसका महत्व अत्यंत बड़ा है। विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत होने से बाजार में यह विश्वास पैदा होता है कि भारत के पास वैश्विक भुगतान दायित्वों और बाहरी झटकों से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं।लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सावधानी भी आवश्यक है,उच्च विदेशी मुद्रा भंडार अपने आप में रुपये को स्थायी रूप से मजबूत नहीं बनाता।कच्चे तेल का आयात, अमेरिकी डॉलर की वैश्विक मांग,ब्याज दरों का अंतर और पूंजी प्रवाह जैसे अनेक कारक रुपये की दिशा तय करते हैं। इसलिए रिकॉर्ड रिजर्व को भारत की वित्तीय ताकत का संकेत माना जाना चाहिए,न कि शेयर बाजार या मुद्रा में सटीकता से निश्चित तेजी की गारंटी। साथियो, अब इस आर्थिक तस्वीर में अंतरिक्ष शक्ति को जोड़ना आवश्यक है। ईओएस -05 मिशन भारत की रणनीतिक और तकनीकी क्षमता के विस्तार का संकेत देता है। इसरो के अनुसार जीएसएलवी -एफ 17 ने ईओएस -05 को सब -जियोसिंचरोनास ट्रांसफर ओरबिट में स्थापित किया और ईओएस-05 भारत का पहला इमेजिग सटेलाइट है जिसे जियोसिंचरोनास ओरबिट से पृथ्वी अवलोकन के लिए डिजाइन किया गया है। लगभग 36,000 किलोमीटर की ऊंचाई वाले जियोसिंक्रोनस क्षेत्र में पृथ्वी अवलोकन की क्षमता का महत्व केवल सैन्य निगरानी तक सीमित नहीं है। इसका उपयोग मौसम, आपदा प्रबंधन,कृषि,पर्यावरण निगरानी और व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा आवश्यकताओं में किया जा सकता है। इस तरह अंतरिक्ष तकनीक अब भारत की अर्थव्यवस्था का भी हिस्सा बन रही है। साथियों यहां से अंतरराष्ट्रीय निवेश के लिए एक नया क्षेत्र खुलता है।यदि भारत पृथ्वी अवलोकन,संचार,नेविगेशन, लॉन्च सेवाओं, सैटेलाइट डेटा और अंतरिक्ष-आधारित सेवाओं में अपनी क्षमता बढ़ाता है तो इससे निजी अंतरिक्ष कंपनियों, रक्षा- तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर,सेंसर,सॉफ्टवेयर और डेटा एनालिटिक्स कंपनियों के लिए नए बाजार बन सकते हैं। परिणाम स्वरूप भारतीय शेयर बाजार में केवल पारंपरिक बैंकिंग, आईटी या ऑटोमोबाइल कंपनियां ही नहीं, बल्कि स्पेस-टेक और डीप-टेक से जुड़ी कंपनियां भी भविष्य की निवेश कहानी का हिस्सा बन सकती हैं लेकिन ईओएस-05 की रणनीतिक अहमियत इससे भी आगे जाती है। आज दुनिया में युद्ध की प्रकृति बदल रही है। भविष्य के संघर्षों में जमीन, समुद्र और हवा के साथ अंतरिक्ष और साइबर क्षेत्र की भूमिका लगातार बढ़ सकती है। अमेरिका और चीन के बीच अंतरिक्ष क्षमता, उपग्रह नेटवर्क, संचार, नेविगेशन और पृथ्वी निगरानी को लेकर प्रतिस्पर्धा इसी बड़े बदलाव का संकेत है। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह अंतरिक्ष को केवल वैज्ञानिक उपलब्धि न मानकर आर्थिक,रणनीतिक और राष्ट्रीय सुरक्षा अवसंरचना के रूप में विकसित करे। यदि भारत ऐसा करता है तो अंतरिक्ष क्षेत्र विजन 2047 की तकनीकी शक्ति का महत्वपूर्ण स्तंभ बन सकता है। साथियों, इसी बीच 12 और 13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में होने वाला 18वां ब्रिक्स सम्मिट भारत की वैश्विक आर्थिक कूटनीति के लिए एक और बड़ा अवसर है। भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और उसका थीम बिल्डिंग फॉर रेसिलिन्स, इन्नोवेशन, कोआपरेशन एंड सस्टेएबिलिटी रखा गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार वर्षभर में 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। इसका अर्थ है कि ब्रिक्स केवल नेताओं की एक शिखर बैठक नहीं, बल्कि व्यापार, वित्त, निवेश, तकनीक और विकास सहयोग का विस्तृत मंच बन रहा है। साथियों,ब्रिक्स और की 7 की तुलना करते समय इसे कौन जीता कौन हारा के सरल प्रश्न में सीमित करना उचित नहीं होगा। जी 7 के पास विकसित गतिशील अर्थव्यवस्थाओं वैश्विक वित्तीय संस्थानों तकनीकी कंपनियों और पूंजी बाजारों में भारी प्रभाव है, जबकि ब्रिक्स का महत्व उभरती गतिशील अर्थव्यवस्थाओं ऊर्जा प्राकृतिक संसाधनों बड़े उपभोक्ता बाजारों और ग्लोबल साउथ की आवाज से जुड़ा है। दोनों समूहों की ताकत अलग-अलग क्षेत्रों में है। असली बदलाव यह है कि विश्व अर्थव्यवस्था अब एकध्रुवीय ढांचे से अधिक बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है।

भारत के लिए यह परिस्थिति चुनौती के साथ- साथ असाधारण अवसर भी है।नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत को ग्लोबल साउथ और विकसित अर्थव्यवस्थाओं के बीच एक सेतु के रूप में प्रस्तुत करने का अवसर देगा। यदि भारत व्यापार, डिजिटल भुगतान, स्थानीय मुद्राओं में कारोबार, ऊर्जा सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों, विकास वित्त, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आपूर्ति श्रृंखला सहयोग पर व्यावहारिक पहल आगे बढ़ाता है,तो इसका लाभ भारतीय कंपनियों को मिल सकता है। भारतीय बैंकों, डिजिटल भुगतान कंपनियों, इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों, ऊर्जा क्षेत्र, फार्मा, ऑटोमोबाइल, आईटी और विनिर्माण क्षेत्र के लिए नए बाजार खुल सकते हैं। विदेशी निवेशकों के लिए भी भारत का आकर्षण केवल भारत में निवेश तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भारत के माध्यम से वैश्विक बाजारों तक पहुंच का मॉडल बन सकता है। साथियों भारतीय शेयर बाजार के लिए इन सभी घटनाओं का संयुक्त प्रभाव मनोवैज्ञानिक और वास्तविक दोनों हो सकता है। मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार बाजार को बाहरी झटकों के विरुद्ध भरोसा देता है; वैश्विक आर्थिक कूटनीति विदेशी निवेशकों का विश्वास बढ़ा सकती है; अंतरिक्ष और रक्षा तकनीक नए औद्योगिक अवसर पैदा कर सकते हैं; जबकि ब्रिक्स और जी 20 में भारत की सक्रियता भारतीय कंपनियों के लिए नए वैश्विक बाजारों के दरवाजे खोल सकती है। इसके साथ घरेलू उपभोग, बुनियादी ढांचा निवेश, विनिर्माण विस्तार और डिजिटल अर्थव्यवस्था जुड़ जाए तो भारत का इक्विटी बाजार दीर्घकाल में व्यापक विकास कहानी का प्रतिनिधि बन सकता है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

मासूम बचपन पर मंडराता अपहरण का खतरा

-कांतिलाल मांडोत

बच्चों की सुरक्षा के लिए अब कानून से लेकर पुलिस व्यवस्था तक में बड़े बदलाव की जरूरत

बच्चा जब घर के आंगन में खेलता है तो माता पिता को लगता है कि दुनिया की सारी खुशियां उनके सामने हैं। उसकी हंसी घर को जीवंत बना देती है और उसकी छोटी छोटी जरूरतें परिवार के लिए जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाती हैं। लेकिन यही बच्चा अचानक घर से गायब हो जाए तो उस परिवार की दुनिया जैसे थम जाती है। उसके लौटने की उम्मीद हर पल बनी रहती है और हर गुजरते घंटे के साथ चिंता गहरी होती जाती है। बच्चों के अपहरण की घटनाएं इसलिए केवल अपराध के आंकड़े नहीं हैं बल्कि इनके पीछे हजारों परिवारों की ऐसी पीड़ा छिपी होती है जिसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। देश में बच्चों के बढ़ते अपहरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर जनहित याचिका ने एक बेहद गंभीर विषय को राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में ला दिया है। सवाल केवल यह नहीं है कि कितने बच्चे लापता होते हैं बल्कि बड़ा सवाल यह है कि उनके गायब होने के बाद व्यवस्था कितनी तेजी और संवेदनशीलता के साथ उन्हें खोजने का प्रयास करती है। यदि किसी बच्चे के लापता होने की सूचना मिलने के बाद शुरुआती समय में ही प्रभावी कार्रवाई हो जाए तो उसके सुरक्षित मिलने की संभावना बढ़ सकती है। इसके विपरीत जांच में देरी अपराधियों को अपनी गतिविधियों को छिपाने का अवसर दे सकती है। बच्चों के अपहरण का स्वरूप भी लगातार गंभीर होता जा रहा है। कई मामलों में यह केवल किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत अपराध तक सीमित नहीं रहता बल्कि इसके पीछे संगठित नेटवर्क की भूमिका सामने आती है। बच्चों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने वाले गिरोह राज्यों की सीमाओं का फायदा उठाते हैं। ऐसे नेटवर्क स्थानीय स्तर से शुरू होकर दूसरे राज्यों तक फैले हो सकते हैं। इसलिए बच्चों की तलाश और अपराधियों की पहचान के लिए केवल एक थाने या एक जिले की पुलिस पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं हो सकता। मानव तस्करी इस समस्या का सबसे भयावह पहलू है। मासूम बच्चों को उनके परिवारों से दूर करके अलग अलग प्रकार के शोषण में धकेला जाना समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। कुछ बच्चे मजदूरी के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं तो कुछ को भीख मांगने के लिए मजबूर किया जाता है। ऐसे गिरोह बच्चों की मजबूरी को अपने अवैध कारोबार का साधन बना लेते हैं। बच्चों के हाथों में किताब और खिलौने होने चाहिए लेकिन अपराधी उन्हें अपने स्वार्थ के लिए इस्तेमाल करने लगते हैं। इससे बड़ा सामाजिक अन्याय और क्या हो सकता है। बच्चों को भीख मांगने के लिए मजबूर करने की घटनाएं भी इसी समस्या की एक कड़ी हैं। सड़क पर किसी बच्चे को भीख मांगते देखकर अक्सर लोग कुछ पैसे देकर आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि उस बच्चे की स्थिति के पीछे कोई संगठित शोषण तो नहीं है। हर बच्चा अपनी इच्छा से सड़क पर नहीं आता। कई बच्चे परिस्थितियों और अपराधी नेटवर्क के कारण ऐसी जिंदगी जीने को मजबूर होते हैं। इसलिए बाल भिक्षावृत्ति के खिलाफ कार्रवाई को केवल सामाजिक कल्याण का विषय नहीं बल्कि संगठित अपराध के खिलाफ अभियान के रूप में भी देखा जाना चाहिए। बच्चों के अपहरण के मामलों में पुलिस की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। शिकायत मिलने के बाद तत्काल प्राथमिकी दर्ज होना और जांच शुरू होना जरूरी है। बच्चे की तस्वीर और पहचान संबंधी जानकारी जल्द से जल्द संबंधित पुलिस इकाइयों तक पहुंचनी चाहिए। रेलवे स्टेशन बस अड्डों और अन्य परिवहन केंद्रों पर भी सूचना पहुंचाने में देरी नहीं होनी चाहिए। आधुनिक तकनीक ने पुलिस के सामने कई नए साधन उपलब्ध कराए हैं। कैमरों की निगरानी से लेकर डिजिटल रिकॉर्ड और दूसरे तकनीकी माध्यमों का इस्तेमाल बच्चों की तलाश में किया जा सकता है। लेकिन तकनीक तभी प्रभावी होगी जब उसके साथ प्रशिक्षित और संवेदनशील पुलिसकर्मी भी मौजूद हों। ऐसे मामलों में जांच अधिकारियों की जिम्मेदारी भी सामान्य अपराधों से अलग है। बच्चे की बरामदगी के साथ यह पता लगाना भी जरूरी है कि उसे किसने उठाया और किस उद्देश्य से ले जाया गया। यदि केवल बच्चे को बरामद करके मामला समाप्त मान लिया गया तो उसके पीछे सक्रिय पूरा नेटवर्क बच सकता है। अपराध की जड़ तक पहुंचना जरूरी है ताकि उसी गिरोह के दूसरे बच्चे भी सुरक्षित किए जा सकें। लंबी कानूनी प्रक्रिया भी इस समस्या को गंभीर बनाती है। बच्चों से जुड़े मामलों में पीड़ित परिवार पहले ही मानसिक और सामाजिक पीड़ा से गुजरता है। यदि मुकदमा वर्षों तक चलता रहे तो न्याय की प्रतीक्षा स्वयं एक नई पीड़ा बन जाती है। इसलिए बाल अपहरण और मानव तस्करी के गंभीर मामलों की सुनवाई के लिए विशेष व्यवस्था पर विचार किया जाना चाहिए। तेज सुनवाई का अर्थ जल्दबाजी में न्याय करना नहीं बल्कि ऐसे मामलों को अनावश्यक देरी से बचाना होना चाहिए। कठोर कानून की मांग के साथ यह भी जरूरी है कि कानून का प्रभाव जमीन पर दिखाई दे। अपराधियों को सजा का भय तभी होगा जब जांच मजबूत हो और मुकदमे का परिणाम समय पर सामने आए। केवल कानून में कठोर प्रावधान जोड़ देने से समस्या खत्म नहीं होगी। पुलिस की जवाबदेही बढ़ानी होगी। जांच की गुणवत्ता सुधारनी होगी और अलग अलग राज्यों की एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करना होगा। मानव तस्करी के मामलों में जिन राज्यों का नाम अधिक सामने आता है वहां विशेष निगरानी व्यवस्था विकसित करने की जरूरत है। सीमावर्ती क्षेत्रों और ऐसे स्थानों पर विशेष ध्यान देना होगा जहां से बच्चों को दूसरे राज्यों में ले जाना आसान होता है। बस परिवहन और रेलवे नेटवर्क के जरिए बच्चों की आवाजाही पर नजर रखने के लिए संस्थागत व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए। इसके साथ ही बाल संरक्षण संस्थाओं और स्थानीय प्रशासन को भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। परिवारों की जागरूकता भी महत्वपूर्ण है। बच्चों को सुरक्षा के सामान्य नियमों के बारे में समझाना चाहिए। स्कूलों में भी बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ जाना या उसके बहकावे में आना कितना जोखिमपूर्ण हो सकता है। हालांकि पूरी जिम्मेदारी परिवारों पर डालना उचित नहीं होगा। सार्वजनिक व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें बच्चे सुरक्षित माहौल में रह सकें और किसी घटना के बाद राज्य की मशीनरी तुरंत सक्रिय हो। सबसे बड़ा सवाल हमारी संवेदनशीलता का है। लापता बच्चे का पोस्टर देखकर केवल आगे बढ़ जाना पर्याप्त नहीं है। उसके पीछे किसी मां की चिंता और किसी पिता की बेचैनी हो सकती है। जिस परिवार का बच्चा लापता होता है उसके लिए हर दरवाजे पर दस्तक एक उम्मीद होती है। इसलिए बच्चों के अपहरण को सामान्य अपराध मानकर छोड़ देना समाज के लिए खतरनाक होगा। आज आवश्यकता ऐसे कानून और ऐसी व्यवस्था की है जिसमें बच्चे का अपहरण करने वाला व्यक्ति ही नहीं बल्कि उसके पीछे काम करने वाला पूरा नेटवर्क कानून के शिकंजे में आए। संगठित गिरोहों की आर्थिक और आपराधिक संरचना को तोड़ना होगा। बच्चों का इस्तेमाल भीख मांगने मजदूरी या किसी अन्य शोषण के लिए करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी होगी। बच्चे किसी भी देश की सबसे मूल्यवान धरोहर होते हैं। उनका बचपन सुरक्षित रहेगा तभी देश का भविष्य सुरक्षित रहेगा। सुप्रीम कोर्ट में उठी यह मांग सरकार और समाज दोनों के लिए चेतावनी है कि बच्चों की सुरक्षा को अब केवल पुलिस की जिम्मेदारी मानकर नहीं छोड़ा जा सकता। कानून कठोर हो जांच तेज हो न्याय समय पर मिले और अपराधियों के नेटवर्क पर निर्णायक प्रहार हो तभी उन परिवारों को भरोसा मिल सकेगा जिनके लिए उनका बच्चा पूरी दुनिया है। मासूमों की सुरक्षा में थोड़ी सी भी लापरवाही किसी परिवार के जीवन को हमेशा के लिए बदल सकती है।

बंगाल में भारतीय शिक्षा-दृष्टि को बल देने की अनुकरणीय घोषणा

पश्चिम बंगाल में शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख शैक्षणिक प्रकल्प विद्या भारती के कम से कम एक हजार नए विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की घोषणा नहीं है, बल्कि इसे राज्य की शिक्षा-दृष्टि में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। 4 सितंबर 2026 को सामने आई इस घोषणा के अनुसार अगले एक वर्ष में राज्य के प्रत्येक जिले, नगरपालिका और पंचायत तक विद्या भारती के विद्यालयों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विद्या भारती से जुड़े 313 विद्यालय संचालित होने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के नेतृत्व को राज्य सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ाने का भी निमंत्रण दिया है। यह घोषणा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विद्या भारती आज देश के सबसे बड़े स्वैच्छिक शिक्षा-उपक्रमों में से एक है। विद्या भारती के अपने उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उसका नेटवर्क देशभर में 12,500 से अधिक विद्यालयों तक फैला हुआ है और इनमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उसके विद्यालय पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्रदान करते हैं तथा खेल, संगीत, कला, विज्ञान, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे क्षेत्रों को भी शिक्षा का हिस्सा मानते हैं। हाल के समाचारों में देशभर में 12,000 से अधिक विद्यालयों और लगभग 10,000 बाल संस्कार केंद्रों का उल्लेख भी हुआ है। आंकड़ों में अंतर अलग-अलग वर्षों और संस्थागत गणना-पद्धतियों के कारण हो सकता है, लेकिन इससे विद्या भारती के व्यापक शैक्षिक विस्तार की तस्वीर स्पष्ट होती है। विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी श्रृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभावना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है। ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती और अपेक्षाकृत वंचित क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार भी उसके घोषित उद्देश्यों का हिस्सा है। यहीं से पश्चिम बंगाल की नई पहल का व्यापक महत्व सामने आता है। बंगाल भारत की सांस्कृतिक चेतना का एक अत्यंत समृद्ध केंद्र रहा है। रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, रवींद्रनाथ ठाकुर, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय और अनेक महापुरुषों ने भारतीय चिंतन, शिक्षा, साहित्य और राष्ट्रचेतना को नई दिशा दी। इसलिए बंगाल की शिक्षा व्यवस्था में भारतीय ज्ञान, संस्कृति, मातृभाषा, स्थानीय इतिहास और राष्ट्रीय दायित्व को उचित स्थान देना किसी राजनीतिक आग्रह से अधिक व्यापक सांस्कृतिक आवश्यकता के रूप में देखा जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रावधान करती है। नीति का उद्देश्य विद्यार्थी में भारतीय होने के प्रति गहरी आत्मगौरव भावना विकसित करने के साथ ज्ञान, कौशल, मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता का विकास करना है। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा से जोड़ने की बात करती है। इसमें भारतीय ज्ञान प्रणालियों, जनजातीय ज्ञान, पारंपरिक सीखने की पद्धतियों, योग, दर्शन, साहित्य, कृषि, वास्तुकला, चिकित्सा, खेल और अन्य भारतीय योगदानों को वैज्ञानिक एवं प्रमाणिक ढंग से पाठ्यक्रम में स्थान देने की बात कही गई है। नीति यह भी कहती है कि पाठ्यचर्या भारतीय और स्थानीय संदर्भ, संस्कृति, परंपरा, भाषा, भूगोल तथा ज्ञान-परंपराओं से जुड़ी होनी चाहिए। इस दृष्टि से देखें तो विद्या भारती का शैक्षिक प्रयोग और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनेक लक्ष्य एक-दूसरे के पूरक दिखाई देते हैं। अंतर यह है कि नीति एक राष्ट्रीय नीति-ढांचा उपलब्ध कराती है, जबकि विद्या भारती जैसा सामाजिक संगठन लंबे समय से विद्यालय स्तर पर मूल्याधारित शिक्षा का अपना प्रयोग करता आया है। इसलिए यदि पश्चिम बंगाल सरकार इस विस्तार को गुणवत्तापूर्ण शिक्षक प्रशिक्षण, आधुनिक विज्ञान, तकनीक, डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और संवैधानिक मूल्यों के साथ जोड़ती है तो इसका प्रभाव केवल नए विद्यालय खोलने तक सीमित नहीं रहेगा। विद्यालय खोलना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन अच्छे शिक्षक, प्रशिक्षित प्रधानाचार्य, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं, डिजिटल संसाधन और गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना कहीं अधिक कठिन कार्य है। इसलिए इस पहल की सफलता संख्या से नहीं, शिक्षा की गुणवत्ता से मापी जानी चाहिए। यदि नए विद्यालय केवल भवन बनकर रह गए तो लक्ष्य अधूरा होगा; यदि वे अच्छे शिक्षक और अच्छे नागरिक बनाने के केंद्र बनते हैं, तभी यह पहल ऐतिहासिक सिद्ध होगी। यहीं स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। देश के अनेक सरकारी विद्यालय संसाधनों की कमी, शिक्षक-अभाव, आधारभूत सुविधाओं की कमजोरी, तकनीकी पिछड़ेपन और स्थानीय सहभागिता की कमी जैसी समस्याओं से जूझते रहे हैं। सरकार अकेले प्रत्येक विद्यालय की हर आवश्यकता पूरी करे, यह व्यावहारिक रूप से कठिन है। ऐसे में सामाजिक और स्वयंसेवी संस्थाओं को सरकार के प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। विद्या भारती के विस्तार के साथ यह सहयोग एक नया मॉडल विकसित कर सकता है- सरकार आधारभूत संरचना और नियामक सहयोग दे, स्वयंसेवी संगठन शैक्षिक नवाचार, शिक्षक प्रशिक्षण, सामुदायिक भागीदारी और मूल्याधारित कार्यक्रमों में योगदान करें तथा स्थानीय समाज विद्यालय को अपना संस्थान समझकर उसके विकास में सहभागी बने। विद्या भारती के विस्तार के साथ यदि व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण अभियान चलाया जाए, जिसमें भारतीय दर्शन के साथ आधुनिक शिक्षाशास्त्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, मनोविज्ञान, कौशल शिक्षा और नई मूल्यांकन पद्धतियां शामिल हों, तो यह पूरे देश के लिए अनुकरणीय मॉडल बन सकता है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मुर्शिदाबाद और दक्षिण 24 परगना जैसे क्षेत्रों में विशेष विस्तार की बात भी कही है और वहां राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को लेकर चिंता व्यक्त की है। इन राजनीतिक आरोपों से अलग शिक्षा की दृष्टि से मूल प्रश्न यह है कि संवेदनशील और सामाजिक रूप से विविध क्षेत्रों में विद्यालय नागरिकता-बोध, संवैधानिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत कर सकते हैं। शिक्षा का सर्वोत्तम उत्तर किसी समुदाय के विरुद्ध अविश्वास पैदा करना नहीं, बल्कि हर बच्चे में जिम्मेदार और जागरूक भारतीय नागरिकता का निर्माण करना है। वंदे मातरम, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभावना जैसे विषयों को लेकर मुख्यमंत्री के वक्तव्य ने बहस को राजनीतिक आयाम जरूर दिया है। लेकिन दीर्घकालीन दृष्टि से आवश्यकता ऐसी शिक्षा की है जिसमें राष्ट्रप्रेम स्वाभाविक संस्कार बने, आदेश या भय का विषय नहीं।

पश्चिम बंगाल की यह पहल इसलिए संपूर्ण राष्ट्र के लिए भी एक महत्वपूर्ण सबक या प्रेरणा है कि शिक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। सरकार, समाज, अभिभावक, शिक्षक, उद्योग, स्वयंसेवी संस्थाएं और पूर्व विद्यार्थी-सभी मिलकर शिक्षा का नया सामाजिक तंत्र बना सकते हैं। यदि विद्या भारती के पास संगठनात्मक अनुभव है, सरकार के पास संसाधन और नीतिगत शक्ति है तथा समाज के पास सहभागिता की क्षमता है, तो इन तीनों का समन्वय शिक्षा के क्षेत्र में ब?ा परिवर्तन ला सकता है। आज भारत को ऐसी शिक्षा चाहिए जो आधुनिक भी हो और अपनी जड़ों से जुड़ी हुई भी; वैज्ञानिक भी हो और संस्कारवान भी; रोजगारपरक भी हो और चरित्रनिर्माणकारी भी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इसके लिए नीतिगत दिशा दी है। अब आवश्यकता है कि विभिन्न राज्य और सामाजिक संगठन अपने-अपने स्तर पर इसके प्रभावी प्रयोग प्रस्तुत करें। पश्चिम बंगाल में विद्या भारती के एक हजार नए विद्यालयों का लक्ष्य इसी संदर्भ में एक प्रयोगशाला बन सकता है।

शुभेंदु अधिकारी की घोषणा इसलिए बधाई के योग्य है कि इसने शिक्षा को राजनीतिक विमर्श से आगे बढ़ाकर सामाजिक सहभागिता और भारतीय शिक्षा-दृष्टि के विमर्श के केंद्र में ला दिया है। अब असली परीक्षा घोषणा की नहीं, उसके क्रियान्वयन की है। यदि एक वर्ष में विद्यालयों की संख्या बढ़ाने के साथ शिक्षक की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता, आधुनिक विज्ञान, तकनीकी दक्षता, भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिकता, संवैधानिक चेतना और सामाजिक समरसता को समान महत्व दिया गया, तो बंगाल का यह प्रयोग केवल बंगाल का नहीं रहेगा। यह भारत को यह संदेश दे सकता है कि शिक्षा व्यवस्था को बदलने के लिए केवल नई इमारतें नहीं, नई दृष्टि और समाज की सक्रिय सहभागिता भी आवश्यक है। और शायद यही आज के भारत की सबसे बड़ी शैक्षिक आवश्यकता है- 'ज्ञान आधुनिक हो, दृष्टि वैज्ञानिक हो, चरित्र भारतीय हो और शिक्षा का अंतिम लक्ष्य राष्ट्र एवं मानवता का कल्याण हो।'

-ललित गर्ग

खाद्य तेलों का मिलाजुला रुख, कहीं उछाल तो कहीं गिरावट

आयातकों की लागत से नीचे बिकवाली से सोयाबीन तेल टूटा, औद्योगिक मांग ने पाम-पामोलीन को सहारा दिया

नई दिल्ली। एजेंसी। बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। जहां आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली के दबाव में सोयाबीन तेल की कीमतों में गिरावट आई, वहीं औद्योगिक मांग बढ़ने से कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन के दाम में तेजी दर्ज की गई। घरेलू मंडियों में सोयाबीन तिलहन की कम आवक के चलते इसमें मामूली सुधार हुआ, जबकि सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर बने रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार, मंडियों में सोयाबीन की आवक घटकर 40-45 हजार बोरी रह गई, जो दैनिक मांग (2.5-3 लाख बोरी) से काफी कम है। इसके बावजूद, आयातक बैंकों में अपने ऋण साख-पत्र चालू रखने के लिए लागत (125 रुपये/किलो) से लगभग 5 फीसदी नीचे, 118.50 रुपये/किलो पर सोयाबीन तेल बेच रहे हैं। यह उनकी गंभीर आर्थिक स्थिति दर्शाता है, जिसके चलते सोयाबीन तेल में गिरावट आई। ऊंची कीमतों पर कमजोर मांग से बिनौला तेल भी सस्ता हुआ। दूसरी ओर, बढ़ती औद्योगिक मांग और अन्य खाद्य तेलों से सस्ता होने के कारण पाम-पामोलीन में मजबूती देखी गई। ऊंचे दाम पर सुस्त कारोबार के बीच सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में स्थिरता बनी रही। बीते सप्ताह सरसों दाना 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल दादरी 16,800 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमश- 2,735-2,835 रुपये और 2,735-2,885 रुपये टिन (15 किलो) पर स्थिर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 25-25 रुपये सुधार के साथ क्रमश- 6,700-6,750 रुपये और 6,550-6,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।दूसरी ओर, आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,600 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,400 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 11,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 14,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 150 रुपये के सुधार के साथ 16,000 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 100 रुपये के सुधार के साथ 14,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।औद्योगिक मांग होने के बावजूद ऊंचे दाम पर कामकाज प्रभावित रहने से बीते सप्ताह बिनौला तेल का दाम 400 रुपये की गिरावट के साथ 16,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

अक्टूबर में मिल सकते हैं 2000 रुपए, पात्रता और ईकेवायसी जरुरी

नई दिल्ली। एजेंसी। देशभर के लाखों किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम ?किसान योजना की 24वीं किस्त का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पिछली 23वीं किस्त 20 जून 2026 को जारी की गई थी। अब 2,000 रुपये की अगली किस्त अक्टूबर 2026 में जारी होने की उम्मीद है, हालांकि आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। पीएम-किसान योजना के तहत पात्र किसानों को सालाना 6,000 रुपये की वित्तीय सहायता तीन किस्तों (प्रत्येक 2,000 रुपये) में सीधे बैंक खातों में मिलती है। यह राशि हर चार महीने में जारी की जाती है। इसी चक्र के अनुसार, 23वीं किस्त (जून 2026) के बाद अब अगस्त-नवंबर की अवधि की 24वीं किस्त अक्टूबर 2026 के आसपास आ सकती है। 24वीं किस्त केवल उन्हीं पंजीकृत और पात्र किसान परिवारों को मिलेगी जिनके पास योजना के नियमों के अनुसार जमीन है। सरकारी कर्मचारी, आयकरदाता जैसे अपात्र व्यक्तियों को यह लाभ नहीं मिलेगा। किस्त अटकने से बचने के लिए किसानों को अपना ईकेवायसी पूरा कराना और आधार व बैंक खाते की जानकारी सही व अपडेट रखें। बैंक खाता भी सक्रिय और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से लिंक होना चाहिए।

घरेलू एलपीजी के दाम स्थिर, आम जनता को मिली राहत

मुंबई। एजेंसी। भारत में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) की कीमतें पूरी तरह स्थिर बनी हुई हैं, जिससे आम जनता और परिवारों को बड़ी राहत मिली है। सरकारी तेल मार्केटिंग ने घरेलू सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि, कमर्शियल इस्तेमाल वाले 19 किलोग्राम के बड़े गैस सिलेंडरों की कीमतों में 1 सितंबर को 9.50 से 11.50 रुपये प्रति सिलेंडर की मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई थी, जिसका असर होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग बिजनेस पर पड़ रहा है। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव के बावजूद, सरकार और तेल विपणन कंपनियों ने आम उपभोक्ताओं को महंगाई से बचाने के लिए घरेलू सिलेंडर के दाम स्थिर रखे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के 95 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर निकल जाने और आयात लागत बढ़ने के कारण ही वाणिज्यिक गैस के दाम बढ़ाए गए हैं। वर्तमान में, दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 942 रुपये और मुंबई में 941.50 रुपये पर उपलब्ध है, जबकि कमर्शियल सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 2,747.50 रुपये है। इस बीच पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (पीएसी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से अगस्त 2026 के बीच घरेलू एनपीजी की खपत 15.9 फीसदी 11.3 मिलियन टन रह गई है। देश में तेजी से फैल रहा पीएनजी नेटवर्क, 940 से 1000 रुपये के बीच का मौजूदा उच्च बेस प्राइस और सब्सिडी खत्म होने या कम होने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक ईंधन की ओर वापसी, इस गिरावट के मुख्य कारण हैं। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में आखिरी बदलाव जून 2026 में हुआ था।

वैश्विक हलचल, कच्चा तेल और अमेरिकी महंगाई तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

मुंबई। एजेंसी। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की चाल पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संघर्ष, कच्चे तेल की अस्थिर कीमतें और अमेरिका के आगामी मुद्रास्फीति आंकड़ों से तय होगी। विश्लेषकों का मानना है कि इन वैश्विक घटनाक्रमों के साथ-साथ विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और अन्य वैश्विक संकेतों पर भी बाजार की गहरी नजर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आर्थिक आंकड़े भारतीय इक्विटी बाजारों के लिए महत्वपूर्ण उत्प्रेरक होंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस सप्ताह बाजार वैश्विक मौद्रिक नीति, कच्चे तेल की कीमतों और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को लेकर संवेदनशील रह सकता है। उन्होंने विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रमों को महत्वपूर्ण बताया, क्योंकि इनका भारत की महंगाई, बाहरी संतुलन और कंपनियों की

लाभप्रदता पर सीधा असर पड़ सकता है। एनरिच मनी के एक अ?धिकारी ने जानकारी दी कि पिछले सप्ताह ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत में आठ प्रतिशत से अधिक और डब्ल्यूटीआई में नौ प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बनी चिंताओं ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में भू-राजनीतिक जोखिमों को बढ़ा दिया है, जिससे कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। इसके अतिरिक्त, निवेशकों की नजर अमेरिका के उम्मीद से बेहतर रोजगार आंकड़ों के बाद फेडरल रिजर्व की सितंबर में होने वाली मौद्रिक नीति बैठक को लेकर बदलती उम्मीदों पर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका के आगामी महंगाई आंकड़े फेडरल रिजर्व की नीतिगत दिशा और वैश्विक बाजार धारणा के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। ये आंकड़े अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल और ब्याज दरों को लेकर उम्मीदों को भी प्रभावित करेंगे। घरेलू मोर्चे पर, विदेशी संस्थागत निवेशकों के प्रवाह, रुपये की चाल और बाजार में नकदी की स्थिति पर भी नजर रखी जाएगी।

केला निर्यात बढ़ाने को एफडीआई में ढील, बागान क्षेत्र में उदार होंगे नियम?

नई दिल्ली। एजेंसी। सरकार देश के बागान क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के नियमों को और उदार बनाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इसका मुख्य लक्ष्य केले जैसी अन्य वाणिज्यिक फसलों को भी एफडीआई के दायरे में लाकर उनके निर्यात को बढ़ावा देना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय इस संबंध में विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श कर रहा है। वर्तमान में, चाय, कॉफी, रबड़, इलायची, पाम और जैतून के पेड़ों के बागानों में स्वत- मंजूर मार्ग से 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति है, जबकि अन्य बागान गतिविधियों को इससे बाहर रखा गया है। सरकार अब इस दायरे का विस्तार कर केले जैसी फसलों को शामिल करने की संभावनाएं तलाश रही है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा केला उत्पादक है, जहां सालाना तीन करोड़ टन से अधिक उत्पादन होता है, लेकिन वैश्विक निर्यात बाजार में इसकी हिस्सेदारी मात्र एक प्रतिशत है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने 37.75 करोड़ डॉलर मूल्य के केले का निर्यात किया, जो पिछले वर्ष से 30 फीसदी अधिक था। सरकार का लक्ष्य आने वाले वर्षों में इसे एक अरब डॉलर तक पहुंचाना है। एफडीआई से प्रसंस्करण, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स में निवेश बढ़कर निर्यात लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक प्रमुख उत्पादक राज्य हैं, वहीं ईरान, इराक, यूएई जैसे मौजूदा बाजारों के अलावा अमेरिका, रूस और जापान में भी निर्यात की बड़ी संभावनाएं हैं।

अमेरिका-ईरान तनाव से ग्लोबल तेल बाजार में आग, ब्रेंट क्रुड लगभग 100 डॉलर

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर शुरू हुए सैन्य टकराव ने वैश्विक कच्चे तेल बाजार में आग लगा दी है। ब्रेंट क्रूड की कीमतें 96 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं, जबकि यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) भी 91 डॉलर से ऊपर है। दोनों ही कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के मनोवैज्ञानिक स्तर के बेहद करीब पहुंच गई हैं, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर नए संकट के बादल मंडरा रहे हैं। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को हुई बढ़ोतरी के साथ, इस पूरे हफ्ते ब्रेंट में 7.6 फीसदी और डब्ल्यूटीआई में लगभग 10 फीसदी का उछाल आया है, जो जुलाई के मध्य के बाद से सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़ोतरी है। कच्चे तेल की कीमतों में यह ताजा उबाल अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य झड़पों में तेजी के बाद आया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, अमेरिकी नौसेना के युद्धपोतों पर हुए बैलिस्टिक मिसाइल हमलों के जवाब में अमेरिका ने ईरान के तीन क्रूड ऑयल टैंकरों पर हमला किया है। यह ताजा संघर्ष सीधे तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य के पास हुआ है, जो वैश्विक एनर्जी सप्लाई के लिए एक महत्वपूर्ण चेकपॉइंट है। दुनिया के कुल कच्चे तेल की आपूर्ति का लगभग 20 से 25 प्रतिशत हिस्सा इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। इस क्षेत्र में तेल टैंकरों पर हमलों के बाद मर्चेंट और कमर्शियल जहाजों की सुरक्षा को लेकर भारी अनिश्चितता पैदा हो गई है। नतीजतन, होर्मुज से होकर गुजरने वाले कमोडिटी जहाजों की संख्या में तेजी से गिरावट आ रही है, जिससे वैश्विक तेल डिलीवरी चेन में बड़ी रुकावटें आने लगी हैं। साथ ही, अब यहां से गुजरने वाले जहाजों के लिए वॉर-रिस्क इंश्योरेंस प्रीमियम और माल ढुलाई की दरें भी कई गुना बढ़ गई हैं, जिससे कच्चे तेल की लैंडिंग कॉस्ट काफी महंगी हो गई है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगी इस आग का सीधा असर भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर पड़ने की पूरी आशंका है। सरकारी तेल कंपनियों ने फिलहाल आम जनता को राहत देते हुए देश भर में रिटेल स्तर पर ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है।

मेष- आज का दिन नई उम्मीद और राहत लेकर आ सकता है। लंबे समय से अटका हुआ कोई काम आखिरकार पूरा होने से मन हल्का और खुश महसूस करेगा। जीवनसाथी के साथ चल रही दूरियां बातचीत और समझदारी से कम होंगी और रिश्ते में फिर से मिठास लौटेगी। आप दोनों भविष्य को लेकर साथ बैठकर नई योजनाएं बना सकते हैं।

वृषभ- आज कुछ प्रभावशाली और खास लोगों से मुलाकात आपके करियर या कारोबार के लिए नए अवसर ला सकती है। हालांकि, दूर रहने वाले किसी रिश्तेदार से मिली खबर थोड़ी चिंता बढ़ा सकती है। संतान की नौकरी में तरक्की से परिवार में गर्व और खुशी का माहौल बनेगा। पुराने प्यार से अचानक मुलाकात भावनाओं को जगा सकती है, लेकिन बीती बातों में ज्यादा उलझना ठीक नहीं रहेगा। बैंक लोन या फाइनेंस से जुड़ी अड़चनें भी आज दूर होने की संभावना है।

मिथुन- आज आपकी सूझबूझ और सही समय पर फैसला लेने की क्षमता आपको दूसरों से आगे रखेगी। विरोधियों की बातों में आकर कोई जल्दबाजी वाला कदम न उठाएं। संतान के करियर को लेकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। नौकरी में किसी जरूरी काम को पूरा करने के लिए जूनियर का सहयोग भी काफी उपयोगी रहेगा। काम की अधिक व्यस्तता से थकान महसूस हो सकती है, लेकिन भाई-बहनों के साथ अच्छा समय बिताने से मूड बेहतर होगा। घर में शादी-विवाह की चर्चा भी तेज हो सकती है।

कर्क- आज वैवाहिक जीवन में प्यार, समझ और आपसी सहयोग का खूबसूरत तालमेल देखने को मिलेगा। माताजी से किया हुआ कोई वादा पूरा करने का अवसर मिलेगा, जिससे मन को संतोष होगा। नई प्रॉपर्टी खरीदने या बेचने का विचार बन सकता है, लेकिन अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेकर ही आगे बढ़ें। कारोबार में आपके नए विचार नई ऊंचाइयों का रास्ता खोल सकते हैं।

सिंह- आज खुशियां और उपलब्धियां आपका इंतजार कर रही हैं। कोई महत्वपूर्ण जानकारी आपके सामने नए अवसरों के दरवाजे खोल सकती है। परिवार के साथ बिताया गया समय रिश्तों में अपनापन और मजबूती बढ़ाएगा। लंबे समय से अटकी हुई बिजनेस डील आखिरकार फाइनल होने की उम्मीद है। ऊर्जा और उत्साह भरपूर रहेगा, जिससे आप कई जरूरी काम समय से पहले पूरे कर सकते हैं।

कन्या- आज आर्थिक मामलों में भाग्य आपका अच्छा साथ दे सकता है। पैतृक संपत्ति से लाभ मिलने के संकेत हैं और आय में बढ़ोतरी से मन प्रसन्न रहेगा। जीवनसाथी के लिए कोई खास चीज खरीदना रिश्ते में प्यार और अपनापन बढ़ाएगा। हालांकि निवेश से जुड़े फैसले जल्दबाजी में न लें और पूरी जानकारी के बाद ही कदम उठाएं।

तुला- आज दिन काफी व्यस्त और भागदौड़ भरा रह सकता है। कोशिश करें कि जरूरी काम खुद संभालें और हर छोटी बात के लिए दूसरों पर निर्भर न रहें। किसी पार्टी या समारोह में जाने का मौका मिल सकता है, जहां आपकी बातचीत और व्यक्तित्व लोगों को प्रभावित करेंगे। यात्रा या घूमने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी हाथ लग सकती है।

वृश्चिक- आज सेहत में थोड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, इसलिए खान-पान और आराम पर विशेष ध्यान दें। अचानक किसी यात्रा की योजना बन सकती है। कारोबार की कोई पुरानी समस्या भाई-बहनों के सहयोग से सुलझने की उम्मीद है। विद्यार्थियों के भीतर कुछ नया सीखने और अलग करने की इच्छा जागेगी, जो आगे उनके लिए फायदेमंद हो सकती है। परिवार में आपसी अपनापन बढ़ेगा और रिश्तेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे। अपनों का साथ आपको भावनात्मक मजबूती देगा।

धनु- आज मन की कोई इच्छा पूरी न होने से थोड़ी बेचैनी या निराशा महसूस हो सकती है। काम में भी मन कम लगे तो खुद को सकारात्मक गतिविधियों में व्यस्त रखना बेहतर होगा। परिवार में किसी सदस्य की सेहत को लेकर भागदौड़ करनी पड़ सकती है। जीवनसाथी के साथ किसी छोटी बात पर मतभेद बढ़ सकता है, इसलिए बहस के बजाय धैर्य से बात करें।

मकर- आज अचानक धन लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। कारोबार में अच्छा मुनाफा मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और पुराना अटका हुआ पैसा भी वापस मिल सकता है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को किसी अच्छी खबर का इंतजार खत्म हो सकता है। घर में नए मेहमान के आने से खुशियों की रौनक बढ़ेगी। जीवनसाथी के साथ चल रही खटास को दूर करने के लिए आप दिल से प्रयास करेंगे।

कुंभ- आज का दिन सामान्य से बेहतर और कुछ नई संभावनाओं वाला रह सकता है। अचानक यात्रा के योग बन सकते हैं। संतान ने किसी परीक्षा में हिस्सा लिया था तो उसका परिणाम आपके लिए खुशी लेकर आ सकता है। नई नौकरी के लिए किया गया प्रयास भी सफल होने की उम्मीद है।

मीन- आज कारोबार में उतार-चढ़ाव के कारण मन थोड़ा अस्थिर रह सकता है। पार्टनरशिप से जुड़े मामलों में विशेष सावधानी रखें और किसी भी दस्तावेज या समझौते को बिना पढ़े स्वीकार न करें। दूसरों के निजी मामलों में जरूरत से ज्यादा दखल देने से बचें। पूजा-पाठ और आध्यात्मिक गतिविधियों में समय बिताने से मन को शांति मिलेगी।

शब्दजाल - 8373

शब्दजाल में 10 शहरों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

म	अ	मु	न	सी	जा	म	न	ग	र	ट
रा	वि	ली	प्रे	क	ना	स	द	ज	कां	ड़
सू	र	त	बा	दी	छ	सि	आ	ब	वृ	ज
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	क	ल	ष	ल
वा	अ	मी	ल	ज	चा	न	क्रो	न	भ	गां
रा	ल	न	र	य	ब	ली	ती	बैं	घ	व
ण	सिं	र्नि	ग	पु	न	ल	स	ग	व	स
सी	ह	ऊ	ई	र	ब	क	पु	लो	श	क
रा	म	तु	ला	रा	म	स	या	र	र	आ
क	गॉ	सो	नी	प	त	कुं	भ	म	प	द
क	ड	क	र्क	या	क	र्त	शि	म	ला	म

जयपुर, जामनगर, बेंगलोर, सोनीपत, जलगांव, नासिक, वाराणसी, सूरत, जबलपुर, शिमला

शब्दजाल - 8372 का हल

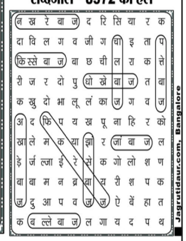

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7317

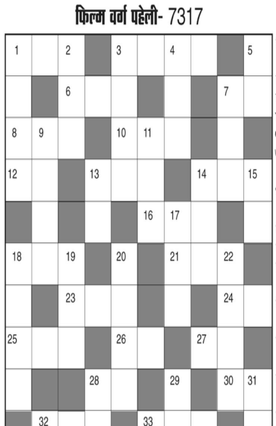

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7316

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

7 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

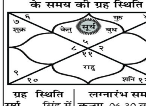

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.30 बजे से
चंद्र	मिथुन में	तुला	08.41 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.56 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.12 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	15.17 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	17.03 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.36 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.07 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.47 बजे से
राहुकाल		मिथुन	23.45 बजे से
7.30 से 9.00		कर्क	01.58 बजे से
बजे तक		सिंह	04.15 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 250 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 17.05 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पुनर्वसु 18.14 बजे को समाप्त। **योग** व्यतीपात 06.41 बजे तदनन्तर वरीयान 03.38 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 06.17 बजे, बालव 17.05 बजे तदनन्तर कौलव 03.53 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 06° 08' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872825 **जूलियन दिन** 2461290.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 24 **विशेष** अजा एकादशी व्रत, बछ बारस द्वादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सच्ची मानवता

एक बार लालबहादुर शास्त्री ने बिहार के कुछ लोगों को प्रधानमंत्री निवास पर मिलने का समय दिया। संयोग से उसी दिन एक विदेशी अतिथि के सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन हो गया और शास्त्रीजी जी को वहां जाना पड़ा। वहां से लौटने में उन्हें विलंब हो गया। बिहार से आए हुए लोग उनकी प्रतीक्षा में बैठे रहे। काफी समय बीत गया। आखिरकार निराश होकर वे लोग वहां से चल दिए। उनके जाने के कुछ देर बाद ही शास्त्रीजी लौट आए। आते ही उन्होंने अपने सचिव से पूछा, 'बिहार से कुछ लोग मुझसे मिलने आने वाले थे , क्या वे आ चुके हैं ?' सचिव बोला, 'वे आए तो थे लेकिन आपकी प्रतीक्षा करने के बाद अभी - अभी यहां से निकल गए। 'यह सुनकर शास्त्रीजी जी परेशान हो गए। उन्होंने सचिव से पूछा, 'कुछ मालूम है कि वे लोग कहां गए हैं ?' सचिव ने कहा, 'वे कह रहे थे कि सामने के स्टॉप से बस पकड़नी है। 'शास्त्रीजी तुरंत बस - स्टॉप की ओर लपके। यह देखकर सचिव बोला, 'श्रीमान् आप यह क्या कर रहे हैं ? कोई देखेगा तो क्या कहेगा?' इस पर शास्त्री जी बोले, 'कोई यह जानेगा कि प्रधानमंत्री ने अपने निवास पर बुलाकर अपने अतिथियों को वापस लौटा दिया है तो क्या कहेगा?' इस पर सचिव बोला, 'तो ठीक है, मैं उन्हें बस - स्टॉप से बुला लाता हूं। 'शास्त्रीजी बोले, 'नहीं, अब तो मुझे ही जाना पड़ेगा । मुझे विलंब के लिए उनसे क्षमा भी मांगनी है और क्षमा मांगने का इससे अच्छा तरीका और क्या होगा कि मैं खुद बस - स्टॉप पर जाकर उन्हें बुला लाऊं। 'इसके बाद शास्त्रीजी तेजी से बस - स्टॉप पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि वहां पर बिहार से आए उनके अतिथि मुंह लटकाए खड़े थे। शास्त्रीजी ने उनसे क्षमा मांगी और उन्हें वापस ले लाए। अतिथियों में से एक ने कहा, 'दिल्ली में वैसे तो बहुत कुछ देखा, लेकिन हम यह कभी नहीं भूलेंगे कि हमारे प्रधानमंत्री के भीतर सच्ची मानवता है।'

सूडोकु नवताल- 7626

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7625 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली - 8841

बाएँ से दाएँ

1.ईसा मसीह-3
3.जवान,तरुण-3
5.आकाश,व्योम-2
6.परत,अस्तर-2
8.गर्जना,दहाड़ना-4
11.मदद,आराम-3
13.सुगंध,खुशबू-3
14.धूल,मिट्टी-2
15.छत्तीसगढ़ की राजधानी-2
16.पिता,आविष्कारक-3
18.नस्ल,जाति,प्रजाति-3
20.ओस,रजनीजल-4
23.भीगा हुआ-2
25.बल,ताकत,दम-2
26.तेल या घी में पकाना -3
27.मसाज-3

ऊपर से नीचे

1.रसना,जिव्हा-2
2.सचेत,सावधान-3
3.जरुरत,आवश्यकता-3
4.ऋतु,मौसम-2
5.दृश्य,तमाशा-3
7.कंठ,गला-3
9.रीती,रिवाज-2
10.प्रसिद्ध,नामवर-4
12.तीर रखने का पात्र-4
16.भूमि,धरा-3
17.खदान,माईन-2
19.तरंग,हिलोर-3
21.प्रवाहित करना-3
22.भीड़,समूह-3
24.राय,वोट-2
25.उत्साह,ललक-2

शब्द पहेली -8840 का हल

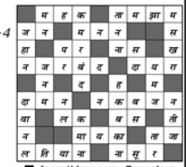

Jagrutidaur.com, Bangalore

गुरु रविदास जयंती पर लांजी क्षेत्र में निकली सद्भावना कलश यात्रा

10 सितंबर को संत रविदास आश्रम आवा में होगा समापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर जिलेभर में श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं सद्भावना यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से संत रविदास महाराज के जीवन, विचारों और उनके समतामूलक सामाजिक संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के साथ समाज में भाईचारा, समानता और सद्भाव की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

इसी क्रम में लांजी क्षेत्र में निकाली जा रही सद्भावना कलश यात्रा विभिन्न ग्रामों से होकर आगे बढ़ रही है। यात्रा का ग्रामीणों द्वारा जगह-जगह श्रद्धा और उत्साह के साथ स्वागत किया जा रहा है। मंदिर परिसरों में कलश यात्रा, पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वक्ताओं के उद्बोधन तथा सामाजिक समरसता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

विभिन्न गांवों से होकर गुजर रही कलश यात्रा

लांजी क्षेत्र में 4 सितंबर को किरनापुर के ग्राम वारा से प्रारंभ हुई सद्भावना कलश यात्रा टेमनी होते हुए भानेगांव पहुंची। भानेगांव में कार्यक्रम के बाद 5 सितंबर को यात्रा मोहझरी होते हुए बोरी पहुंची, जहां आयोजन के उपरांत कलश यात्रा टेडवा पहुंची।

6 सितंबर को सद्भावना कलश यात्रा टेडवा से देवलगांव पहुंची। देवलगांव में बाजार चौक स्थित कृष्ण मंदिर से स्थानीय ग्रामीणों की उपस्थिति में कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा ने ग्राम के प्रमुख मार्गों का भ्रमण किया। इस दौरान ग्रामीणों ने श्रद्धा के साथ कलश दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम, वक्ताओं के उद्बोधन और सामाजिक समरसता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए।

रात्रि विश्राम के बाद 7 सितंबर को कलश यात्रा देवलगांव से पालडोंगरी के लिए प्रस्थान करेगी।

10 सितंबर को आवा में होगा भव्य समापन

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 8 सितंबर को पालडोंगरी से कलश यात्रा बेलगांव पहुंचेगी। इसके बाद 9 सितंबर को बेलगांव से यात्रा लांजी पहुंचेगी, जहां विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यात्रा का अंतिम पड़ाव 10 सितंबर को ग्राम आवा स्थित संत रविदास आश्रम रहेगा।

संत रविदास आश्रम में ग्रामीणों द्वारा कलश दर्शन एवं पूजा-अर्चना के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम, वक्ताओं के उद्बोधन और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गुरु झाडूदास महाराज की उपस्थिति में आयोजित इन कार्यक्रमों के साथ सद्भावना कलश यात्रा का विधिवत समापन किया जाएगा।

समानता और भाईचारे का संदेश पहुंचाने का संकल्प

अभियान का मुख्य उद्देश्य संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के समतामूलक विचारों, सामाजिक समानता और सद्भाव के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना है। यात्रा के माध्यम से लोगों को जाति, वर्ग और भेदभाव से ऊपर उठकर आपसी भाईचारा, प्रेम, समानता और सामाजिक एकता को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

गांव-गांव पहुंच रही कलश यात्रा न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बन रही है, बल्कि सामाजिक एकता और समरसता का संदेश देने वाले जनअभियान का रूप ले रही है। आयोजन में ग्रामीणों की सहभागिता से अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। प्रशासन द्वारा संबंधित विभागों एवं स्थानीय आयोजकों को कार्यक्रमों को व्यवस्थित, गरिमापूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने के निर्देश दिए गए हैं।

बीमारी के बीच बैगा बच्चों को मिला अपनत्व का सहारा

रुपाली साड़ी सेंटर के संचालकों ने अस्पताल पहुंचकर वितरित किए वस्त्र, जरूरतमंद परिवारों की मदद की पहल

पद्मेश न्यूज। लांजी। सिविल अस्पताल लांजी में उपचार के लिए भर्ती बैगा समुदाय के जरूरतमंद परिवारों के बच्चों की मदद के लिए समाजसेवी और संगठन लगातार आगे आ रहे हैं। इसी क्रम में 6 सितंबर को रुपाली साड़ी सेंटर लांजी के संचालक ललित अग्रवाल, दीपक

अग्रवाल एवं पुरुषोत्तम अग्रवाल ने अस्पताल पहुंचकर बैगा परिवारों के बच्चों को वस्त्र वितरित किए।

बच्चों के चेहरे पर आई मुस्कान

अस्पताल में भर्ती बच्चों और उनके परिजनों को वस्त्र प्रदान करते हुए समाजसेवियों ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। बीमारी के साथ आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे परिवारों के लिए यह सहयोग केवल जरूरत की पूर्ति ही नहीं, बल्कि कठिन समय में मिले अपनत्व और मानवीय संवेदना का भी एहसास करा रहा है। इस अवसर पर बीएमओ डॉ. अक्षय उपराड़े, डॉ. निर्मल नगपुरे सहित अस्पताल का स्टाफ मौजूद रहा। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने समाजसेवियों की इस पहल की सराहना करते हुए इसे जरूरतमंद परिवारों के लिए सराहनीय सहयोग बताया।

सेवा के लिए लगातार बढ़ रहे मदद के हाथ

सिविल अस्पताल लांजी में उपचार के लिए आने वाले जरूरतमंद एवं बैगा परिवारों की सहायता के लिए विभिन्न संगठनों और समाजसेवियों द्वारा समय-समय पर फल, वस्त्र एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इससे अस्पताल में उपचार के साथ-साथ मानवीय संवेदना, सेवा और सहयोग की भावना भी दिखाई दे रही है। समाजसेवियों ने कहा कि जरूरतमंद बच्चों और परिवारों की सहायता के लिए समाज के अन्य लोगों को भी आगे आना चाहिए। संकट की घड़ी में किया गया छोटा-सा सहयोग भी किसी जरूरतमंद परिवार के लिए बड़ी राहत और उम्मीद बन सकता है।

सांदीपनि स्कूल बोलेगांव में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस

शिक्षकों ने किया रैंप वॉक, सेवानिवृत्त शिक्षकों सहित विद्यालय परिवार का हुआ सम्मान

पद्मेश न्यूज। लांजी। सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव में शनिवार को शिक्षक दिवस हर्षोल्लास और समारोहपूर्वक मनाया गया। भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्राचार्य बी.आर. गुरदे एवं गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन, मां सरस्वती के पूजन तथा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने ग्राम के सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार के शिक्षक-शिक्षिकाओं का शाल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विविध सांस्कृतिक, सामाजिक एवं धार्मिक गीतों की प्रस्तुति दी। इसके साथ ही वाद-विवाद प्रतियोगिता, नाटक सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं का रैंप वॉक रहा। शिक्षकों के इस अनोखे अंदाज को देखकर विद्यार्थियों ने जमकर उत्साह बढ़ाया और तालियों से उनका स्वागत किया।

गुरु-शिष्य परंपरा का गौरवशाली इतिहास

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य बी.आर. गुरदे ने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राष्ट्रपति होने के साथ-साथ एक आदर्श शिक्षक और महान शिक्षाविद् थे। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान एवं नवाचारों को सदैव याद किया जाता है। इसी कारण उनके जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि भारत में गुरु-शिष्य परंपरा का गौरवशाली इतिहास रहा है। आरुणि, एकलव्य और अर्जुन जैसे शिष्यों ने अपने गुरुओं का नाम अमर किया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे जीवन में मेहनत और अनुशासन के साथ ऐसी सफलता प्राप्त करें, जिससे उनके गुरु और परिवार को उन पर गर्व हो। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त शिक्षक चिंतामन गोस्वामी, एफ.एल. रिन्हायत, तिलकचंद धामने एवं सुरजलाल बिलावर सहित विद्यालय परिवार के शिक्षक-शिक्षिकाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह और सम्मान का वातावरण बना रहा।

वीरांगना रानी अवंती बाई स्कूल में धूमधाम से मना जन्माष्टमी पर्व व शिक्षक दिवस

राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकियों ने मोहा मन, 'शिक्षक के नाम एक पेड़' लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पद्मेश न्यूज। लांजी। स्थानीय वीरांगना रानी अवंती बाई स्कूल लांजी में शनिवार 5 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं शिक्षक दिवस का पर्व हर्षोल्लास, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर को फूलों, मटकी, बांसुरी, मोरपंख एवं आकर्षक झांकियों से सजाया गया, जिससे पूरा परिसर गोकुल की मनमोहक छटा से सजा नजर आया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के संचालक विजय कुमार कुशले की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि वार्ड क्रमांक 9 के पार्षद किशोर रामटेक्कर एवं विशेष अतिथि वार्ड क्रमांक 12 के पार्षद मुकेश रणदिवे की उपस्थिति में भगवान श्रीकृष्ण, राधारानी एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवं पूजन-वंदन के साथ हुआ।

राधा-कृष्ण की वेशभूषा में सजे नन्हे-मुन्ने

जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यार्थियों ने राधा-कृष्ण, सुदामा, ग्वाल-बाल एवं गोपियों की आकर्षक वेशभूषा धारण कर सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, माखन चोरी, राधा-कृष्ण के प्रसंगों तथा उनके जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों को नृत्य, अभिनय, भजन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत किया। कुमारी आरवी बसोने, नैंसी सहारे, मोहित नेवारे, पार्थ नागपुरे, अनवी श्यामकुवर, मुदित चौरवाड़े, जीनल पिपरे, वीणा महेश्वरे, जींहाशी पिपरे, श्रेयांश कुचवाहे, ऋषभ लिल्हारे, यश कुमरे, सोनाली कुमरे, माही पन्दे, रिद्धि बैस, ईशिका मसकोले, रक्षा चौहान, आदित्य लिल्हारे, नम्रता बसोने, गौरव लिल्हारे, पवित्रा दुरुगकर, अंशिका चौहान, याशी पलान्दुरकर, शिवन्या पलान्दुरकर, गरिमा डोंगरे, सनम मरावी, सनम कुमरे, वंशिका बिनाखे, दुर्गा पलान्दुरकर, ऋषिका पुसाम, राजवी कोठारे, आंचल एरने, संध्या पाचे, आयुषी पंजरे, शिवम, काव्या बडमे, वंश हेनोते, सोनू टेकाम सहित अन्य विद्यार्थियों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की प्रस्तुतियों के दौरान विद्यालय परिसर 'राधे-राधे' और 'जय श्रीकृष्ण' के जयघोष से गूंज उठा। अभिभावकों एवं उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की।

शिक्षक के नाम एक पेड़ लगाकर दिया संदेश

शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यालय परिसर में 'शिक्षक के नाम एक पेड़' अभियान के तहत अतिथियों द्वारा पौधरोपण किया गया। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण एवं पेड़-पौधों के महत्व का संदेश दिया गया। इसके बाद विद्यार्थियों ने विद्यालय के संचालक एवं प्रधान पाठक विजय कुमार कुशले तथा समस्त शिक्षिकाओं का पुष्पगुच्छ एवं तिलक लगाकर स्वागत किया। अतिथियों द्वारा विद्यालय के प्रधान पाठक विजय कुमार कुशले सहित सभी शिक्षकों को श्रीफल एवं पेन भेंट कर सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों को सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा

कार्यक्रम के समापन अवसर पर संचालक विजय कुमार कुशले ने विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विद्यार्थियों से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन से प्रेरणा लेकर सत्य के मार्ग पर चलने तथा अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती दमयंती राणे ने किया। आयोजन को सफल बनाने में शिक्षिका पूनम नेवारे, दीक्षा कुशले, सुहानी सोलंकी, मनीषा जांभूरे, रिया भोंडेकर, काजल किरमे, आंचल सातपुते, मोहिनी कोठारे, सरस्वती हनोते, सरिता नेवारे, माया सहारे सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा।

पुण्यतिथि पर याद किए गए पूर्व विधायक स्व. यशवंतराव खोंगल

जनसेवा, सामाजिक एकता और क्षेत्र के विकास में योगदान को किया याद, अर्पित किए श्रद्धासुमन

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रगतिशील कुनबी समाज जिला बालाघाट के संस्थापक एवं प्रथम अध्यक्ष, लांजी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक तथा जिला पंचायत बालाघाट के पूर्व अध्यक्ष स्व. श्री यशवंतराव खोंगल जी की पुण्यतिथि 6 सितंबर के अवसर पर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उनके व्यक्तित्व एवं समाज तथा क्षेत्र के लिए किए गए कार्यों को स्मरण कर उनके प्रति श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। स्वर्गीय यशवंतराव खोंगल जी जनसेवा, समाजसेवा एवं दूरदर्शी सोच के लिए जाने जाते थे। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में समाज की एकता, शिक्षा, क्षेत्रीय विकास तथा जनकल्याण को प्राथमिकता देते हुए महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रगतिशील कुनबी समाज के संस्थापक प्रथम अध्यक्ष के रूप में उन्होंने समाज को संगठित करने और सामाजिक उत्थान की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए।

समाज और क्षेत्र के लिए समर्पित रहा जीवन

पूर्व विधायक एवं जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में भी स्व. खोंगल ने क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी। उनके

विचारों, संघर्ष और समाजहित के प्रति समर्पण को आज भी लोग स्मरण करते हैं। शिक्षा के विस्तार, सामाजिक एकता एवं क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को लेकर उनके प्रयासों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया गया। पुण्यतिथि के अवसर पर उनके अनुयायियों, सामाजिकजनों एवं शुभचिंतकों ने कहा कि स्व. यशवंतराव खोंगल का जीवन समाज और जनकल्याण के लिए समर्पित रहा। उनके द्वारा स्थापित सेवा एवं सामाजिक सरोकारों की परंपरा आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरणा देती रहेगी। 6 सितंबर को पुण्यतिथि के अवसर पर स्व. यशवंतराव खोंगल जी के चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके महान व्यक्तित्व एवं समाज तथा क्षेत्र के प्रति समर्पित सेवाओं को नमन किया गया। उपस्थितजनों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा सभी को उनके आदर्शों एवं जनसेवा की भावना पर चलने की प्रेरणा दें।

सन शाइन किड्स प्ले स्कूल में धूमधाम से मना जन्माष्टमी पर्व

पद्मेश न्यूज। लांजी। सन शाइन किड्स प्ले स्कूल लांजी में शनिवार, 5 सितंबर 2026 को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने राधा-कृष्ण एवं गोपियों की आकर्षक वेशभूषा धारण कर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिससे पूरा विद्यालय परिसर कृष्णमय हो उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती योगेश्वरी रैंच एवं संचालक अविनाश रैंच ने भगवान श्रीकृष्ण के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया। इसके पश्चात शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना कर सभी के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं बाल लीलाओं पर आधारित प्रस्तुतियां देकर उपस्थितजनों का मन मोह लिया। राधा,

कृष्ण और गोपियों के रूप में सजे नन्हे बच्चों की मासूम अदाओं, उत्साह और आकर्षक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण मटकी फोड़ प्रतियोगिता रही। नन्हे विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ प्रतियोगिता में सहभागिता की। मटकी फोड़ कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर 'जय श्रीकृष्ण' के जयघोष से गूंज उठा और वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी गईं। इसके बाद विद्यार्थियों को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राहुल के कार्यक्रम में केवल युवाओं पर दांव

छात्रों की गूंज : कांग्रेस ने बुजुर्ग नेताओं को किया साइडलाइन, 32 जोन में बांटकर कॉलेज, स्कूल, हॉस्टल और कोचिंग तक पहुंचने की तैयारी

भोपाल । राहुल गांधी के 19 सितंबर को इंदौर में होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में कांग्रेस ने भीड़ जुटाने के बजाय युवा चेहरों पर फोकस करने की रणनीति बनाई है। पार्टी ने साफ कर दिया है कि आयोजन में 30 वर्ष तक की उम्र के युवाओं का ही पंजीयन किया जाएगा। यानी इस बार कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और उम्रदराज कार्यकर्ताओं की भूमिका मंच के सामने नहीं, बल्कि युवाओं को कार्यक्रम तक पहुंचाने तक सीमित रहेगी। कार्यक्रम की तैयारियों के लिए कांग्रेस ने इंदौर को 32 जोन में बांटा है। इनमें 19 जोन शहरी और 13 ग्रामीण क्षेत्र में रखे गए हैं। युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के पदाधिकारियों को प्रत्येक जोन की जिम्मेदारी दी गई है। इन्हें कॉलेज, हायर सेकंडरी स्कूल, हॉस्टल और कोचिंग संस्थानों तक जाकर युवाओं का पंजीयन कराने का टास्क दिया गया है।

कांग्रेस ने इस आयोजन को लेकर संगठन के निचले स्तर तक लक्ष्य तय कर दिए हैं। प्रत्येक पदाधिकारी को दो-दो हजार पंजीयन कराने का टारगेट दिया गया है। पार्टी का जोर इस बात पर है कि आयोजन में आने वाली भीड़ पारंपरिक राजनीतिक कार्यकर्ताओं की न होकर युवा और छात्र हों। इसके लिए वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को युवाओं के बीच सीधे जाने के बजाय संगठनात्मक मदद की जिम्मेदारी दी गई है। वार्ड और ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों को भी घर-घर संपर्क कर युवाओं का रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिए गए हैं।

कांग्रेस का नया प्रयोग

राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को कांग्रेस युवाओं के बीच शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों पर संवाद के रूप में पेश कर रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि इससे पहले कोटा, प्रयागराज, देहरादून और पुणे में हुए आयोजनों में भी युवाओं को ही प्रवेश दिया गया था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के घर हुई बैठक में एनएसयूआई, युवा कांग्रेस और शहर व जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों ने तैयारियों पर चर्चा की। पार्टी के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती तय उम्र सीमा के भीतर बड़ी संख्या में युवाओं को पंजीकृत कर कार्यक्रम में लाना है।

बुजुर्गों की गूंज नहीं

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने भी उम्र सीमा को लेकर पार्टी की रणनीति स्पष्ट कर दी है। उनका कहना है कि कार्यक्रम युवाओं और छात्रों के लिए है तथा राहुल गांधी शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों पर उनसे संवाद करेंगे। उन्होंने इसे गैर-राजनीतिक आयोजन बताया है। इस तरह इंदौर का यह आयोजन कांग्रेस के लिए सिर्फ राहुल गांधी की सभा नहीं, बल्कि युवा वोटरों और छात्रों के बीच अपनी राजनीतिक पहुंच मजबूत करने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा रहा है। उम्र की 30 साल की सीमा ने इस आयोजन को सामान्य राजनीतिक कार्यक्रमों से अलग जरूर कर दिया है, लेकिन अब असली परीक्षा कांग्रेस के संगठन की है-क्या 32 जोन और हजारों पंजीयन के जरिए पार्टी राहुल गांधी के सामने वास्तविक युवा भागीदारी का बड़ा चेहरा खड़ा कर पाएगी?

फर्जी शादी घोटाले में पूर्व सीईओ शोभित त्रिपाठी को ईडी ने किया गिरफ्तार

भोपाल। मध्यप्रदेश की विवाह सहायता योजना में हुए करीब 30.18 करोड़ रुपए के फर्जीवाड़े में सिरोंज जनपद पंचायत के तत्कालीन एवं निलंबित सीईओ शोभित त्रिपाठी को दूसरी बार गिरफ्तार किया गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के दौरान उन्हें गिरफ्तार कर 3 सितंबर को विशेष पीएमएलए कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने 9 सितंबर तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है। त्रिपाठी को पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव का रिश्तेदार बताया जाता है।

जांच के अनुसार 2019 से 2021 के बीच 5,923 संदिग्ध विवाह प्रकरणों में करीब 30.18 करोड़ रुपए की सहायता वितरित की गई। फर्जीवाड़े का तरीका भी चौंकाने वाला था। अपात्र लोगों के दस्तावेजों से आवेदन तैयार किए गए, पहले से शादीशुदा महिलाओं के नाम पर फाइलें बनाई गईं और कई मामलों में ऐसे लोगों के नाम पर राशि जारी कर दी गई, जिन्होंने आवेदन ही नहीं किया था। जांच एजेंसियों के मुताबिक कुछ मामलों में हितग्राहियों के बैंक खाते खुलवाकर एटीएम और पासबुक दलाल अपने पास रखते थे। राशि आने के बाद लाभार्थी को तय रकम देकर बाकी पैसा निकाल लिया जाता था। आरोप है, सरकारी पोर्टल की लॉगिन आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल कर फर्जी दस्तावेज और आवेदन अपलोड किए जाते थे। इस मामले में त्रिपाठी को पहले ईओडब्ल्यू भी गिरफ्तार कर चुकी है। अब ईडी की कार्रवाई से घोटाले के धन के लेन-देन और कथित नेटवर्क की जांच आगे बढ़ रही है।

दीपावली पर 45 हजार बिजली आउटसोर्स कर्मी करेंगे काम बंद

भोपाल। मध्यप्रदेश के सभी 55 जिलों में कार्यरत करीब 45 हजार बिजली आउटसोर्स ठेका कर्मचारी दीपावली पर्व पर काम बंद आंदोलन करेंगे। मध्यप्रदेश बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव ने बताया कि कर्मचारी 7 और 8 नवंबर 2026 को आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि धनतेरस की रात से दीपावली की मध्यरात्रि तक सामूहिक अवकाश लिया जाएगा।

भार्गव के अनुसार कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में आउटसोर्स व्यवस्था समाप्त कर पंजाब की तर्ज पर आउटसोर्स रिफार्म संविदा नीति लागू करना और विधानसभा चुनाव 2023 के भाजपा वचन-पत्र के अनुरूप आउटसोर्स कर्मियों को केंद्र के आउटसोर्स कर्मचारियों के समान न्यूनतम वेतन देना शामिल है।

उन्होंने आरोप लगाया कि वचन-पत्र के बिंदु क्रमांक 81 में किए गए वादे के बावजूद आउटसोर्स कर्मियों को अब तक संविदा कर्मचारी नहीं बनाया गया है। साथ ही घोषित 50 हजार रिक्त पदों को विभागीय परीक्षा के माध्यम से भरने और आउटसोर्स कर्मियों को 50 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में भी पहल नहीं हुई है।

भार्गव ने कहा कि तीनों विद्युत वितरण कंपनियों के नए ऑर्गनाइजेशन स्ट्रक्चर में करीब 23 हजार पद समाप्त किए गए हैं, जिससे भविष्य में छंटनी और बेरोजगारी का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने बोनस दर को 8.33 से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने संबंधी गजट अधिसूचना के बावजूद 69 माह से पुरानी दर पर बोनस दिए जाने का भी आरोप लगाया। संगठन के अनुसार इससे प्रत्येक कर्मी को 80 से 90 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। भार्गव ने आंदोलन की जिम्मेदारी सरकार पर होने की बात कही।

एमपी में अब सड़क सफर होगा महंगा!

12 और सड़कों पर लगेगा टोल, सरकार का सालाना 3 हजार करोड़ कमाई का प्लान

भोपाल । मध्यप्रदेश में आने वाले समय में सड़क से सफर करना महंगा हो सकता है। राज्य सरकार सड़कों से होने वाली आय बढ़ाने के लिए टोल व्यवस्था का विस्तार करने की तैयारी में है। कम से कम 12 और सड़कों को टोल के दायरे में लाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसके अलावा कुछ अन्य सड़कों को भी भविष्य में इस व्यवस्था से जोड़ने की योजना है। फिलहाल प्रदेश में मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) की अलग-अलग योजनाओं के तहत 93 सड़कों पर 139 टोल प्लाजा संचालित हो रहे हैं। विभाग का मानना है कि नई सड़कों को टोल व्यवस्था से जोड़कर सरकार की आय में बड़ा इजाफा किया जा सकता है।

अभी 400 करोड़, लक्ष्य 3 हजार करोड़ तक

पीडब्ल्यूडी से जुड़े अधिकारियों के अनुसार प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के टोल से सालाना करीब 4 हजार करोड़ रुपये की आय होती है। इसके मुकाबले पीडब्ल्यूडी और एमपीआरडीसी की टोल से कमाई करीब 400 करोड़ रुपये सालाना है। इसी अंतर को देखते हुए विभाग अगले 10 से 15 साल में टोल से होने वाली आय को बढ़ाकर 2 हजार से 3 हजार करोड़ रुपये सालाना तक पहुंचाना चाहता है। इसके लिए नई सड़कों का निर्माण टोल आधारित मॉडल पर करने पर जोर दिया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के अनुसार टोल आधारित नई सड़कों से विभाग की आय बढ़ेगी। इससे सड़क क्षेत्र में निवेश के साथ राज्य के राजस्व में भी विभाग का योगदान बढ़ाया जा सकेगा।

निजी कंपनियों के बजाय सरकार के पास आएगा टोल

सड़क निर्माण के लिए पीडब्ल्यूडी अब हाइब्रिड एन्युटी मॉडल यानी एचएएम को ज्यादा बढ़ावा देने की तैयारी में है। इसका उद्देश्य यह भी है कि सड़क बनने के बाद टोल से मिलने वाली राशि सरकार के पास आए। बीओटी मॉडल में सड़क बनाने वाली निजी कंपनी निवेश करती है और तय अवधि तक टोल से अपनी लागत और मुनाफा वसूलती है। वहीं एचएएम में सड़क निर्माण की लागत का 40 प्रतिशत हिस्सा सरकार देती है, जबकि बाकी 60 प्रतिशत राशि निजी कंपनी लगाती है।

मप्र में दुष्कर्म-पॉक्सो केसों का बोझ

- 67 फास्ट ट्रैक कोर्ट, फिर भी 10,628 मामले लंबित

भोपाल। मध्यप्रदेश में दुष्कर्म और पॉक्सो मामलों के जल्द निपटारे के लिए फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट की व्यवस्था तो पूरी क्षमता के साथ संचालित हो रही है, लेकिन लंबित मामलों का आंकड़ा सवाल खड़े कर रहा है। प्रदेश में 67 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट स्वीकृत और सभी 67 संचालित हैं। इसके बावजूद 31 मार्च 2026 तक इन अदालतों में 10,628 मामले लंबित थे। सबसे गंभीर स्थिति उन मामलों की है, जिनमें जांच पूरी होने के बाद चार्जशीट दाखिल हो चुकी है, लेकिन इसके बाद भी सुनवाई और फैसला समय पर नहीं हो सका। लंबित मामलों में 9,278 प्रकरण ऐसे हैं, जिनमें चार्जशीट दाखिल हुए दो महीने से ज्यादा समय बीत चुका है। अब सरकार कोर्टवार आंकड़े जुटाकर यह पता लगाने की तैयारी में है कि देरी आखिर किस स्तर पर हो रही है-पुलिस जांच, डीएनए रिपोर्ट, अभियोजन, गवाहों की पेशी या अदालत की सुनवाई प्रक्रिया में।

फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के लिए निर्धारित मानक के अनुसार प्रत्येक कोर्ट को साल में 165 दुष्कर्म और पॉक्सो मामलों का निपटारा करना है। इसका औसत करीब 13.75 केस प्रतिमाह, यानी लगभग 14 केस प्रति माह है। लेकिन जनवरी से दिसंबर 2025 के दौरान मध्यप्रदेश में फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट का औसत निस्तारण केवल 6.11 मामले प्रति कोर्ट प्रति माह रहा। यानी लक्ष्य के मुकाबले वास्तविक निस्तारण करीब आधे से भी कम है। यह अंतर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का मूल उद्देश्य ही ऐसे मामलों को सामान्य अदालतों की तुलना में तेजी से निपटाना है। यदि अदालतों की संख्या पर्याप्त होने के बावजूद निस्तारण की रफ्तार लक्ष्य तक नहीं पहुंच रही, तो अब केवल कोर्ट बढ़ाना समाधान नहीं होगा।

तीन महीने में 10,533 नए केस आए, निपटे सिर्फ 1,323

जनवरी से मार्च 2026 के बीच फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट में 10,533 नए मामले आए। इसी अवधि में सिर्फ 1,323 मामलों का निस्तारण हुआ। और इससे भी चिंताजनक तथ्य यह है कि इनमें केवल 88 मामलों में चार्जशीट दाखिल होने के दो महीने के भीतर फैसला हुआ। यानी निर्धारित समय-सीमा के भीतर फैसला होने का अनुपात बेहद कम रहा। इस आंकड़े से एक और दबाव सामने आता है-नए मामलों की आवक और पुराने मामलों के निस्तारण के बीच बड़ा अंतर है। यदि नए मामले इसी तरह आते रहे और निस्तारण की गति नहीं बढ़ी, तो लंबित मामलों का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

10,628 मामलों में 5,252 एक साल से ज्यादा पुराने

लंबित मामलों की उम्र का आंकड़ा बताता है कि समस्या केवल हाल में आए मामलों तक सीमित नहीं है। 31 मार्च 2026 तक लंबित मामलों में 1,350 मामले दो महीने से कम पुराने, 4,026 मामले 2 से 12 महीने पुराने, 4,936 मामले 1 से 5 साल पुराने और 316 मामले पांच साल से भी ज्यादा पुराने यानी 5,252 मामले एक साल से अधिक समय से लंबित हैं। इनमें 316 मामले पांच साल से भी ज्यादा पुराने हैं। ऐसे मामलों में पीड़ित और उनके परिवारों के लिए लंबे समय तक चलने वाली कानूनी प्रक्रिया खुद एक बड़ी चुनौती बन जाती है।

अब कोर्टवार ऑडिट होगा

सरकार ने अब केवल लंबित मामलों की संख्या पूछने के बजाय उनकी वजह तलाशने की तैयारी की है। जिला अभियोजन कार्यालयों से प्रत्येक फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट और पॉक्सो कोर्ट की अलग-अलग जानकारी मांगी जा रही है। इसमें स्वीकृत और संचालित अदालतों की संख्या, लंबित मामले, नए मामले, निस्तारित मामले और दो महीने के भीतर हुए निस्तारण का डेटा शामिल होगा।

आईएएस नेहा मारव्या ने एक साल में 4 तबादले पर उठाया सवाल, कहा...

काम समझने से पहले ही बदल जाती है पोस्टिंग

भोपाल। मध्यप्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में अधिकारियों के तबादलों को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हुए हैं। महिला आईएएस अधिकारी नेहा मारव्या ने पिछले एक साल में चार तबादलों और कम अवधि की पोस्टिंग को लेकर अधिकारियों के आधिकारिक रूप में अपनी नाराजगी जाहिर की है। उनकी पोस्ट के बाद प्रशासनिक हलकों में यह बहस तेज हो गई है कि बार-बार तबादले से किसी अधिकारी की कार्यक्षमता और प्रशासनिक जवाबदेही पर कितना असर पड़ता है।

नेहा मारव्या के मुताबिक, एक अधिकारी को किसी विभाग की कार्यप्रणाली समझने, टीम के साथ तालमेल बनाने और योजनाओं को जमीन पर उतारने में समय लगता है। ऐसे में यदि कुछ ही महीनों में जिम्मेदारी बदल जाए तो अधिकारी से परिणाम की उम्मीद करना भी मुश्किल हो जाता है।

एक महीने में काम समझाते हैं, कार्यकाल 2-3 महीने का

नेहा मारव्या ने अपनी पोस्ट में लिखा कि किसी विभाग की कार्यप्रणाली समझने में अधिकारी को कम से कम एक महीने का समय लग जाता है, लेकिन उनका कार्यकाल ही कई बार महज दो से तीन महीने का रहा। यही उनकी पोस्ट का सबसे बड़ा सवाल है-जब अधिकारी को काम समझने और व्यवस्था सुधारने का पर्याप्त समय ही नहीं मिलेगा, तो उससे परिणाम कैसे मांगा जाएगा? यह सवाल केवल एक अधिकारी की व्यक्तिगत परेशानी तक सीमित नहीं है। यह प्रशासन में अधिकारियों के न्यूनतम कार्यकाल और लगातार होने वाले तबादलों की नीति पर भी सवाल खड़ा करता है।

अधीनस्थों पर लगाए गंभीर आरोप

आईएएस अधिकारी ने आरोप लगाया कि उनके अधीन काम करने वाले कुछ कर्मचारियों ने उनके खिलाफ विद्रोह जैसा रवैया अपनाया और खुले तौर पर तबादला कराने की धमकी तक दी। उनका दावा है कि शिकायत किए जाने के बावजूद संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। इसके बजाय उनकी जिम्मेदारियां सीमित की गईं और बाद में उनका तबादला कर दिया गया। यदि अधिकारी के दावे सही हैं तो मामला केवल ट्रांसफर का नहीं रह जाता। इससे यह सवाल उठता है कि क्या किसी विभाग में अधीनस्थ कर्मचारी प्रशासनिक निर्णयों को प्रभावित करने की स्थिति में आ गए हैं? हालांकि, इन आरोपों पर संबंधित कर्मचारियों या सरकार का पक्ष सामने आना बाकी है।

आईएएस एसोसिएशन की भूमिका भी सवालों में

नेहा मारव्या ने अपनी पोस्ट में आईएएस एसोसिएशन की भूमिका पर भी निराशा जताई। उनका कहना है कि मुश्किल परिस्थितियों में उन्हें संगठन से जिस समर्थन की उम्मीद थी, वह नहीं मिला। उन्होंने यह चिंता भी जताई कि यदि आज एक अधिकारी ऐसी स्थिति से गुजर रहा है तो भविष्य में कोई दूसरा अधिकारी भी इसी तरह की परिस्थिति का सामना कर सकता है। यह टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आईएएस एसोसिएशन का उद्देश्य अधिकारियों के हितों से जुड़े मुद्दों को उठाने और जरूरत पड़ने पर संस्थागत संवाद का माध्यम बनना है।

कैग ऑफिसर के मकान के किचन में ड्रग्स मिलने का मामला

भोपाल। कटारा हिल्स थाना इलाके में स्थित प्राइड सिटी निवासी कैग के एक ऑडिट ऑफिसर अमित कुमार बिसेन के घर में नशीले पदार्थ मिलने के मामले में पुलिस ने उनकी पत्नि को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं मामले को लेकर परिवार वालो ने साजिश के आरोप लगाते हुए जॉच की मांग की है। इधर सूत्रों की मानी जाये तो पुलिस महिला के फोन की पड़ताल कर इस बात की जानकारी जुटा रही है, की उसके पास गांजा और ड्रग्स आया कहाँ से। जानकारी के अनुसार मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने दबिश देते हुए अमित की पत्नी सोनम रहंगडाले के कब्जे से किचन में रखा हुआ 1.205 किलो गांजा एवं 3.7 ग्राम क्रिस्टल एमडी जब्त किया था। हालांकि पूछताछ के दौरान महिला ने पुलिस से कहा की उसे किचन में रखे इस नशीले पदार्थ के संबध में कोई जानकारी नहीं थी। शुरुआती जाँच के आधार पर पुलिस ने महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। वहीं महिला की गिरफ्तारी के बाद आगे की जांच में सामने आया की गिरफ्तार महिला का कोई पुराना आपराधिक रिकार्ड नहीं है, और न ही मेडिकल में उसके नशा करने की पुष्टि हुई है। पीड़ित परिवार ने पुलिस कार्रवाई पर आपत्ति जताते हुए आशंका जताई है कि यह एक साजिश हो सकती है, जिसमें घर में आने-जाने वाले कामकाजी लोगों या किसी बाहरी व्यक्ति की इसमें भूमिका हो सकती है।

अक्षय कुमार के विज्ञापन के विरोध में थाने पहुंची करणी सेना

भोपाल। करणी सेना परिवार ने अभिनेता अक्षय कुमार के विज्ञापन पर विरोध जताते हुए इंदुपुरी थाने में शिकायती आवेदन दिया है। आरोप है कि दिल्ली के आईजीआई स्टेडियम में कार्यक्रम के दौरान राजपूत समाज के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिए गए, जिससे क्षत्रिय राजा-महाराजाओं की छवि प्रभावित हुई। संगठन ने विज्ञापन पर रोक लगाने के साथ ही उचित कार्रवाई की मांग की है। वहीं अभिनेत्री स्वरा भास्कर की टिप्पणियों के खिलाफ एमपी नगर थाने में एफआईआर का आवेदन दिया। संगठन के जिला अध्यक्ष अजीत सिंह का कहना है की मां पद्मावती के इतिहास और जौहर परंपरा का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जायेगा और ऐसा करने वालो के खिलाफ यदि कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन द्वारा तीव्र आंदोलन किया जायेगा।

खदान से प्लांट तक कोयले की सप्लाई चेन लड़खड़ाई, खंडवा में सिर्फ 3-4 दिन का स्टॉक

मप्र में गहरा सकता है बिजली संकट

भोपाल। मप्र के पावर प्लांटों में कोयले की किल्लत का मामला सामने आया है। दरअसल, मानसून में खदानों में पानी भरने से उत्पादन प्रभावित हुआ है। दूसरी तरफ गीला कोयला रेलवे रैक से उतारने में सामान्य से कई गुना ज्यादा समय ले रहा है। नतीजा यह है कि प्लांटों में कोयले का स्टॉक लगातार दबाव में आ रहा है। सबसे ज्यादा चिंता खंडवा ताप विद्युत गृह को लेकर है। यहां करीब 90 हजार टन कोयला उपलब्ध है, जबकि रोजाना करीब 25 हजार टन खपत हो रही है। यानी मौजूदा स्टॉक महज 3 से 4 दिन के आसपास का है। आशंका जताई जा रही है कि अगर यही स्थिति रही तो मप्र में बिजली संकट गहरा सकता है।

सामान्य स्थिति में एक रैक को खाली करने में करीब 4 से 5 घंटे लगते हैं। बारिश और गीले कोयले के कारण यही प्रक्रिया अब 10 से 20 घंटे तक पहुंच रही है। यानी एक रैक के ज्यादा समय तक अटके रहने का असर अगली सप्लाई पर भी पड़ रहा है। खदानों में पानी भरने से कोयला निकालना मुश्किल हो रहा है। साथ ही कोयले के साथ मिट्टी की मात्रा बढ़ने से उसकी कैलोरिफिक वैल्यू प्रभावित हो रही है। ऐसे में समान मात्रा की बिजली पैदा करने के लिए ज्यादा कोयले की जरूरत पड़ सकती है।

चार प्लांट, चार अलग तस्वीरें

प्रदेश के ताप विद्युत गृहों में स्टॉक की स्थिति एक जैसी नहीं है। खंडवा सबसे दबाव वाली स्थिति में है, जबकि अमरकंटक के पास करीब 30 दिन का स्टॉक बताया गया है। खंडवा में करीब 90 हजार टन कोयला है। यहां रोजाना 25 हजार टन की खपत है। ऐसे में यहां 3 से 4 दिन का स्टॉक बचा है। बिरसिंहपुर में करीब 71 हजार टन कोयले का स्टॉक है। यहां रोजाना 18 हजार टन की खपत है। अब करीब 5 दिनका स्टॉक बचा है। सारणी में करीब 1.07 लाख टन कोयला है। रोजाना करीब 3500 टन की खपत होने के कारण करीब 15 दिन का स्टॉक बचा है। अमरकंटक में करीब 1.02 लाख टन कोयला है। यहां रोजाना 2700 टन की खपत है। इस तरह यहां करीब 30 का स्टॉक बचा है। फ्यूल मैनेजमेंट विभाग स्थिति पर नजर रख रहा है और केंद्रीय स्तर की समिति भी रोज समीक्षा कर रही है। लेकिन मौजूदा स्थिति एक बड़ा सवाल छोड़ती है-अगर बारिश लंबी चली तो सिर्फ निगरानी से काम चलेगा या कोयले की वैकल्पिक सप्लाई और तेज रैक टर्नअराउंड की व्यवस्था भी करनी होगी?

रिटायरमेंट के बाद भी नहीं छूटेगा 8वें वेतन आयोग का असर

- पुराने वेतन पर पेंशन फिक्स होने से हजारों कर्मचारी चिंतित

भोपाल। 8वें केंद्रीय वेतन आयोग की संभावित सिफारिशों का इंतजार कर रहे कर्मचारियों के साथ अब वे लोग भी चिंता में हैं, जो वेतन आयोग लागू होने से ठीक पहले सेवानिवृत्त हो चुके हैं। सबसे बड़ा सवाल उन केंद्रीय कर्मचारियों को लेकर है, जिनकी सेवा 31 दिसंबर 2025 को समाप्त हुई। आशंका है कि यदि वेतन आयोग की लाभ सीमा 1 जनवरी 2026 से ही मानी गई तो इन कर्मचारियों की पेंशन पुराने वेतनमान के आधार पर तय हो जाएगी और बाद में नए वेतनमान का लाभ लेने के लिए उन्हें अलग व्यवस्था का इंतजार करना पड़ सकता है।

कर्मचारी संगठनों की चिंता केवल तत्काल पेंशन में होने वाले अंतर को लेकर नहीं है। उनका कहना है कि रिटायरमेंट के समय जिस वेतन के आधार पर पेंशन निर्धारित होती है, उसका असर पूरी पेंशन अवधि तक बना रहता है। ऐसे में 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त कर्मचारी और 1 जनवरी को सेवानिवृत्त कर्मचारी के बीच शुरुआती अंतर आगे चलकर बड़ा वित्तीय अंतर बन सकता है। यही वजह है कि संगठन चाहते हैं कि 31 दिसंबर 2025 तक सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी 8वें वेतन आयोग के दायरे में शामिल किया जाए।

डेढ़ से दो लाख कर्मचारी हर साल रिटायर

देश में करीब 50 लाख केंद्रीय कर्मचारी और लगभग 68 लाख पेंशनभोगी हैं। हर साल करीब 1.5 से 2 लाख केंद्रीय कर्मचारी सेवानिवृत्त होते हैं। ऐसे में कटऑफ डेट को लेकर लिया गया फैसला हर साल रिटायर होने वाले कर्मचारियों के लिए मिसाल बन सकता है। यदि 31 दिसंबर 2025 को रिटायर कर्मचारियों को संशोधित वेतनमान के लाभ से बाहर रखा जाता है तो कर्मचारी संगठन इसे सेवा के अंतिम दिन के आधार पर पैदा हुई विसंगति मान रहे हैं।

नए वेतनमान से पेंशन में भी आएगा अंतर

8वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर और वेतन संरचना में बदलाव की सिफारिश होने की स्थिति में कर्मचारियों के मूल वेतन में वृद्धि हो सकती है। इसका सीधा प्रभाव पेंशन निर्धारण पर भी पड़ सकता है। ऐसे में 31 दिसंबर को रिटायर कर्मचारी पुराने बेसिक पे पर पेंशन पाते हैं और 1 जनवरी को रिटायर होने वाला कर्मचारी संशोधित वेतनमान के आधार पर पेंशन पाता है तो दोनों के बीच अंतर केवल एक दिन का नहीं रहेगा। यह अंतर हर महीने मिलने वाली पेंशन में दिखाई दे सकता है।

आयोग के सामने मामला रखने की मांग

केंद्रीय कर्मचारी परिसंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यशवंत पुरोहित का कहना है कि 31 दिसंबर 2025 को सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को भी 8वें वेतन आयोग के लाभ में शामिल किया जाना चाहिए। कर्मचारी संगठनों का तर्क है कि आयोग के विचार क्षेत्र में इस वर्ग को स्पष्ट रूप से शामिल करने का प्रावधान होना चाहिए, ताकि रिटायरमेंट की तारीख के कारण कर्मचारियों के साथ भेदभाव की स्थिति न बने।

रिपोर्ट जून 2027 तक आने की उम्मीद

8वें केंद्रीय वेतन आयोग को अपनी रिपोर्ट तैयार करने के लिए 18 महीने का समय दिया गया है। यह अवधि 30 जून 2027 को पूरी होगी। आयोग विभिन्न राज्यों में जाकर कर्मचारियों और दूसरे हितधारकों से सेवा शर्तों तथा वेतन-पेंशन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कर रहा है। मध्य प्रदेश में करीब एक लाख केंद्रीय कर्मचारी हैं।

मैक्सिको के राउल फ्लोरेस ने 511 किलो उठाकर बनाया नया विश्व रिकार्ड

विश्व के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति बने

बर्मिंघम । 25 वर्षीय मेक्सिकन एथलीट राउल फ्लोरेस ने ब्रिटेन में बर्मिंघम के यूटिलिटा एरिना में आयोजित विश्व डेडलिफ्ट चैंपियनशिप प्रतियोगिता के डेडलिफ्ट में 511 किलो वजन उठाकर नया विश्व रिकार्ड बनाया है। फ्लोरेस ने डेडलिफ्ट में सभी को हैरान करते हुए 511 किलोग्राम वजन उठाया। इस असाधारण प्रदर्शन के साथ ही फ्लोरेस ने विश्व के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति के तौर पर हाफथोर ब्योर्नसन के पिछले 510 किलोग्राम के विश्व रिकार्ड को तोड़ दिया है। हाफथोर ब्योर्नसन ने अपना 510 किलोग्राम का रिकार्ड 2025 की वर्ल्ड डेडलिफ्ट चैंपियनशिप में बनाया था, जिसे केवल एक साल के भीतर ही एक युवा एथलीट ने ध्वस्त कर दिया था।

गौरतब है कि फ्लोरेस पिछले कुछ समय से डेडलिफ्ट प्रतियोगिता की रैंकिंग में तेजी से ऊपर आ रहे थे, और उनके प्रदर्शन में लगातार सुधार दिख रहा था। विश्व डेडलिफ्ट चैंपियनशिप के लिए ट्रेनिंग के दौरान भी फ्लोरेस ने 504 किलोग्राम वजन उठाया था, तभी ये अंदाजा होने लगा था कि वह इस मुख्य प्रतियोगिता में कुछ खास कर सकते हैं। उन्होंने उम्मीदों से कहीं बढ़कर प्रदर्शन किया। मुख्य इवेंट में जब फ्लोरेस ने भारी-भरकम बारबेल को उठाकर सफलतापूर्वक सीधा खड़ा किया, तो पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट और दर्शकों के उत्साह से गूंज उठा, जिसने इस ऐतिहासिक पल को हमेशा के लिए यादगार बना दिया।

गौरतलब है कि फ्लोरेस केवल तीसरे ऐसे एथलीट बन गए हैं, जिन्होंने आधे टन से अधिक यानी 500 किलोग्राम से ज्यादा का वजन उठाया है। इस विशिष्ट क्लब में उनसे पहले एडी हॉल शामिल थे, जिन्होंने 2016 में पहली बार 500 किलोग्राम वजन उठाया था। इसके बाद, एडी हॉल के इस रिकार्ड को हाफथोर ब्योर्नसन ने 501 किलोग्राम वजन उठाकर तोड़ा था।

हाफथोर ने अपने ही रिकॉर्ड को और बेहतर करने संन्यास से वापसी करते हुए 510 किलोग्राम वजन उठाया तरह हाफथोर ने अपने ही विश्व रिकॉर्ड को तोड़कर एक नया कीर्तिमान रचा था पर जिसे अजेय माना जा रहा था पर एक साल बाद ही राउल फ्लोरेस ने इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

क्रोएशियाई मिडफील्डर मोड्रिक अभी संन्यास नहीं लेंगे, नेशंस लीग में खेलेंगे

मिलान । क्रोएशियाई फुटबॉलर लुका मोड्रिक ने कहा है कि वह अभी खेल से संन्यास नहीं लेंगे। इससे मिडफील्डर मोड्रिक के संन्यास को लेकर जारी सारी अटकलें भी समाप्त हो गयी। क्रोएशियाई फुटबॉल फेडरेशन (एचएनएस) ने भी कहा है कि मोड्रिक चेक रिपब्लिक, स्पेन और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले आगामी नेशंस लीग मुकाबलों में खेलेंगे। हाल में हुए फीफा विश्वकप में क्रोएशिया की टीम को पुर्तगाल के हाथों हार से बाहर होना पड़ा था उसके बाद से ही मोड्रिक के संन्यास की अटकलें जारी हैं।

टूर्नामेंट के बाद से ही मोड्रिक के अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर संदेह पैदा हो गया था, वह सितंबर में 41 साल का होने वाला है। इस कारण भी कहा जा रह था कि वह संन्यास ले सकते है पर नये हेड कोच स्लेवेन बिलिच और एचएनएस अध्यक्ष मारिजन कुस्टिक के साथ गहन बातचीत के बाद, मोड्रिक ने संन्यास का फैसला वापस लेते हुए कहा कि वह आने वाले मैचों में खेलेंगे। इससे उनके प्रशंसकों को राहत मिली है। इस खिलाड़ी ने क्रोएशिया की ओर से रिकॉर्ड 202 मैच खेले हैं। वह लगभग दो

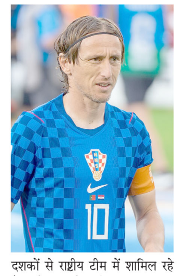

दशकों से राष्ट्रीय टीम में शामिल रहे हैं। मोड्रिक ने फीफा विश्व कप 2018 में क्रोएशिया को उपविजेता बनाया था।

कोच स्लेवेन बिलिच ने मोड्रिक के फैसले पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर एक आधिकारिक बयान में कहा, स्वाभाविक रूप से इस फैसले से मुझे बेहद खुशी हुई है। हम सभी जानते हैं कि वह मैदान के अंदर और बाहर क्रोएशिया को क्या दे सकते हैं। मैं 14 साल बाद उनके साथ फिर से काम करने के लिए उत्साहित हूं। हम दोनों का एक ही लक्ष्य है। क्रोएशिया को शीर्ष टीमों में बनाए रखना, जीत हासिल करना और दुनिया की बेहतरीन टीमों के बराबर लाना। बिलिच के शब्दों से मोड्रिक के महत्व का पता चलता है।

इसके अलावा अपने क्लब करियर में भी मोड्रिक सक्रिय बने हुए हैं। उन्होंने हाल ही में रियल मैड्रिड के साथ अपना अनुबंध जून 2027 तक बढ़ाया है, जिससे उनकी फिटनेस और खेल के प्रति समर्पण का अंदाजा होता है।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा 10 विकेट लेने वाले शीर्ष तेज गेंदबाज

नई दिल्ली । क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप, टेस्ट मैच में सफलता गति के साथ-साथ अनुशासन, नियंत्रण और स्विंग से मिलती है। इतिहास के पन्नों में कुछ ऐसे महान तेज गेंदबाज हुए हैं, जिन्होंने अकेले दम पर विरोधी टीम की कमर तोड़ दी और एक ही टेस्ट मैच में 10 या उससे अधिक विकेट चटकाकर अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया। इस सूची में सबसे ऊपर न्यूजीलैंड के महान ऑलराउंडर सर रिचर्ड हैडली का नाम चमकता है। 1973 से 1990 के बीच अपने 86 टेस्ट मैचों में हैडली ने 431 शिकार किए, लेकिन उनकी असली महानता 9 बार एक ही मैच में 10 या उससे ज्यादा विकेट हासिल करने से झलकती है। हैडली का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 15/123 रहा और उन्होंने 36 बार एक पारी में 5 विकेट भी लिए। आंकड़ों के लिहाज से इंग्लैंड के सिडनी बर्न्स का नाम अनूठा है। 1901 से 1914 के छोटे से दौर में बर्न्स ने सिर्फ 27 टेस्ट मैच खेले, लेकिन इनमें 7 बार एक मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा किया। उनका गेंदबाजी औसत महज 16.43 का रहा और उन्होंने कुल 189 विकेट लिए, जिनमें 24 बार एक पारी में 5 विकेट और सर्वश्रेष्ठ 17/159 शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया के डेनिस लिली उस दौर के गेंदबाज थे, जिनकी दहाड़ से बल्लेबाज सहम जाते थे। 1971 से 1984 के बीच 70 टेस्ट मैच खेलने वाले लिली ने अपने करियर में कुल 355 विकेट झटके। उन्होंने भी सिडनी बर्न्स की तरह ही 7 बार एक मैच में 10 विकेट लेने का कीर्तिमान बनाया। 23 बार एक पारी में 5 विकेट लेने वाले लिली का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 11/123 रहा। पाकिस्तान क्रिकेट के सबसे बड़े नायकों में से एक इमरान खान ने 1971 से 1992 के बीच अपनी रिवर्स स्विंग से दुनिया पर हुकूमत की। 88 टेस्ट मैचों में 362 विकेट लेने वाले इमरान ने न केवल टीम की कमान संभाली, बल्कि 6 बार एक मैच में 10 या उससे ज्यादा विकेट हासिल किए।

वनडे वर्ल्ड कप के 'हिटमैन' रोहित शर्मा, रिकॉर्ड्स की दुनिया में सचिन-वॉर्नर को भी छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा का नाम वनडे विश्व कप के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ियों में शुमार है। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी, शानदार टाइमिंग और बड़े मुकाबलों में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के कारण 'हिटमैन' के नाम से मशहूर रोहित ने विश्व कप के मंच पर कई ऐसे रिकॉर्ड बनाए हैं, जो उन्हें क्रिकेट के महान खिलाड़ियों की सूची में विशेष स्थान दिलाते हैं। रोहित शर्मा अब तक 2015, 2019 और 2023 के तीन वनडे विश्व कप खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 28 मुकाबलों में 60.57 की शानदार औसत से कुल 1575 रन बनाए हैं। विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में रोहित चौथे स्थान पर हैं। उनसे आगे केवल भारतीय महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग जैसे दिग्गज मौजूद हैं।

विश्व कप में रोहित की सबसे बड़ी ताकत बड़े स्कोर और शतक लगाने की उनकी क्षमता रही है। वनडे विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने का

रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम दर्ज है। उन्होंने केवल 28 मैचों में 7 शतक लगाए हैं। इसके अलावा उनके नाम 6 अर्धशतक भी दर्ज हैं। रोहित का विश्व कप में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर 140 रन है। उन्होंने यह यादगार पारी 2019 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेली थी। शतकों के मामले में रोहित ने सचिन तेंदुलकर और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम विश्व कप में 6-6 शतक दर्ज हैं। छक्के लगाने के मामले में भी रोहित शर्मा का दबदबा कायम है। वनडे विश्व कप के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। रोहित ने विश्व कप मुकाबलों में अब तक 54 छक्के लगाए हैं। वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 50 से अधिक छक्के लगाने वाले दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं। इस मामले में उन्होंने वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल को भी पीछे छोड़ा है, जिनके नाम विश्व कप में 49 छक्के दर्ज हैं। रोहित शर्मा के ये आंकड़े साबित करते हैं कि वनडे विश्व कप के मंच पर उनका बल्ला हमेशा विपक्षी गेंदबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती रहा है।

नरेन की घातक गेंदबाजी से ट्रिनबागो नाइट राइडर्स ने बारबाडोस को हराया

ब्रिजटाउन। अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन की घातक गेंदबाजी से त्रिनबागो नाइट राइडर्स (टीकेआर) ने यहां जारी कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के एक रोमांचक मुकाबले में बारबाडोस ट्राइडेंट्स को 35 रनों से हरा दिया। दी। किंग्सटन ओवल में खेले गये इस मैच में नरेन ने 3.3 ओवर में केवल 12 रन देकर 4 विकेट लिए।

इस मैच में बारबाडोस ने टॉस जीतकर त्रिनबागो को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 147 रन बनाये। उसके कप्तान निकोलस पूरन ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए केवल 37 गेंदों पर 7 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 59 बनाये। उनके अलावा, सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने भी 32 गेंदों पर 38 रन बनाकर टीम को एक मजबूत शुरुआत दी। कीरोन पोलार्ड ने 15 और जोशुआ डा सिल्वा ने 10 रन बनाये। वहीं बारबाडोस की ओर से गुडाकेस मोती ने 3 विकेट लिए जबकि मुजीब उर रहमान को 2 और

जकीम पोलार्ड को एक-एक विकेट मिला।

148 रन के सामान्य लक्ष्य का पीछा करने उतरी बारबाडोस की बल्लेबाजी विफल रही। । त्रिनबागो के गेंदबाजों के सामने उनके बल्लेबाज नहीं टिक पाये और पूरी टीम 18.3 ओवर में ही केवल 112 रन बनाकर पेवेलियन लौट गयी। जिससे उसे 35 रनों से हार का सामना करना पड़ा पड़ा। जैकरी कार्टर और शरफेन रदरफोर्ड ने सबसे अधिक 21-21 रन बनाए, लेकिन अपनी पारी को बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर सके। डेनियल सैम्स ने 17, जबकि ब्रैंडन किंग्स और कैड्रैक डेसकार्टेस ने 16-16 रन बनाये। क्विंटन डि कॉक भी इस मैच में रन नहीं बना पाये।

त्रिनबागो की जीत में नरेन की अहम भूमिका रही। । नरेन ने अपने 3.3 ओवर में सिर्फ 12 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। वहीं जेड गुली ने भी 4 ओवर में मात्र 20 रन देकर 3 विकेट लिए। लाहिरु कुमारा ने 2 और अकील हुसैन ने 1 विकेट लिया। इस जीत के साथ ही त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने सत्र के अपने नौवें मैच में तीसरी जीत दर्ज की और 6 अंकों के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर आ गई है। वहीं, बारबाडोस ट्राइडेंट्स को सीजन के अपने छठे मैच में यह चौथी हार मिली है और वे 4 अंकों के साथ आखिरी (सातवें) पायदान पर हैं।

वनडे में उम्रदराज शतकवीरों का जलवा, 43 साल की उम्र में खुर्रम खान ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। क्रिकेट के मैदान पर उम्र कई बार सिर्फ एक आंकड़ा साबित हुई है। खासकर वनडे क्रिकेट में जहां युवाओं की फुर्ती, तेज रनिंग और आक्रामक बल्लेबाजी को अहम माना जाता है, वहीं कई अनुभवी खिलाड़ियों ने उम्र के ढलते पड़ाव पर भी अपनी शानदार बल्लेबाजी से इतिहास रचा है। इन खिलाड़ियों ने साबित किया कि अनुभव, तकनीक और आत्मविश्वास के दम पर बढ़ती उम्र के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ा प्रदर्शन किया जा सकता है। वनडे क्रिकेट में सबसे अधिक उम्र में शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची इसका बेहतरीन उदाहरण है। इस सूची में सबसे ऊपर संयुक्त अरब अमीरात के पूर्व कप्तान खुर्रम खान का नाम आता है। 30 नवंबर 2014 को दुबई के आईसीसी एकेडमी मैदान पर अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में खुर्रम खान ने 43 साल और 162 दिन की उम्र में नाबाद 132 रन की शानदार पारी खेली थी। वनडे इतिहास के 3558वें मुकाबले में खेली गई इस पारी के साथ उन्होंने सबसे अधिक उम्र में वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उनकी बल्लेबाजी ने यह संदेश दिया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अनुभव और आत्मविश्वास उम्र की सीमाओं को पीछे छोड़ सकते हैं।

श्रीलंका के महान बल्लेबाज सनथ जयसूर्या भी इस सूची में शामिल हैं। 28 जनवरी 2009 को दांबुला में भारत के खिलाफ उन्होंने 39 साल और 212 दिन की उम्र में 107 रन की तूफानी पारी खेली। वनडे इतिहास के

2806वें मुकाबले में जयसूर्या ने भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अपने पुराने अंदाज की झलक दिखाई। उनकी पारी ने साबित किया कि उम्र बढ़ने के बावजूद बड़े शॉट खेलने की क्षमता और आत्मविश्वास बरकरार रखा जा सकता है। वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल ने भी उम्र के इस पड़ाव पर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। 27 फरवरी 2019 को सेंट जॉर्जेस में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 39 साल और 159 दिन की उम्र में 162 रन की तूफानी पारी खेली। वनडे इतिहास के 4099वें मैच में गेल ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से इंग्लिश गेंदबाजों को जमकर परेशान किया।

स्कॉटलैंड के अनुभवी बल्लेबाज रिची बेरिंग्टन ने 13 अगस्त 2026 को डंडी में कनाडा के खिलाफ 39 साल और 132 दिन की उम्र में 120 रन बनाए। वनडे इतिहास के 5005वें मुकाबले में उनकी यह पारी अनुभव और धैर्य का शानदार उदाहरण रही। आयरलैंड के एड जॉयस भी इस सूची में शामिल हैं। उन्होंने 11 जनवरी 2018 को दुबई में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ 39 साल और 111 दिन की उम्र में नाबाद 116 रन बनाए थे। उनकी तकनीकी रूप से मजबूत और संयमित पारी ने दिखाया कि अनुभव दबाव वाले मुकाबलों में टीम के लिए कितना उपयोगी साबित हो सकता है।

श्रीलंका के रुमेश थरंगा ने ब्रसेल्स डायमंड लीग खिताब जीता

ब्रसेल्स। श्रीलंका के रुमेश थरंगा ने यहां आयोजित डायमंड लीग भाला फेंक स्पर्धा में 89.04 मीटर थ्रो के साथ ही खिताब जीता है। इस प्रकार रुमेश डायमंड लीग जीतने वाले पहले श्रीलंकाई एथलीट बन गए हैं। इसके साथ ही वह जीत के साथ सत्र का समापन करने में सफल रहे हैं।

थरंगा ने अपने तीसरे प्रयास में 89.04 मीटर भाला फेंका। यह पूरा सत्र इस श्रीलंकाई खिलाड़ी के लिए अच्छा रहा। उन्होंने इस सत्र में दो बार 90 मीटर से अधिक भाला फेंककर एथलेटिक्स जगत में अपनी एक नई पहचान बनाई थी, जिससे यह साबित हो गया था कि वह बड़े मंचों पर प्रदर्शन करने में सक्षम हैं।

इस ऐतिहासिक जीत के बाद अपनी खुशी व्यक्त करते हुए थरंगा ने कहा, मैं इस जीत के बाद वास्तव में बहुत खुश हूं। श्रीलंका जैसे एक छोटे से देश से आकर इस तरह की बड़ी प्रतियोगिता जीतना मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है, और यह मेरे देश के लिए भी गर्व का क्षण है। उनका यह बयान उनकी विनम्रता और अपने देश के

प्रति उनके प्रेम को दर्शाता है।

गौरतलब है कि फाइनल में थरंगा की शुरुआत धीमी रही थी पर इसके बाद जब उन्होंने लय पकड़ी तो फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। पहले प्रयास में उन्होंने 80.42 मीटर और दूसरे में 79.73 मीटर का थ्रो किया। वहीं तीसरे प्रयास में रुमेश ने 89.04 मीटर का निर्णायक थ्रो फेंका, जिससे उन्हें जीत मिली। यह दिखाता है कि वह दबाव में भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। इस टूर्नामेंट में पोलैंड के दाविद वेगनेर ने 87.47 मीटर के साथ ही सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ ही दूसरा स्थान हासिल किया। भारत के शीर्ष खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा फिट नहीं होने के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर थे। ऐसे में रुमेश को ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स से खतरा था पर पीटरसन 70 मीटर तक ही भाला फेंक पाये। वहीं त्रिनिदाद और टोबैगो के पूर्व ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वाल्कोट ने 83.99 मीटर के अपने सत्र के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पोडियम पर तीसरा स्थान हासिल किया।

क्रिकेट के मैदान पर कद का अनोखा मुकाबला

- कोई 5 फीट से भी छोटा तो कोई 7 फीट से ज्यादा; दोनों ने बनाया खास मुकाम

नई दिल्ली । क्रिकेट में जब लंबे कद की बात होती है तो अक्सर तेज गेंदबाजों की तस्वीर सामने आती है, जो अपनी लंबाई का फायदा उठाकर गेंद में अतिरिक्त उछाल पैदा करते हैं। हालांकि, क्रिकेट का इतिहास यह भी बताता है कि इस खेल में सफलता के लिए कद नहीं, बल्कि तकनीक, मानसिक मजबूती और प्रतिभा ज्यादा मायने रखती है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऐसे खिलाड़ी भी रहे हैं, जिनके कद में जमीन-आसमान का अंतर था, लेकिन दोनों ने अपनी अलग खूबियों से पहचान बनाई। क्रिकेट इतिहास में सबसे छोटे कद के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में न्यूजीलैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज क्रूगर वैन विक का नाम लिया जाता है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे वैन विक घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उस समय दक्षिण अफ्रीकी टीम में दिग्गज विकेटकीपर मार्क बाउचर की जगह लगभग तय थी। ऐसे में बेहतर अवसर की तलाश में उन्होंने न्यूजीलैंड का रुख किया। वर्ष 2012 में उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। विकेट के पीछे उनका छोटा कद जरूर आकर्षण का केंद्र रहता था, लेकिन फुर्ती और तकनीक के दम पर उन्होंने नौ टेस्ट मैच खेले और 31 से अधिक की औसत से रन बनाए। उन्होंने साबित किया कि क्रिकेट में कद से ज्यादा कौशल और आत्मविश्वास महत्वपूर्ण है।

दूसरी ओर पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद इरफान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे लंबे खिलाड़ियों में शुमार रहे हैं। करीब 7 फीट 1 इंच लंबे इरफान की ऊंचाई उनकी गेंदबाजी की सबसे बड़ी ताकत बनी। उनका रिलीज प्वाइंट बेहद ऊंचा था, जिससे गेंद बल्लेबाजों को असामान्य उछाल के साथ आती हुई महसूस होती थी। क्रिकेट में पहचान बनाने से पहले इरफान ने पाइप फैक्ट्री में काम भी किया था। प्रतिभा पहचाने जाने के बाद उन्होंने पाकिस्तान के लिए टेस्ट, वनडे और टी-20 तीनों प्रारूपों में खेला। उनकी लंबाई और बाउंस ने दुनिया के कई बल्लेबाजों के सामने चुनौती पेश की। क्रूगर वैन विक और मोहम्मद इरफान क्रिकेट के दो ऐसे उदाहरण हैं, जो बताते हैं कि इस खेल में अलग-अलग शारीरिक खूबियां भी ताकत बन सकती हैं। वैन विक ने छोटे कद को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया, जबकि इरफान ने असाधारण लंबाई को अपनी गेंदबाजी का हथियार बनाया। दोनों की कहानी क्रिकेट की विविधता और इस खेल में प्रतिभा की अहमियत को दर्शाती है।

पाक बोर्ड के खिलाड़ी के फोन जब्त करने पर उठे सवाल

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट (पीसीबी) एक बार फिर विवादों में आ गया है। इस बार ये विवाद खिलाड़ियों के मोबाइल फोन जब्त किये जाने को लेकर हैं। इससे मैच फिक्सिंग की आशंकाएं भी उठने लगी हैं। इंग्लैंड दौरे पर सीरीज के तीसरे और अंतिम टेस्ट से पहले पीसीबी ने कुछ खिलाड़ियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए। इससे टीम के भीतर चल रही किसी संभावित गड़बड़ी को रोकने में सहायता मिलेगी। फोन किस कारण ये जब्त किये गये हैं। इसका कोई स्पष्ट कारण पता नहीं चला है। वहीं एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि टीम के सदस्यों ने पीसीबी को अपने फोन सौंप दिए हैं। बोर्ड ने भी यह नहीं बताया है कि यह किसी प्रोटोकॉल, अनुशासनात्मक प्रक्रिया का हिस्सा है, या फिर यह आशंका है कि कहीं मैच फिक्सिंग का कोई मामला तो नहीं। इस घटनाक्रम ने क्रिकेट जगत में खिलाड़ियों की निजता को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ दी है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि खिलाड़ी का निजी फोन कितने समय तक बोर्ड अपने कब्जे में रख सकता है और किन हालातों में उसकी निजी जानकारी तक पहुँच बनाई जा सकती है। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद काउंसिल (आईसीसी) के नियम के अनुसार ड्रेसिंग रूम जैसे प्रतिबंधित क्षेत्रों में खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को फोन के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होती है। ऐसे इलाकों में प्रवेश करने से पहले खिलाड़ियों को अपने फोन सुरक्षित स्थान पर जमा करने होते हैं।

कार्यालय नगरपालिका परिषद बालाघाट
जिला-बालाघाट (म.प्र)

दुरभाष07632-241318 ईमेल-cmobalaghat@mpurban.gov.in

क्रमांक/एफ-/ज.प्र.वि./2026/7883 बालाघाट,तारीख- 03/09/2026

आम सूचना

शहर के आम नागरिको को सूचित किया जाता है धन कि नगरपालिका परिषद बालाघाट के जल छानन संयंत्र गृह में निर्माणाधीन नवीन फिल्टर प्लांट में बीचो बीच में आ रही 400 एम.एम. पाईप लाईन को अन्यंत्र जगह से शिफ्ट कर जोड़ा जाना है जिसके कारण शहर के एम.एल.बी. टंकी प्रभावित वार्ड 17,19,20,21,23,23, 25,26,27,28 तथा बूढ़ी पानी टंकी प्रभावित वार्ड 01,02,10,12,13,14 में जल प्रदाय प्रभावित होगा। यह भी अपील की जाती है कि आपका सहयोग इस कार्य में प्रदान करे। सुधार कार्य उपरांत सुचारू रूप से जल आपूर्ति किया जाना संभव हो सकेगा। नगरपालिका परिषद के द्वारा शीघ्र सुधार किया जावेगा ।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद बालाघाट
जिला बालाघाट(म.प्र)

गरबा में आधार-तिलक अनिवार्य, दुर्गा पूजा पर वीएचपी के निर्देशों से सियासी संग्राम

मुंबई। नवरात्रि से पहले, विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने महाराष्ट्र में गरबा और डांडिया आयोजनों के साथ-साथ पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा को लेकर कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन फरमानों ने दोनों राज्यों में सियासी और सांस्कृतिक बहस को तेज किया है।

महाराष्ट्र में, वीएचपी ने मुस्लिम समुदाय के सदस्यों को गरबा और डांडिया कार्यक्रमों से दूर रखने का निर्णय लिया है। संगठन ने आयोजकों को प्रतिभागियों की पहचान हिंदू सुनिश्चित करने के लिए आधार कार्ड जांचने और माथे पर तिलक लगाने जैसे कदम उठाने की सलाह दी है। वीएचपी प्रवक्ता और संयुक्त सचिव श्रीराज नायर ने स्पष्ट किया कि इन उपायों का लक्ष्य आयोजनों में मुस्लिम समुदाय के लोगों की भागीदारी को रोकना है।

वीएचपी के फैसले पर विपक्षी दलों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने वीएचपी पर निशाना साधकर उस राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के हालिया न्यूयॉर्क भाषण को सुनने की नसीहत दी। वहीं, कांग्रेस विधायक अमीन पटेल ने गरबा और नवरात्रि कार्यक्रमों से मुस्लिमों को दूर रखने की मांग को संविधान के खिलाफ बताकर सवाल उठाया कि क्या किसी समुदाय को धार्मिक आयोजनों में शामिल होने से रोकना संवैधानिक है।

बंगाल में भी दुर्गा पूजा के आयोजन को लेकर वीएचपी से जुड़े सनातन संस्कृति संसद ने पूजा आयोजकों को खास निर्देश दिए हैं। 26 अगस्त को कोलकाता में हुए कार्यक्रम के दौरान, सनातन संस्कृति संसद के सचिव स्वामी निर्गुणानंद ने कहा कि दुर्गा पूजा मूल रूप से हिंदू धार्मिक पर्व है और इसके आयोजन की जिम्मेदारी हिंदू समुदाय के लोगों की ही होनी चाहिए। उन्होंने पूजा पंडालों में सनातनी परंपराओं और पारंपरिक धार्मिक रीति-रिवाजों को प्राथमिकता देने, साथ ही पंडालों की धार्मिक पवित्रता बनाए रखने के लिए मांसाहारी भोजन से परहेज करने पर जोर दिया। उनके अनुसार, दूसरे धर्मों के लोग दुर्गा पूजा देखने के लिए पंडालों में आ सकते हैं, लेकिन पूजा की धार्मिक गतिविधियों और आयोजन की जिम्मेदारी हिंदू समुदाय को ही संभालनी चाहिए।

वीएचपी के इन सुझावों पर सोशल मीडिया पर भी बहस छिड़ गई है। आलोचकों का कहना है कि बंगाल की दुर्गा पूजा दशकों से एक व्यापक सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव बन चुकी है, जो केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है। दिसंबर 2021 में यूनेस्को ने कोलकाता की दुर्गा पूजा को अपनी अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया था, इसे धर्म, कला, शिल्प और सामुदायिक भागीदारी का अनोखा मेल बताया था। कुम्हारटोली के कलाकारों द्वारा प्रतिमाओं का निर्माण, भव्य पंडाल, ढाक की गूंज और विभिन्न समुदायों की भागीदारी इस एक समावेशी उत्सव बनाती है।

गुजरात कांग्रेस की कमान अब रणदीप सुरजेवाला के हाथ, मुकुल वासनिक को मिली जिम्मेदारी से मुक्ति

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपने संगठन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश संगठन में व्यापक फेरबदल किया है। पार्टी हाईकमान ने गुजरात कांग्रेस के प्रभारी पद पर बड़ा बदलाव करते हुए वर्तमान प्रभारी मुकुल वासनिक की जगह राज्यसभा सांसद रणदीपसिंह सुरजेवाला को नई जिम्मेदारी सौंपी है। इसके साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए गुजरात कांग्रेस की महत्वपूर्ण कमान अब रणदीप सुरजेवाला के हाथों में होगी।

कांग्रेस के इस फैसले को गुजरात में पार्टी संगठन को चुनावी दृष्टि से अधिक सक्रिय और मजबूत बनाने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है। विधानसभा चुनाव से पहले प्रभारी पद में बदलाव को पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक निर्णय माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, गुजरात कांग्रेस के मौजूदा प्रभारी मुकुल वासनिक ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से उन्हें गुजरात की प्रभारी जिम्मेदारी से मुक्त करने का अनुरोध किया था। हाईकमान ने उनकी मांग पर विचार करते हुए अब उन्हें गुजरात की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया है।

हालांकि, मुकुल वासनिक कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि वे एआईसीसी के महासचिव पद पर बने रहेंगे और राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें सौंपी गई उनकी अन्य जिम्मेदारियां पहले की तरह जारी रहेंगी।

कांग्रेस हाईकमान ने रणदीपसिंह सुरजेवाला को केवल गुजरात तक सीमित नहीं रखा है। उन्हें गुजरात के महासचिव प्रभारी के साथ-साथ कर्नाटक के महासचिव प्रभारी की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। सुरजेवाला के पास अब दोनों राज्यों में पार्टी संगठन से जुड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। गुजरात में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच उनकी नियुक्ति को विशेष रूप से अहम माना जा रहा है।

गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के लिए प्रदेश संगठन को मजबूत करना बड़ी चुनौती है। ऐसे में प्रभारी के रूप में रणदीप सुरजेवाला की नियुक्ति को पार्टी की चुनावी रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद सुरजेवाला के सामने गुजरात में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने तथा आगामी चुनाव के लिए कांग्रेस की रणनीति को प्रभावी ढंग से लागू करने की चुनौती होगी। कांग्रेस के इस बड़े संगठनात्मक बदलाव के बाद अब सभी की नजर इस बात पर रहेगी कि सुरजेवाला गुजरात में पार्टी की चुनावी रणनीति को किस तरह आगे बढ़ाते हैं और प्रदेश कांग्रेस को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कितना मजबूत बना पाते हैं।

लंदन जा रही फ्लाइट की बेंगलुरु में इमरजेंसी लैंडिंग

बेंगलुरु। लंदन जा रही वर्जिन अटलांटिक के विमान को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद तकनीकी खराबी के चलते बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 'आपात स्थिति में उतरना पड़ा। विमान में 270 पैसेंजर्स सवार थे। एयरपोर्ट के संचालक बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (बीआईएएल) के सूत्रों ने बताया कि विमान ने सुबह करीब 8ः20 बजे हवाई अड्डे से उड़ान भरी, लेकिन उड़ान भरने के तुरंत बाद उसमें तकनीकी खराबी आ गई। इसके चलते तुमकुरु के नजदीक प्लेन ने आधे घंटे से अधिक समय तक चक्कर लगाया और फिर एहतियानत बेंगलुरु एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग की। विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं।

भारत-चीन संबंधों पर टिका एशिया का भविष्य : पूर्व सीडीएस चौहान

नई दिल्ली। पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि एशिया का भविष्य काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगा कि भारत और चीन अपने एक साथ हो रहे उत्थान को किस तरह प्रबंधित करते हैं। पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 139वीं जयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने भारत-चीन संबंधों की जटिलताओं और संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

पूर्व सीडीएस जनरल चौहान ने रेखांकित किया कि भारत और चीन दोनों ही एशिया की प्रमुख शक्तियां, बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और प्राचीन सभ्यताएं हैं। इन दोनों देशों के बीच सहयोग और प्रतिस्पर्धा दोनों जारी हैं, और उनके संबंधों को केवल सीमा विवाद तक सीमित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि वे कुछ क्षेत्रों में सहयोग करते हैं, लेकिन प्रभाव और बाजारों के लिए प्रतिस्पर्धा भी करते हैं, साथ ही क्षेत्रीय व वैश्विक व्यवस्था पर उनके विचार अलग-अलग हो सकते हैं। उन्होंने भारत को चीन के साथ शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और ब्रिक्स (ब्रिक्स) जैसे बहुपक्षीय मंचों के माध्यम से लगातार संवाद बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

पाकिस्तान के बारे में जनरल चौहान ने कहा कि सीमा पार आतंकवाद के कारण यह भारत के लिए एक प्रमुख सुरक्षा चुनौती बनेगा। उन्होंने परमाणु हथियारों द्वारा निर्मित स्थिरता विरोधाभास का जिक्र किया, जिसके तहत शीर्ष स्तर पर स्थिरता होने के बावजूद निचले स्तर पर अस्थिरता को बढ़ावा मिलता है। पाकिस्तान की रणनीति पारंपरिक सैन्य अभियानों के लिए उपलब्ध गुंजाइश को सीमित कर, उप-पारंपरिक अभियानों के लिए जगह बढ़ाने की रही है। उभरती सुरक्षा चुनौतियों पर पूर्व सीडीएस ने भू-राजनीतिक अनिश्चितता को वैश्विक सुरक्षा के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताया। उन्होंने समझाया कि पुरानी वैश्विक शक्ति-संतुलन व्यवस्था कमजोर हो रही है, जबकि नई विश्व व्यवस्था की संरचनाएं अभी आकार ले रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट की अनोखी पहल : कानून-न्याय पर मासिक संवाद और सम्मान

नई दिल्ली। कानून, न्याय और समाज से जुड़े महत्वपूर्ण समकालीन विषयों पर नियमित संवाद और विचारों के आदान-प्रदान का एक नया मंच तैयार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक पहल की है। शिक्षक दिवस के मौके पर प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) सूर्यकांत ने कानून, न्याय और कानूनी शिक्षा पर एक मासिक व्याख्यान श्रृंखला शुरू करने और एक वार्षिक पुरस्कार देने के प्रस्ताव की घोषणा की।

यह अनूठी श्रृंखला एक जरूरी विचार, हर महीने की अवधारणा पर आधारित होगी, जिसमें बेंच, बार, शिक्षाविद्, प्रख्यात विशेषज्ञ और युवा विधि विशेषज्ञ एक साथ आएंगे। इसका उद्देश्य केवल पारंपरिक व्याख्यानों तक सीमित रहना नहीं है, बल्कि पीढ़ियों के बीच सार्थक चर्चा को बढ़ावा देना और कानूनी संस्थानों तथा युवाओं के बीच जुड़ाव बढ़ाना है।

प्रत्येक माह किसी प्रख्यात न्यायविद् या डोमेन विशेषज्ञ का व्याख्यान होगा, जिसके बाद आइडिया डायलॉग होगी। इसमें युवा वकीलों, विधि छात्रों और शोधकर्ताओं को भी भाग लेने का अवसर मिलेगा। इस पूरी श्रृंखला की रिकॉर्डिंग की जाएगी और संपादित करके सार्वजनिक ज्ञान संसाधन व स्थायी संग्रह तैयार किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहुंच के लिए इसका सीधा प्रसारण (लाइव-स्ट्रीमिंग) और भारतीय भाषाओं में संक्षिप्त सारांश भी उपलब्ध होंगे।

कानूनी शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने हर साल शिक्षक दिवस के आसपास एक या दो उत्कृष्ट शिक्षाविदों को सुप्रीम कोर्ट न्याय शिक्षा सम्मान से सम्मानित करने का भी प्रस्ताव रखा है। इस श्रृंखला का पहला संस्करण इसी महीने आयोजित किया जाएगा। इस पहल के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट का लक्ष्य कानून और न्याय के भविष्य को आकार देने वाले विषयों पर गहरी कानूनी सोच और स्थायी संस्थागत परंपरा को स्थापित करना है।

एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत

तिरुवनंतपुरम। केरलम के त्रिशूर में शनिवार देर रात एक बाइक सवार परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मरने वालों तीन साल का बच्चा भी शामिल था। मृतकों की पहचान चावक्कड़ के एडक्काझियूर निवासी 35 वर्षीय मुनीर, उनकी 25 वर्षीय पत्नी सफना और उनके बेटे यामिल ऐबक के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि परिवार एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद घर लौट रहा था। इसी दौरान किसी का फोन आने पर मुनीर ने अपनी बाइक गुरुवायूर-कुन्नमकुलम सडक किनारे खड़ी की थी। इसी दौरान पीछे से फुल स्पीड में आ रही एक कार ने बाइक को टक्कर मारते हुए तीनों को कुचल दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि पूरी बाइक से परखच्चे उड़ गए।

महाराष्ट्र में छात्रों का टूटा भरोसा : राहुल गांधी ने सरकार से की कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में हजारों छात्रों के प्रदर्शन पर चिंता व्यक्त कर कहा कि पूरे तंत्र से उनका भरोसा टूट चुका है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को छात्रों की आवाज सुनने और तुरंत कार्रवाई करने की सलाह दी, अन्यथा छात्रों की गूंज और तेज होगी।

राहुल गांधी ने कहा कि चाहे केंद्र हो या राज्य, हर छात्र भाजपा सरकार से परेशान है। उन्होंने पेपर लीक, रुकी हुई भर्तियां, शिक्षा की बढ़ती और असहनीय लागत, छात्रावासों में अमानवीय हालात, भोजन की खराब गुणवत्ता और डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) में धोखाधड़ी को छात्रों के गुस्से की मुख्य वजह है। उन्होंने आरोप लगाया कि एमपीएससी जैसी संवैधानिक संस्था पर भी नियंत्रण कर उसकी विश्वसनीयता को खत्म किया गया है। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों के बेहतर भविष्य से जुड़ी उनकी सभी मांगें जायज हैं। उन्होंने महायुति सरकार से तुरंत कार्रवाई की अपील कर चेतावनी दी कि न्याय न मिलने तक यह छात्रों की गूंज और तेज होती जाएगी।

राहुल गांधी की यह टिप्पणी तब आई है जब महाराष्ट्र सरकार ने राज्य की मौजूदा भर्ती परीक्षा प्रणाली की व्यापक समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। इस समिति का उद्देश्य परीक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित, विश्वसनीय और उम्मीदवारों के अनुकूल बनाने के उपाय सुझाना है। समीक्षा में प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर उनकी सुरक्षा, परीक्षा केंद्रों के प्रबंधन, प्रौद्योगिकी के उपयोग, नकल रोकने और शिकायतों के निवारण सहित परीक्षा प्रक्रिया के सभी पहलुओं की गहन जांच की जाएगी। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में आदिवासी छात्रों और नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों ने छात्रावासों की बदहाल स्थिति, सुरक्षा मुद्दों और परीक्षा प्रश्नपत्र लीक को लेकर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए थे। इन विरोध प्रदर्शनों और उनकी प्रमुख मांगों को स्वीकार करते हुए ही राज्य सरकार ने परीक्षा सुधार के लिए इस नई समिति के गठन का फैसला किया है।

ओडिशा में 45,000 शिक्षकों की भर्ती, सीएम माझी की सलाह सोशल मीडिया से दूर छात्र

ओडिशा,। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने राज्य के शिक्षा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण घोषणा की है, जिसके तहत अगले 3 वर्षों में स्कूलों में 45,000 शिक्षकों के रिक्त पदों को भरा जाएगा। इसके साथ ही, उन्होंने छात्रों से सोशल मीडिया के अत्यधिक इस्तेमाल और ऑनलाइन फैलने वाली भ्रामक सूचनाओं से बचने की अपील की। मुख्यमंत्री माझी ने कटक में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर कहा कि विद्यार्थियों की प्राथमिक जिम्मेदारी ज्ञान और कौशल हासिल करना तथा अपने एवं देश के विकास में योगदान देना है। सीएम माझी ने शिक्षक-छात्र संबंधों के महत्व को रेखांकित कर शिक्षा को इंसान के निर्माण की एक महान प्रक्रिया बताया। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा की प्रासंगिकता पर जोर देकर राज्य सरकार की विभिन्न शैक्षिक पहलों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि ओडिशा देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है, जहां किंडरगार्टन (केजी) से लेकर स्नातकोत्तर (पीजी) तक मुफ्त शिक्षा उपलब्ध होती है। उन्होंने बताया कि राज्य में 12,000 करोड़ रुपये की लागत से 2,200 गोदाबरिश मिश्रा आदर्श प्राथमिक विद्यालयों का निर्माण हो रहा है, और प्री-स्कूल बच्चों के लिए 45,000 शिशु वाटिकाएं भी खोली जाएंगी। माझी ने मध्याह्न भोजन, कक्षा 9 और 10 के विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकें तथा आदिवासी छात्रों के लिए शहीद माधो सिंह हाथ खर्चा योजना जैसी कई अन्य छात्र कल्याणकारी योजनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने शिक्षकों के समर्पण की सराहना करते हुए कई शिक्षकों को सम्मानित किया और छात्रों से अपील की कि वे शिक्षा और करियर लक्ष्यों पर ध्यान दें, सोशल मीडिया पर समय बर्बाद न करें।

सांसद कंगना का पारा हाई, अधिकारियों से कहा....आप लोगों को शर्म नहीं आती ?

मंडी । हिमाचल के मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत ने जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में अधिकारियों के ढीले-ढाले कामकाज पर जमकर फटकार लगा दी। केंद्र प्रायोजित योजनाओं और सांसद निधि (एमपीएलएडीएस) के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा कर उन्होंने अधिकारियों से जवाबदेही के साथ काम करने और जनता के पैसे का सही इस्तेमाल सुनिश्चित करने को कहा।

सांसद रनौत ने अधिकारियों के सामने चौंकाने वाले आंकड़े रखे। उन्होंने बताया कि उनके सांसद फंड में उपलब्ध लगभग 11 करोड़ रुपये में से सिर्फ 50 लाख ही खर्च हुए हैं। इस पर नाराजगी जताकर उन्होंने कहा, मुझे ये बेकार के जुमले मत सुनाइए। हर दिशा कमिटी की बैठक में मुझे यही सुनने को मिलता है। उन्होंने खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) से काम में देरी पर सवाल किए और खर्च की प्रदर्शन रिपोर्ट तुरंत मांगी। उन्होंने बताया कि पहले उन्हें जानकारी दी गई थी कि 90 प्रतिशत फंड खर्च हो चुका है, जो हकीकत से बिल्कुल परे था।

कंगना ने अधिकारियों को दो टूक कहा, आप लोगों को शर्म नहीं आती? उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय स्तर से पत्र भेजने जाने के बावजूद अधिकारी काम नहीं करते। सांसद ने कहा कि उनके कार्यालय की बात नहीं सुनी जाती, जिससे नकारात्मक प्रचार हो रहा है और उनकी जग हंसाई होती है, लोग रील्स बना रहे हैं। उन्होंने चुनौती भरे लहजे में कहा कि अगर उन्हें अधिकारियों का कार्यालय मिल जाए, तब वे एक दिन में काम करके दिखा देंगी।

बैठक में सांसद ने सरकारी योजनाओं के लाभ को पात्र लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया और व्यवस्था पर सवाल उठाकर कहा कि जनता के पैसे का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि लगभग 30 से 40 प्रतिशत जनता का पैसा गलत हाथों में जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि केंद्र सरकार की योजनाएं केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका वास्तविक लाभ गांवों और जरूरतमंदों तक पहुंचे। यह पहली बार नहीं है जब कंगना ने दिशा बैठकों में अधिकारियों के कामकाज पर नाराजगी जाहिर की है। इसके पहले अक्टूबर में हुई बैठक में भी उन्होंने अधिकारियों को लापरवाही न बरतने की चेतावनी दी थी।

अवैध कच्ची महुआ शराब के 110 ड्रमों से 55 क्विंटल महुआ लहान एवं भट्टे को किया नष्ट

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। थाना लालबर्रा पुलिस द्वारा नशा विरोधी अभियान के अंतर्गत ग्राम खैरगोंदी के जंगल क्षेत्र एवं गांव के आसपास अवैध क'ची हाथ भट्टी महुआ शराब के विरूध्द निरंतर कार्यवाही की जा रही है। रविवार को लालबर्रा पुलिस टीम द्वारा जंगल क्षेत्र एवं आसपास के इलाकों में करीब 10 अलग-अलग ठिकानों पर छापामार कार्यवाही की। इस कार्यवाही के दौरान लगभग 110 ड्रमों में करीब 55 क्विंटल महुआ लहान तथा अवैध शराब निर्माण के लिए लगाये गये भट्टे पाये गये। पुलिस टीम द्वारा मौके पर ही महुआ लहान एवं अवैध शराब निर्माण में प्रयुक्त भट्टियों को नष्ट किया गया, जिससे अवैध शराब के निर्माण पर प्रभावी रोक लगाने की कार्यवाही की गई। वहीं थाना लालबर्रा पुलिस द्वारा अवैध शराब एवं नशीले पदार्थों के विरूध्द अभियान लगातार जारी है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी राजमल दायमा, सहायक उपनिरीक्षक प्रशांत बसोड़, विजय बिसेन, प्रधान आरक्षक दिलीप भगत, विश्राम धुर्वे, कृष्णकुमार पटेल, आरक्षक दिलीप राहंगडाले, विमलेश सिसोदिया, दीपक शर्मा, विनोद पलवार एवं चालक आरक्षक विजय हरदिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अरुणाचल में पहली बार भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की बैठक

मौजूदा मुद्दों पर दोनों पक्षों में हुई बातचीत

नई दिल्ली। भारत और चीन की सेनाओं ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश में पहली बार कोर कमांडर स्तर की महत्वपूर्ण बैठक की। यह वार्ता वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर वाचा-दमाई बॉर्डर मीटिंग पॉइंट के भारतीय क्षेत्र में स्थित वाचा पर हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य अरुणाचल प्रदेश से जुड़े सीमा क्षेत्र में दोनों सेनाओं के बीच मौजूदा मुद्दों पर चर्चा करना और उनके समाधान के रास्ते निकलना था।

बात दें कि अरुणाचल प्रदेश में कोर कमांडर स्तर की पहली बातचीत रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। अरुणाचल का सीमावर्ती इलाका दोनों देशों के लिए अहम है और पहले इसतरह की बैठकें मुख्य रूप से लद्दाख सेक्टर तक सीमित रही हैं। भारतीय पक्ष का नेतृत्व तीन कोर कमांडरों ने किया, जिसमें तेजपुर स्थित 4 कोर और रंगापहार स्थित 3 कोर के प्रमुख शामिल थे, जो अरुणाचल प्रदेश में एलएसी की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं। भारत-चीन एलएसी पर पांच बॉर्डर पर्सनल मीटिंग (बीपीएम) पॉइंट हैं, जिसमें से दो अरुणाचल प्रदेश में हैं, वाचा इन्हीं दो बीपीएम पॉइंट में से एक है।

यह वार्ता तब हुई है जब भारत और चीन के बीच सीमा संबंधी मुद्दों को लेकर सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर संवाद जारी है। दोनों देशों की एलएसी को लेकर अपनी-अपनी अलग राय है, इस कारण अक्सर जमीनी स्तर पर समस्याएं पैदा होती हैं। सूत्रों के अनुसार, भारतीय सेना ने उन इलाकों में चीनी सैनिकों के रुख से निपटने के लिए बेहद सख्त रवैया अपनाया है, जहां अभी भी मुद्दे अनसुलझे हैं। पूर्व में, लद्दाख सेक्टर में चुशुल-मोल्डो बॉर्डर मीटिंग पॉइंट पर एलएसी से जुड़े मुद्दों को सुलझाने के लिए कॉर्प्स कमांडर-लेवल की बैठकें होती रही हैं, खासकर 2020 की गलवान झड़पों के बाद, जब दोनों पक्षों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था।

सैन्य स्तर की यह ताजा बातचीत राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की हालिया चीन यात्रा के बाद हुई है। एनएसए डोभाल ने बीजिंग में चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ 'स्पेशल रिप्रेजेंटेटिव्स डायलॉग' के तहत बातचीत की थी, जिसका मुख्य केंद्र सीमा तय करने और सीमा-पार सहयोग पर काम जारी रखना था। इस बीच, उम्मीद है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स (ब्रिक्स) शिखर सम्मेलन के लिए भारत का दौरा कर रहे है। पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान (रिटायर्ड) ने भी पूर्वोत्तर में हॉटलाइन बनाने और कॉर्प्स कमांडर-लेवल की बातचीत की संभावनाओं का स्वागत कर 'एक स्वागत योग्य कदम' बताया है।

घोटी में शोभायात्रा निकालकर किया गया प्रतिमा का विसर्जन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर शुक्रवार को ग्राम स्थित श्रीकृष्ण मंदिर एवं हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा अपने-अपने घरों में शुभ-मुहूर्त पर भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना कर ग्राम की सुख-समृध्दि के लिए प्रार्थना की गई और रातभर भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। वहीं शनिवार को शाम 5 बजे सभी श्रध्दालुजन अपने-अपने घरों से प्रतिमा लेकर ग्राम के चौक में एकत्रित हुए जिसके बाद डीजे की धुन पर शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण के भक्तजनों के द्वारा जमकर नृत्य भी किया गया। यह शोभायात्रा ग्राम का भ्रमण करते हुए ग्राम स्थित तालाब पहुंची जहां भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा की आरती कर विधिपूर्वक प्रतिमा का विसर्जन किया गया। साथ ही ग्राम घोटी में कुछेक परिवार को छोड़कर सभी परिवार में भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा विराजित कर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। जिसके कारण पुरा ग्राम भक्तिमय नजर आया और हर घर से हाथी घोड़ा पालकी.. जय कन्हैया लाल के गीत सुनाई दिये। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह का बालाघाट आगमन आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री तथा बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह का 07 सितंबर को बालाघाट आगमन होगा। अपने प्रवास के दौरान प्रभारी मंत्री अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले से संबंधित विषयों की समीक्षा करेंगे तथा ग्रामीणों से सौजन्य भेंट करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री श्री सिंह 07 सितंबर को प्रात: 8 बजे नरसिंहपुर जिले के ग्राम लोलरी से बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगे और दोपहर 12 बजे बालाघाट पहुंचेंगे। इसके बाद वे दोपहर 1 बजे कलेक्ट्रेट कार्यालय सभागार में अधिकारियों की बैठक लेंगे। बैठक के पश्चात प्रभारी मंत्री श्री सिंह अपराह्न 3 बजे बालाघाट से ग्राम बोदल बहेरा के लिए प्रस्थान करेंगे। ग्राम बोदल बहेरा में वे ग्रामीणों से सौजन्य भेंट एवं संवाद करेंगे। इसके बाद अपराह्न 4:30 बजे ग्राम बोदल बेहरा से ग्राम लोलरी, जिला नरसिंहपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

गांगुलपारा गोलाई में हुआ भीषण सड़क हादसा

स्विफ्ट डिजायर कार को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित हुआ वाहन, एक दर्जन से अधिक लोग घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रविवार सुबह करीब 11 बजे गांगुलपारा के पास उस वक्त चीख पुकार मच गई जब छत्तीसगढ़ के मुंगेली से डीजे का सामान लेकर तिरोड़ी जा रहा डीजे वाहन, गांगुलपारा गोलाई के पास पलट गया। जहां वाहन पलटते ही उसमे सवार करीब 1 3 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।जिन्हें 108 एंबुलेंस की मदद से उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है। जहां उनका उपचार जारी है।

घायलो में इनका समावेश

गांगुलपारा गोलाई के पास हुए इस भीषण सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के जिला मुंगेली आसपास गांव निवासी करीब 1 दर्जन से अधिक युवक गम्भीर रूप से घायल हुए है।इनमे 23 वर्षीय अमर पिता सुरेश रात्रे, 32 वर्षीय अजय पटेल, 28 वर्षीय संजू खांडे, 22 वर्षीय नितेश खांडे, 28 वर्षीय संजू पटेल, 38 वर्षीय जीतू, 32 वर्षीय मंजीत, कमलेश साहू,हरीश पटेल, खेमसन पुर्रे, जीतू छत्रिय और 38 वर्षी सिक्कू साहू सहित अन्य का समावेश है।बताया जा रहा है की वाहन डीजे के सभी सामान के साथ लोड था, उसमें एक दर्जन से अधिक लोग सवार थे, जबकि सिक्कू साहू वाहन चला रहा था। सभी इस सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए हैं जिनका जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

कृष्ण जन्माष्टमी पर डीजे बजाने तिरोड़ी जा रहे थे युवक

कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर डीजे बजाने छत्तीसगढ़ के मुंगेली से तिरोड़ी जा रहे युवकों से भरा डीजे वाहन गांगुलपारा गोलाई के पास भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गया। बताया जा रहा है कि बालाघाट से बैहर की ओर जा रही स्विफ्ट डिजायर कार को बचाने के प्रयास में डीजे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में वाहन में सवार करीब 13 लोग घायल हो गए।हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल घायलों को वाहन से बाहर निकाला और उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। सभी घायलों का जिला अस्पताल में उपचार जारी बताया जा रहा है।

कार को बचाने के चक्कर में बिगड़ा संतुलन

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार डीजे वाहन मुंगेली, छत्तीसगढ़ से तिरोड़ी की ओर जा रहा था। वाहन में युवक सवार थे। गांगुलपारा गोलाई के पास सामने से मार्ग पर आ रही स्विफ्ट डिजायर कार को बचाने के प्रयास में चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद डीजे वाहन सड़क पर पलट गया।

मामले की जाँच में जुटी पुलिस

बताया गया कि सभी युवक कृष्ण जन्माष्टमी के कार्यक्रम में डीजे बजाने के लिए तिरोड़ी जा रहे थे। हादसे में वाहन में सवार सभी लोगों को चोटें आई हैं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।हादसे के बाद पुलिस द्वारा घटना के कारणों और परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

सांप निकल गया फिर लाठी पीट रहे !

उमेश बागरेचा

विशेष टिप्पणी

जिला पंचायत के अध्यक्ष सम्राट सरस्वार ने गत दिनो एक प्रेस वार्ता लेकर निवृतमान जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए है। सरस्वार ने जो आरोप लगाए है वो श्री सराफ के यहां से (जिले से) कूच कर जाने के बाद लगाए है, तो भैय्याजी जब वे यहां पदस्थ थे तब ही यह प्रेस वार्ता करके आरोप लगा देते ? आरोप लगा रहे हैं प्रेस के समक्ष लेकिन कोई ठोस बात भी नही कर रहे है, मात्र हवाबाजी ही प्रेस वार्ता में प्रदर्शित हुई है। अरे भैय्या प्रेस वार्ता में कम से कम एक दो प्रमाण ही दे देते, जब आप कह रहे है कि आपके पास प्रमाण है तो हाथ कंगन को आरसी क्या भ्रष्टाचार की बातें उगल देते। लेकिन उन्होने ऐसा नहीं किया बस ये कहा कि आवश्यकता पड़ने पर भ्रष्टाचार की बातें सामने लांएगे, यह समय कब आएगा, जब समय था, तब तो आपने नहीं कहा वो तो (सीईओ सराफ) निकल लिये, फिर आखिर किस बात का आप इंतजार करते रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष का पद लगभग सांसद के ही समकक्ष होता हैं। लेकिन बीते वर्षों में जिला पंचायत अध्यक्ष के पद की सार्थकता कहीं दृष्टिगोचर नहीं हुई है। हालाकि यह बात भी सही है कि प्रदेश में भैय्या जी की पार्टी (कांग्रेस)सत्ता में नही है इसलिए उन्हें बेहतर कार्य का मौका नहीं मिल पा रहा हो, ऐसी स्थिति में बालाघाट विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमति अनुभा मुंजारे से ही कुछ मार्गदर्शन ले लेते वे भी सत्ता की नहीं विपक्ष(कांग्रेस) की विधायक है, और वो तो जमीन पर संघर्ष करते हुए अपनी आवाज बुलंद करती लगातार दिखाई दे रही है और अधिकारियों की आंखो में आंखे डालकर सवाल जवाब करते भी नजर आ रहीं है। वही दूसरी ओर आपके ही कथन के अनुसार सीईओ श्री सराफ आपको बैठक से ही बाहर रखते रहें है, ऐसे में यह जनता (वोटर) जिन्होंने तथा पंचायत सदस्यों ने जो आपको अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद से नवाजा है, यह उनका अपमान है। फिर इतने दिनों से आपने वोटरों और जि.पं. सदस्यों का अपमान होते हुए कैसे समय बिता दिया और अब जब सीईओ श्री सराफ जिले से स्थानांतरित होकर चले गये है तब आप लाठी भांज रहे हैं इससे जनता जनार्दन को क्या मिलेगा ?

रेल सुविधाओं की मांग को लेकर लामता बंद रहा सफल

एक्सप्रेस ट्रेनों के स्टॉपेज और लोकल ट्रेनों की समय-सारिणी सुधारने की मांग

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। रेल सुविधाओं की मांग को लेकर लामता में एक बार फिर आंदोलन का बिगुल बज उठा। एक्सप्रेस ट्रेनों के स्टॉपेज और लोकल ट्रेनों को समय पर चलाने की मांग को लेकर रविवार 6 सितंबर को क्षेत्रीय लोगों ने लामता बंद कर बस स्टैंड पर चक्काजाम कर दिया। चक्काजाम के चलते बालाघाट-नैनपुर मार्ग पर आवागमन प्रभावित रहा और राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। आंदोलन में स्कूली छात्र-छात्राओं से लेकर ग्रामीण महिला-पुरुष और व्यापारी वर्ग तक शामिल रहे।क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि करीब एक साल पहले भी इन्हीं रेल सुविधाओं की मांग को लेकर लामता बंद आंदोलन किया गया था, लेकिन एक वर्ष बीत जाने के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है। यही वजह है कि प्रशासन और रेलवे की कथित अनदेखी से नाराज लोगों ने दोबारा आंदोलन का रास्ता अपनाया है।उन्होंने एक बार फिर जबलपुर-रायपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस का लामता में स्टॉपेज, जबलपुर-चांदा फोर्ट मार्ग की ट्रेन का लामता में स्टॉपेज, लामता में यात्रियों की सुविधा के अनुरूप रेल सेवाओं का विस्तार, और क्षेत्र की रेल समस्याओं का शीघ्र निराकरण की मांग की है।वही मांग पूरी ना होने पर रेल रोको आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

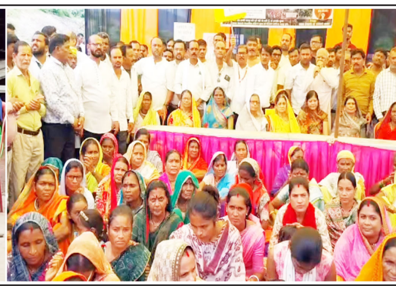

पहले ज्ञापन, फिर आंदोलन की चेतावनी, नहीं हुई सुनवाई

बताया गया कि करीब 20 दिन पहले क्षेत्रीय व्यापारियों और पंचायत प्रतिनिधियों ने तहसीलदार मयंक मिश्रा तथा स्टेशन प्रबंधक को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया था। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया था कि क्षेत्र की रेल सुविधाओं में सुधार किया जाए, एक्सप्रेस ट्रेनों को लामता में स्टॉपेज दिया जाए तथा लोकल और पैसेंजर ट्रेनों का संचालन यात्रियों की सुविधा के अनुसार समय पर किया जाए।क्षेत्रीय लोगों ने प्रशासन को चेतावनी दी थी कि यदि 6 सितंबर तक मांगों पर विचार नहीं किया गया तो लामता बंद, चक्काजाम और इसके बाद रेल रोको आंदोलन किया जाएगा। निर्धारित समय तक कोई ठोस पहल नहीं होने पर रविवार को लोगों ने लामता बंद कर चक्काजाम शुरू कर दिया।

चक्काजाम के बाद अब होगा रेल रोको आंदोलन ?

प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ठ कर दिया है कि चक्काजाम और रेल रोको आंदोलन की घोषणा पहले ही कर दी गई थी, इसके बावजूद उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया। लोगों का कहना है कि रेल सुविधाओं की कमी का सबसे ज्यादा असर विद्यार्थियों, नौकरी-पेशा लोगों, व्यापारियों और रोजाना आवागमन करने वाले ग्रामीणों पर पड़ रहा है।प्रदर्शनकारियों ने साफ किया कि रविवार का चक्काजाम आंदोलन अंतिम नहीं है। यदि जल्द ही उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो रेल रोको आंदोलन किया जाएगा।

एक साल पहले भी हुआ था आंदोलन, अब तक नहीं बनी बात

ज्ञात हो कि लामता में रेल सुविधाओं को लेकर यह पहला आंदोलन नहीं है। क्षेत्रीय लोगों के अनुसार 30 जुलाई 2025 को भी इन्हीं मांगों को लेकर लामता बंद आंदोलन किया गया था। उस समय भी एक्सप्रेस ट्रेनों के स्टॉपेज और पैसेंजर ट्रेनों की समय-सारिणी में सुधार की मांग उठाई गई थी। लेकिन सालभर बाद भी स्थिति में अपेक्षित बदलाव नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ती गई और रविवार को दोबारा सड़क पर उतरकर विरोध दर्ज कराया गया।

बैहर-मलाजखंड सहित दर्जनों गांवों के लिए महत्वपूर्ण स्टेशन

स्थानीय लोगो से मिली जानकारी के अनुसार लामता रेलवे स्टेशन केवल स्थानीय लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि बैहर, मलाजखंड और आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों के लिए आवागमन का महत्वपूर्ण माध्यम है। क्षेत्र के बड़ी संख्या में ग्रामीण और व्यापारी रेल के माध्यम से बालाघाट, नैनपुर सहित अन्य स्थानों तक आवागमन करते हैं। लोगों का कहना है कि लामता में प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज नहीं होने और पैसेंजर ट्रेनों का समय यात्रियों की जरूरत के अनुरूप नहीं होने के कारण उन्हें मजबूरी में बसों का सहारा लेना पड़ता है। इससे ग्रामीणों पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ रहा है।

ट्रेन का स्टॉपेज और समय में बदलाव की मांग

आंदोलनकारियों की प्रमुख मांग है कि लामता से गुजरने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों को यहां स्टॉपेज दिया जाए तथा लोकल-पैसेंजर ट्रेनों की समय-सारिणी यात्रियों की सुविधा के अनुसार निर्धारित की जाए। उनका कहना है कि यदि ट्रेनों का स्टॉपेज और समय सही कर दिया जाए तो लामता के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सस्ता, सुगम और सुविधाजनक रेल परिवहन उपलब्ध हो सकता है।

पुलिस ने संभाला मोर्चा, मार्ग पर आवाजाही प्रभावित

लामता बंद और चक्काजाम को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने प्रदर्शन स्थल पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए। बड़ी संख्या में लोग सड़क पर मौजूद रहे, जिसके कारण बालाघाट-नैनपुर मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए रेलवे और प्रशासन से जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की।

एसी कमरों में बैठे जनप्रतिनिधियों को जनता की परेशानी दिखाई नहीं देती- प्रदीप जैन

आंदोलन में शामिल व्यापारी प्रदीप जैन ने जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से रेल सुविधाओं के लिए परेशान है, लेकिन जिम्मेदार इस समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि एसी कमरों में बैठे जनप्रतिनिधियों को क्षेत्रीय जनता की परेशानी दिखाई नहीं दे रही है, जिसके कारण लोगों में आक्रोश है।

मांग पूरी नही हुई, इसलिए करना पड़ा आंदोलन- कोचर

वहीं सरपंच हुलासमल कोचर ने कहा कि क्षेत्रीय जनता और व्यापारियों की ओर से प्रशासन एवं स्टेशन प्रबंधक को ज्ञापन देकर पहले ही आंदोलन की सूचना दी गई थी। इसके बावजूद मांगों पर कोई निर्णय नहीं होने से लोगों को मजबूरी में आंदोलन करना पड़ा। उन्होंने कहा कि एक वर्ष पहले भी आंदोलन किया गया था, लेकिन उस समय उठाई गई मांगों पर भी ध्यान नहीं दिया गया।

डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया बने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा जिला चिकित्सालय जबलपुर में पदस्थ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बालाघाट के पद पर पदस्थ किया गया है। डॉ. दाहिया जिला चिकित्सालय जबलपुर में शिशु रोग विशेषज्ञ के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। शासन द्वारा जारी आदेश के तहत उन्हें अब बालाघाट जिले में स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के रूप में डॉ. दाहिया जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन, चिकित्सा संस्थानों की निगरानी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन तथा आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करेंगे। उनकी पदस्थापना से जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने तथा ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक चिकित्सा सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की उम्मीद जताई जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट